केंद्रीय मंत्री गडकरी ने दिल्ली में... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तापसी ने अपने शादीशुदा रिश्ते... 11

वर्ष - 01, अंक - 326 | गाजियाबाद / शुक्रवार 27 फरवरी 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

कनाडा के पीएम आज से भारत दौरे पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी 27 फरवरी से 2 मार्च तक भारत के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। प्रधानमंत्री कार्नी का भारत का यह पहला आधिकारिक दौरा होगा। चार दिवसीय भारत दौरे पर पीएम कार्नी दोनों देशों के संबंधों की मजबूती पर जोर देंगे। अगले दो दिनों में वे अलग-अलग बिजनेस प्रोग्राम में हिस्सा लेंगे और भारतीय तथा कनाडाई सीईओ, उद्योग एवं वित्तीय विशेषज्ञों, नवोन्मेषकों, शिक्षाविदों के साथ-साथ भारत में स्थित कनाडाई पेंशन फंड के प्रतिनिधियों से बातचीत करेंगे।

अमेरिका ने ईरान को दी सख्त चेतावनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में अमेरिकी युद्धपोतों और सैनिकों की तैनाती के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान को कड़ा संदेश दिया। वेंस ने कहा कि अमेरिका की कूटनीति को कमजोरी न समझा जाए और जरूरत पड़ी तो सैन्य विकल्प भी इस्तेमाल होगा। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी स्थिति में पहुंचना होगा जहां ईरान, जो दुनिया में आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ है, परमाणु आतंकवाद से दुनिया को धमकी न दे सके। सनकी, क्रूर और दुनिया के सबसे खतरनाक शासन को परमाणु हथियार रखने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

राष्ट्रपति आज प्रचंड हेलीकॉप्टर से भरेंगी उड़ान

जैसलमेर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर एयर फोर्स स्टेशन पर देश के पहले स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर एलसएच प्रचंड में उड़ान भरेंगी। ये पहला मौका होगा जब देश की राष्ट्रपति स्वदेशी लड़ाकू हेलिकॉप्टर में को-पायलट बनकर सवार होंगी। उड़ान के दौरान वे 'वायु शक्ति-2026' क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण भी करेंगी। प्रचंड हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा पूरी तरह भारत में बनाया गया लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर है। इसे खासतौर पर ऊंचे पहाड़ों (लद्दाख, सियाचिन जैसे इलाकों) के लिए डिजाइन किया गया है।

अब बुकिंग के बाद 48 घंटे तक बिना शुल्क रद्द करा सकेंगे हवाई टिकट

डीजीसीए ने जारी किए नए नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने रिफंड को लेकर हवाई यात्रियों की बढ़ती शिकायतों के मद्देनजर, नए नियम जारी किये हैं जिसके तहत बुकिंग के 48 घंटे के भीतर बिना किसी शुल्क के टिकट रद्द कराने या उसमें बदलाव का प्रावधान किया गया है। नियामक ने रिफंड जारी करने की अधिकतम समय सीमा और न्यूनतम रिफंड की सीमा भी तय कर दी है। इसके लिए सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स (सीएआर) में बदलाव किये गये हैं। सीएआर के तहत देश के नागरिक उड्डयन क्षेत्र का नियमन होता है। नये नियम 26 मार्च 2026 से प्रभावी होंगे। नए नियमों के अनुसार, टिकट बुकिंग के बाद 48 घंटे तक एयरलाइंस यात्रियों को 'लुक-इन ऑप्शन' देंगी। इस दौरान वे 'बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के' टिकट रद्द करा सकेंगे या उसमें बदलाव कर सकेंगे। हालांकि यदि वे दूसरी उड़ान में बुकिंग कराने का विकल्प चुनते हैं तो दोनों के किराये में जो भी अंतर हो, उसका भुगतान उन्हें करना होगा। 'लुक-इन ऑप्शन' का लाभ उठाने के लिए घरेलू मार्गों के लिए कम से कम सात दिन पहले और अंतर्राष्ट्रीय मार्गों के लिए 15 दिन पहले बुकिंग करानी जरूरी है। यह बुकिंग सीधे विमान सेवा कंपनी के प्लेटफॉर्मों के जरिये करायी जानी अनिवार्य होगी।

'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' वाले अध्याय पर सुप्रीम कोर्ट सख़्त, एनसीईआरटी की किताब पर प्रतिबंध

- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों या बदले शीर्षकों से आदेश का उल्लंघन होगी अदालत की अवमानना
- राज्यों के मुख्य सचिवों से दो सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की उस पाठ्यपुस्तक के पुनर्मुद्रण और डिजिटल प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का संदर्भ दिया गया था। न्यायालय ने प्रचलन में मौजूद किताबों की प्रतियों को तुरंत जब्त करने का निर्देश दिया और इस संबंध में दो सप्ताह के भीतर अनुपालन रिपोर्ट मांगी। न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यह एनसीईआरटी के निदेशक और उन सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी, जहां यह किताब पहुंची है। उन्हें अपने परिसर में मौजूद किताब की सभी प्रतियों को तुरंत जब्त कर सील करना होगा। शीर्ष अदालत ने यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि संबंधित पुस्तक के आधार पर छात्रों को कोई निर्देश या शिक्षा न दी जाए। सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को इस आदेश का पालन करने और दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट भेजने को कहा गया है। शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों या बदले हुए शीर्षकों के जरिए इस आदेश का उल्लंघन करने की किसी भी कोशिश को अदालत की अवमानना और निर्देशों की सीधी अवहेलना माना जाएगा।

इससे पहले बुधवार को मुख्य न्यायाधीश ने पुस्तक की सामग्री पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था कि वह किसी को भी संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं देंगे। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के नेतृत्व वाली पीठ ने इसे न्यायपालिका के खिलाफ एक गहरी साजिश करार

न्यायपालिका के आदेशों का पालन होगा: धर्मेन्द्र प्रधान

- दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का दिया भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में न्यायपालिका के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों पर कड़ा रुख अपनाए जाने के बाद, केन्द्र सरकार एक्शन मोड में नज़र आई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इन उल्लेखों को न्यायपालिका की छवि खराब करने वाली एक 'सोची-समझी साजिश' करार देते हुए बाजार से सभी प्रतियों को तुरंत वापस लेने का आदेश दिया था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने स्पष्ट किया कि सरकार न्यायपालिका के सम्मान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि न्यायपालिका का हम अत्यंत आदरपूर्वक सम्मान करते हैं। जो न्यायपालिका ने कहा है, वो सिर-माथे पर। उसका हम लोग पूरा पालन करेंगे। जो भी हुआ, मैं उसके लिए अत्यंत दुखी हूँ। मैं उसके लिए खेद प्रकट करता हूँ।

धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि जब ही ये घटना मेरे अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल और डॉक्टर अभिषेक मनु सिंघवी ने भी अदालत के समक्ष इस पाठ्यपुस्तक की सामग्री पर चिंता जताई थी और कहा था कि यह पूरी न्यायपालिका की छवि को खराब कर रही है।

मुठभेड़ में दो माओवादी ढेर

बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के इंद्रावती नदी क्षेत्र में सुरक्षाकर्मियों के साथ हुई मुठभेड़ में वीरवार को दो माओवादी मारे गए और भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बीजापुर के इंद्रावती नदी क्षेत्र में माओवादियों की उपस्थिति के बारे में विशिष्ट खुफिया जानकारी मिलने के बाद यह अभियान शुरू किया गया था। सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने क्षेत्र में माओवादी विरोधी तलाशी अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान सुबह इंद्रावती नदी क्षेत्र में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच गोलीबारी हुई। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि मुठभेड़ के बाद इलाके की तलाशी में वर्दीधारी माओवादियों के दो शव बरामद हुए। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से एसएलआर राइफल, आईएनएसए राइफल और 12 बोर राइफल सहित कई हथियार जब्त किए गए। साथ ही विस्फोटक और माओवादी गतिविधियों से संबंधित अन्य सामग्री भी बरामद की गई है।

भारत ने किए 9 एफटीए, व्यवसायों को वैश्विक बाजार तक अधिक पहुंच मिली: पीयूष गोयल

मुंबई (एजेंसी)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने 38 देशों के साथ नौ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पूरे किए हैं, जिससे भारतीय व्यवसायों को वैश्विक व्यापार के लगभग दो-तिहाई हिस्से तक प्राथमिकता के साथ पहुंच मिली है। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से भारतीय वस्तुओं, सेवाओं और कृषि उत्पादों तथा श्रम-प्रधान क्षेत्रों को नए बाजार मिलेंगे। इससे भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से बेहतर तरीके से जुड़ेगा और प्रतिभाओं की आवाजाही भी बढ़ेगी। गोयल ने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' का मतलब वैश्विक जुड़ाव के साथ मजबूत, भरोसेमंद और विविध आपूर्ति श्रृंखलाएं तैयार करना है।

उन्होंने उद्यमियों और उद्योग जगत के नेताओं से अपील की कि वे वैश्विक अवसरों को देश भर के एमएसएमई, किसानों और निर्यातकों तक पहुंचाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि युवा भारत 'अमृत काल' के दौरान देश को 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

चिंताजनक | बच्चे कथित तौर पर गेम के 'टास्क' पूरे करने की आड़ में कर रहे आत्महत्या

ऑनलाइन गेमिंग के खिलाफ सख्त रुख अपनाएगी महाराष्ट्र सरकार: आशीष शेलार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार ने वीरवार को विधान परिषद को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार जल्द ही ऑनलाइन गेमिंग को नियमित करने के लिए कड़े कदम उठाएगी। शेलार ने कहा कि कुछ ऑनलाइन गेम नाबालिगों पर खतरनाक प्रभाव डाल रहे हैं। कुछ बच्चे कथित तौर पर गेम के 'टास्क' पूरे करने की आड़ में आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे गेम डिजाइन करने वालों की 'बिगड़ी हुई सोच' है। उन्होंने जोर दिया कि सरकार बढ़ते खतरे को नजरअंदाज नहीं कर सकती। यह मुद्दा एमएलसी निरंजन डावखरे ने उठाया, जिन्होंने बताया कि ऑनलाइन गेमिंग एक गंभीर सामाजिक चिंता बन गई है। उन्होंने सरकार से तुरंत दखल देने की मांग की। शेलार ने जवाब में कहा कि नुकसान को रोकने के लिए ऑनलाइन खेलों पर सख्त रोक लगाई जाएगी। उन्होंने सदन को बताया कि सरकार इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से देख रही है। समस्या के जटिल और कई तरह की प्रकृति को देखते हुए मामले का अध्ययन करने और उपाय सुझाने के लिए एक टास्क फोर्स बनाई गई है। पैनल के राज्य विधानसभा के आने वाले मानसून सत्र तक अपनी रिपोर्ट देने की उम्मीद है। सरकार अपनी नीति को अंतिम रूप देने से पहले माता-पिता, टीचरों और विषय विशेषज्ञों की राय को भी ध्यान में रखेगी। 16 साल से कम उम्र के बच्चों को ऑनलाइन गेमिंग के जाल में न फँसाने के लिए सेफगार्ड लाने पर चर्चा चल रही है। इसके अलावा राज्य विधानसभा के दोनों सदनों के सदस्यों वाली एक समिति बनाई जाएगी जो बातचीत का दायरा बढ़ाएगी और पूरे समाधान सुझाएगी।

बंगाल: नामांकन प्रक्रिया में केन्द्रीय पर्यवेक्षक तैनात करेगा चुनाव आयोग

कोलकाता (एजेंसी)। चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल की सभी 294 विधानसभा सीटों पर नामांकन प्रक्रिया की निगरानी के लिए प्रत्येक क्षेत्र में एक केन्द्रीय पर्यवेक्षक तैनात करेगा। मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ), पश्चिम बंगाल के कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि ये पर्यवेक्षक केन्द्र सरकार की सेवाओं अथवा पश्चिम बंगाल के बाहर के राज्य कैडर से लिए जाएंगे, ताकि नामांकन के महत्वपूर्ण चरण में निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके।

अधिकारियों के अनुसार आयोग देशभर में 1,444 अधिकारियों को प्रशिक्षण दे रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद इन्हें विभिन्न चुनावी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में तैनात किया जाएगा। इनमें से 294 अधिकारियों को विशेष रूप से पश्चिम बंगाल की विधानसभा सीटों के लिए नामांकन चरण की निगरानी हेतु चिह्नित किया गया है। सीईओ कार्यालय के अधिकारी ने बताया कि यह निर्णय पिछले चुनावों के दौरान नामांकन अवधि में हिंसा और धमकाने की शिकायतों के मद्देनजर लिया गया। उन्होंने कहा कि अधिकांश शिकायतें मतदाताओं, विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं और मतदान अभिकर्ताओं को धमकाने से संबंधित थीं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया नयार वैली फेस्टिवल का उद्घाटन, कहा

'पर्यटन, परंपरा और विकास का ऐतिहासिक संगम'

पौड़ी गढ़वाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद पौड़ी गढ़वाल के बिलखेत में नयार वैली फेस्टिवल का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नयार घाटी में पर्यटन, परंपरा और विकास का ऐतिहासिक संगम स्थापित हो रहा है, जो क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और रोजगार को नई दिशा देगा।

मुख्यमंत्री ने नयार घाटी में पैराग्लाइडिंग प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की घोषणा करते हुए विकासखंड पोखड़ा के रसलवांण दीवा मंदिर, बीरोंखाल के कालिंका मंदिर, एकेश्वर महादेव मंदिर तथा पाबौ के चम्पेश्वर महादेव मंदिर से जुड़े विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की बात कही। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं की प्रगति जानी।

कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग की लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट वितरित की गई तथा समाज कल्याण विभाग की ओर से दिव्यांगजनों को उपकरण प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने महिला समूहों, स्थानीय नागरिकों, साइक्लिस्टों और एंगलरों से संवाद कर उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर पैराग्लाइडिंग, पैरामोटरिंग, हॉट एयर बैलून, माउंटेन बाइकिंग, कयाकिंग, एंगलिंग, जिपलाइन, बर्मा ब्रिज और रिवर्स बंजी जैसी साहसिक गतिविधियों का फ्लैग ऑफ किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था सशक्त होगी।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड को देश-विदेश में प्रमुख एडवेंचर डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है और नयार वैली फेस्टिवल इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। विधायक राजकुमार पोरी ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि यह महोत्सव पौड़ी को पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कंटेंट क्रिएटर्स से निष्पक्ष रेवेन्यू साझा करें: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को कंटेंट बनाने वालों के साथ राजस्व (कमाई) का निष्पक्ष बंटवारा करना चाहिए। इसमें पत्रकार, पारंपरिक मीडिया संस्थान, इन्फ्लुएंसर, प्रोफेसर और शोधकर्ता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग कंटेंट बना रहे हैं, चाहे वे समाचार पेशेवर हों, दूर-दराज के इलाकों में बैठे क्रिएटर्स हों या अपने शोध साझा करने वाले अकादमिक विशेषज्ञ, वे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होने वाली कमाई में उचित हिस्सेदारी के हकदार हैं। उनके अनुसार, अब पूरे डिजिटल इकोसिस्टम में निष्पक्ष राजस्व साझेदारी का सिद्धांत लागू किया जाना चाहिए।

उन्होंने जोर दिया कि प्लेटफॉर्म को व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा अपलोड किए गए कंटेंट से बड़ा लाभ मिलता है, इसलिए क्रिएटर्स को भी उनका उचित हिस्सा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्व वितरण में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने से भारत की डिजिटल कंटेंट अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। यह बयान ऐसे समय में आया है जब सरकार डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नियमों को सख्त कर रही है।

ये बने नए नियम

भारत में 50 लाख से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ताओं वाले प्रमुख सोशल मीडिया मध्यस्थ (एसएसएमआई), जैसे फेसबुक, यूट्यूब और स्नैपचैट, को यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई से तैयार कंटेंट को स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जाए। प्रस्तावित नियमों के अनुसार, वीडियो या तस्वीर के मामले में पहचान चिह्न कम से कम 10 प्रतिशत दृश्य भाग में दिखना चाहिए, जबकि ऑडियो कंटेंट के मामले में अवधि के पहले 10 प्रतिशत हिस्से में इसे दर्शाना होगा। मेटाडेटा को बदला, हटाया या दबाया नहीं जा सकेगा। यदि कोई प्लेटफॉर्म जानबूझकर बिना लेबल या गलत तरीके से घोषित एआई-जनित कंटेंट की अनुमति देता है, तो इसे आईटी एक्ट के तहत उचित सावधानी न बरतने के रूप में माना जाएगा।

बैंक धोखाधड़ी मामला: अनिल अंबानी की 3,716.83 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के बैंक धोखाधड़ी मामले में उद्योग हस्ती अनिल अंबानी की पाली हिल में 3,716.83 करोड़ रुपये की आवासीय संपत्ति कुर्क कर ली है। ईडी के सूत्रों ने यह जानकारी दी। इससे पहले इस संपत्ति का 473.17 करोड़ रुपये का हिस्सा कुर्क किया गया था। ग्रुप में अब तक कुर्क की गई संपत्ति की कुल कीमत 15,700 करोड़ रुपये ज्यादा हो गई। ईडी मेसर्स रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की थी। रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड और उसकी ग्रुप कंपनियों ने घरेलू और विदेशी लेंडर्स से लोन लिया, जिसमें से कुल 40,185 करोड़ रुपये बकाया हैं।

देश को घुसपैठियों से मुक्त करना सरकार का दृढ़ संकल्प: अमित शाह

अररिया (एजेंसी)।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वीरवार को कहा कि हम एक-एक घुसपैठिए को भारत की भूमि से चुन-चुन कर बाहर कर देंगे। उन्होंने कहा कि यह कोई चुनावी वादा नहीं है, यह केन्द्र सरकार का संकल्प है। अब यह सिर्फ वादा नहीं है, हम जल्द ही ऐसा करने जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के अररिया में बॉर्डर आउट पोस्ट 'लेटी' व 'इंदरवा' के उद्घाटन और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के विभिन्न कार्यों के ई-लोकार्पण, ई-शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि भारत-नेपाल सीमा सड़क योजना के तहत 556 किलोमीटर बॉर्डर रोड को भी स्वीकृत किया गया है। इसमें 18 खंडों में से 14 खंडों में कार्य पूर्ण किया जा चुका है। चार खंडों में भी कार्य तेज गति से किया जा रहा है। वह भी जल्द पूरा हो जाएगा। इसके पूर्ण हो जाने से जहां निगरानी की क्षमता बढ़ेगी, वहीं नागरिकों की सुविधाएं भी बढ़ जाएंगी। विकास के कार्यक्रम अंतिम सीमा तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी।

अमित शाह ने कहा कि सीमा के 10 किलोमीटर के अंदर जितने अवैध अतिक्रमण है, उन सभी अतिक्रमणों को ध्वस्त किया जाएगा और घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें भारत से बाहर भेजने का कार्य भी शुरू किया जाएगा। जनसांख्यिकीय परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र बंगाल, झारखंड और बिहार हैं।

चांदनी चौक में एक साथ दिखती है इतिहास, विकास और परंपराएं : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि चांदनी चौक एक ऐतिहासिक परिसर है जहां देश का इतिहास, विकास, परंपराएं, संस्कृति समेत हर एक चीज एक साथ देखने को मिलती है।

श्रीमती रेखा गुप्ता ने गुरुवार को यहां चांदनी चौक इलाके में बिजली भूतल वायरिंग परियोजना का उद्घाटन करने के बाद इस जगह को ऐतिहासिक बताया और कहा कि संस्कृति, विरासत और परंपरा सभी को एक ही जगह पर महसूस किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुरानी दिल्ली का क्षेत्र जहां की जड़ों में देश की परंपराएं, सुगंध और स्वाद तीनों एक साथ देखने को मिलती है इसलिए यहां का विकास सबसे महत्वपूर्ण है। यहां की सबसे बड़ी समस्या बेतरतीब लटकी हुई बिजली के तारों की थी जिसमें आये दिन हादसे होते थे। उन्होंने कहा कि आज लगभग 160 करोड़ रुपये की लागत से चांदनी चौक की 28 सड़कों की बिजली की तारों को भूतल करने का काम शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि यह इलाका सदियों से व्यापार और संस्कृति का एक जीवंत केंद्र रहा है। इसकी हवेलियां इतिहास को दिखाती हैं, और इसकी पतली एवं संकरी गलियां शहर की समृद्ध विरासत को बचाए रखती हैं। उन्होंने कहा कि लगातार दिल्ली में विकास की बयार बह रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली एक संतुलित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रही है, अपनी विरासत को बचाते हुए भविष्य की ऊर्जा ज़रूरतों के लिए तैयारी कर रही है। उन्होंने मंडोली में बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड द्वारा 66/11 केवी जीआईएस ग्रिड सब-स्टेशन की नींव रखी। इसके अलावा, बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड के चार यूटिलिटी-स्केल बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम को शिवालिक, द्वारका और गोयला खुर्द में शुरू किये गये। इन परियोजनाओं से लाखों परिवारों को बिना रुकावट बिजली आपूर्ति मिलने की उम्मीद है।

निगम आलोक पत्रिका-2025 का विमोचन एवं हिंदी कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के राजभाषा विभाग ने गुरुवार को निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में 'निगम आलोक पत्रिका-2025' का विमोचन एवं हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान 'निगम आलोक पत्रिका-2025' का विधिवत विमोचन किया गया। हिंदी कार्यशाला में राजभाषा के प्रभावी प्रयोग, प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के संवर्धन तथा भाषा की सरलता और सशक्त अभिव्यक्ति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि राजभाषा हिंदी केवल संवाद का माध्यम ही नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और प्रशासनिक सशक्तिकरण का आधार है। दिल्ली नगर निगम में हिंदी के प्रयोग को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे आयोजन अत्यंत आवश्यक हैं। सत्या शर्मा ने प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के अधिकतम उपयोग पर बल देते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त संजीव मित्तल के साथ निगम के वरिष्ठ अधिकार एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कर्मचारी ने आठ माह में लाखों के कपड़े चोरी कर बेचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। गांधी नगर इलाके में कपड़े की एक दुकान के कर्मचारी द्वारा लाखों रुपये के कपड़े चोरी कर बेचने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, नोएडा सेक्टर-50 निवासी सुनील गुगनानी की राम नगर की नेता जी गली में कपड़ों की दुकान है। उनकी दुकान पर दो साल से ओम साहनी काम कर रहा था। 20 फरवरी को मालिक ने उसे 20 शर्ट चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह चोरी के कपड़े बाजार के अन्य दुकानदारों को बेचता रहा है। आरोप है कि पिछले आठ महीनों में उसने करीब 4500 से अधिक शर्ट बेच दीं, जिनकी कीमत लगभग 25 लाख रुपये बताई गई है। आरोपी ने दो दिन में रकम लौटाने का वादा किया था और इसका वीडियो भी बनाया गया, लेकिन उसने रकम नहीं दी। इसके बाद दुकानदार ने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने रविवार को मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आगे की जांच जारी है।

दिल्ली दंगा मामले में तीन आरोपी बरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कड़कड़डूमा कोर्ट ने वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े एक मामले में दंगा, आगजनी और गैरकानूनी जमावड़े के आरोपों का सामना कर रहे तीन आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप संदेह से परे साबित नहीं कर सका। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह की अदालत सागर, देवेंद्र गौतम और अनमोल के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रही थी।

भारत निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की

चेन्नई (शिखर समाचार)। आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र भारत निर्वाचन आयोग ने व्यापक तैयारियों का जायज़ा लिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और डॉ. विवेक जोशी के साथ चेन्नई में चुनावी प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत और गहन समीक्षा की। आयोग ने स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कानून के अनुरूप संपन्न कराया जाएगा।

समीक्षा दौरे के दौरान आयोग ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनके सुझाव सुने। जिन दलों के प्रतिनिधियों से संवाद किया गया, उनमें आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी), इंडियन नेशनल कांग्रेस, नेशनल पीपुल्स पार्टी, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, नाम तमिलर कच्ची तथा विदुथलाई चिरुथईगल काची शामिल रहे।

अधिकांश राजनीतिक दलों ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित प्रक्रिया के लिए आयोग की सराहना की। साथ ही कई दलों ने चुनाव के दौरान धनबल के उपयोग और मुफ्त उपहारों के वितरण पर सख्ती से अंकुश लगाने की मांग की। कुछ दलों ने चुनाव आचार संहिता के प्रभावी पालन के लिए उड़न दस्तों की संख्या बढ़ाने का सुझाव भी दिया।

बैठक में यह भी आग्रह किया गया कि चुनाव की तिथियां निर्धारित करते समय स्थानीय और पारंपरिक त्योहारों को ध्यान में रखा जाए, ताकि अधिकतम मतदाता सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन देते हुए कहा कि आयोग निष्पक्षता और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों का पालन करेगा।

राजनीतिक दलों से विचार विमर्श के बाद आयोग ने प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुखों, नोडल अधिकारियों, पुलिस महानिरीक्षकों, उप महानिरीक्षकों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों के साथ भी बैठक की। इस दौरान चुनाव योजना, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के प्रबंधन, रसद व्यवस्था, चुनाव कर्मियों के प्रशिक्षण, जब्ती कार्रवाई, कानून व्यवस्था, मतदाता जागरूकता और जनसंपर्क कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की गई।

आयोग ने सभी प्रवर्तन एजेंसियों को निष्पक्षता के साथ कार्य करने और मतदाताओं को प्रभावित करने वाली किसी भी प्रकार की प्रलोभन गतिविधि पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए बेहतर सुविधाएं और सुगम पहुंच सुनिश्चित करें, चुनाव कर्मियों को सुदृढ़ प्रशिक्षण दें तथा चुनाव प्रक्रिया के संबंध में व्यापक जागरूकता फैलाएं।

आयोग ने स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही, पक्षपात या नियमों से विचलन को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और 'शून्य सहिष्णुता' की नीति अपनाई जाएगी। आयोग का जोर इस बात पर रहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करते हुए चुनावों को भयमुक्त, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराया जाए।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में वरदान अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म फेस्टिवल का भव्य शुभारंभ

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। अंगदान और देहदान को समर्पित विश्व के पहले फिल्म महोत्सव वरदान अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म फेस्टिवल का भव्य शुभारंभ दधीचि देहदान समिति के तत्वावधान में गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, सूरजमल विहार में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। समारोह में समाज, संस्कृति, राजनीति और मीडिया जगत की अनेक विशिष्ट हस्तियों ने भाग लेकर आयोजन को ऐतिहासिक आयाम प्रदान किया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में दधीचि देहदान समिति में उपाध्यक्ष के रूप में अपनी पूर्व सेवाओं को स्मरण करते हुए कहा कि अंगदान और देहदान के क्षेत्र में किया गया कार्य उनके सार्वजनिक जीवन की प्रेरणा रहा है। उन्होंने कहा कि वरदान केवल एक फिल्म महोत्सव नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतना अभियान है, जो जीवनदान की भावना को नई ऊर्जा देगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल समाज की सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने समिति की 28 वर्षों की प्रेरणादायी यात्रा का उल्लेख करते हुए धार्मिक एवं सामाजिक नेतृत्व से आह्वान किया कि वे अंगदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि जन जागरूकता के माध्यम से ही इस पुनीत कार्य को व्यापक जनसमर्थन मिल सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेन्द्र ठाकुर ने समिति के संस्थापक एवं संरक्षक आलोक कुमार को समाज के लिए प्रेरणा पुरुष बताते हुए कहा कि उनका भागीरथ प्रयास आज एक नए शिखर पर पहुँचा है। उन्होंने संयुक्त आयोजक संस्था सप्रेषण मल्टीमीडिया के निदेशक अतुल गंगवार को भी सफल आयोजन का श्रेय दिया और कहा कि बड़े आयोजनों को गरिमा और सुव्यवस्था के साथ संपन्न करना उनकी विशेषता है। समारोह के दौरान आलोक कुमार ने अंगदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु निलेश माडेलवाला को सम्मान पत्र प्रदान कर अभिनंदित किया। निलेश माडेलवाला ने वरदान को अंगदान जागरूकता अभियान में एक मील का पत्थर बताया और कहा कि इस प्रकार के सृजनात्मक प्रयास समाज में संवेदनशील विषयों पर सार्थक संवाद को प्रोत्साहित करते हैं। पद्मश्री से सम्मानित अभिनेता मनोज जोशी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष ऊँचाई प्रदान की। उनके द्वारा आयोजित मास्टर क्लास ने उपस्थित जनसमुदाय को कला, संवेदना और सामाजिक दायित्व के प्रति नई दृष्टि दी। उद्घाटन समारोह में मरघट वाले बाबा हनुमान मंदिर के प्रमुख महंत वरुण शर्मा, पद्मश्री नृत्यांगना गुरु नलिनी-कमलिनी, उड़ान के अध्यक्ष अनुपम भटनागर, नित्य अनुभूति मीडिया के श्यामेंद्र सिंह तथा संसद टीवी के वरिष्ठ पत्रकार एवं एंकर प्रतिबिम्ब शर्मा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

दो दिवसीय वरदान अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म फेस्टिवल का उद्देश्य अंगदान और देहदान के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना, सामाजिक भ्रांतियों को दूर करना तथा संवेदनशील विषयों पर सृजनात्मक संवाद स्थापित करना है। महोत्सव के अंतर्गत देश विदेश की चुनिंदा लघु फिल्मों का प्रदर्शन, संवाद सत्र तथा विशेष मास्टर क्लास आयोजित किए जा रहे हैं, जो समाज में जीवनदान के संदेश को व्यापक स्तर पर प्रसारित करने का कार्य करेंगे।

मनीष सिसोदिया की वर्ष 2020 में जीत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को एक एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। एकल न्यायाधीश ने वर्ष 2020 के विधानसभा चुनावों में पटपड़गंज निर्वाचन क्षेत्र से आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की खंडपीठ ने कहा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 116ए के तहत चुनाव याचिका पर उच्च न्यायालय के अंतिम आदेश के विरुद्ध सीधी अपील केवल सर्वोच्च न्यायालय में ही की जा सकती है। ऐसे में यह अपील सुनवाई योग्य नहीं है। अपील प्रताप चंद्र ने दायर की थी, जिन्होंने सिसोदिया के खिलाफ चुनाव लड़ा था। अदालत ने उन्हें सर्वोच्च न्यायालय जाने की छूट देते हुए अपील वापस लेने की अनुमति दी और इसे खारिज कर दिया। इससे पहले एकल न्यायाधीश उनकी चुनाव याचिका ठोस आधार के अभाव में खारिज कर चुके थे।

मंत्री सूद ने महाराजा अग्रसेन कॉलेज में स्टूडेंट फैसिलिटी सेंटर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को महाराजा अग्रसेन कॉलेज वसुंधरा में नव-निर्मित स्टूडेंट फैसिलिटी सेंटर का उद्घाटन और इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन सेंटर, स्पोर्ट्स फैसिलिटी लाउन्ज का शिलान्यास किया। इसके साथ ही शिक्षा मंत्री ने यहां मल्टीमीडिया सेमिनार हॉल, पांच स्मार्ट क्लासरूम तथा कॉलेज पुस्तकालय में आरएफआईडी -सक्षम लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. बलराम पानी (डीन ऑफ कॉलेजेज दिल्ली विश्वविद्यालय) ने की।

इस अवसर पर आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली सरकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक अवसंरचना, तकनीकी सशक्तिकरण एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट फैसिलिटी सेंटर विद्यार्थियों को एक समग्र एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण प्रदान करेगा, वहीं इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन सेंटर भारतीय ज्ञान, संस्कृति एवं परंपराओं के अध्ययन एवं अनुसंधान को नई दिशा देगा। स्मार्ट क्लासरूम एवं आरएफआईडी-आधारित लाइब्रेरी प्रणाली से शिक्षण-प्रशिक्षण की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा छात्रों को डिजिटल एवं सुव्यवस्थित सेवाएं उपलब्ध होंगी।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि दिल्ली में किसी भी उच्च शिक्षा संस्थान को फंड संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। कोई भी शिक्षक अपनी गरिमा की रक्षा के लिए सड़क पर आने को मजबूर नहीं होगा और कोई भी छात्र आधारभूत संरचना की कमी के कारण पीछे नहीं रहेगा। सरकार विरासत में मिली समस्याओं को उसी तरह समाप्त करेगी, जैसे राजधानी में कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने का काम मिशन मोड़ में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पहले की सरकारों के शासन काल में उनके निक्रमेपन, उपेक्षा और राजनीति के कारण अनेक उच्च शिक्षा संस्थान उपेक्षा का शिकार रहे। धनाभाव, वेतन में देरी, निर्माण कार्यों के लिए संसाधनों की कमी जैसी समस्याएँ आम थीं। अब टकराव और अस्थिरता का वह दौर समाप्त हो चुका है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार स्कूलों, कॉलेजों, तकनीकी विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। आशीष सूद ने यह भी कहा कि सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में 'स्केल और स्पीड' के साथ काम करने का संकल्प लिया है। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बड़े स्तर पर स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए जा रहे हैं। आने वाले समय में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए 7 हजार कक्षाओं को स्मार्ट क्लासरूम में परिवर्तित किया जाएगा। परीक्षा के बाद विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षिक भ्रमण और इंटर्नशिप के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि अब दिल्ली का शिक्षा मॉडल केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राजधानी के प्रत्येक कोने तक पहुंचेगा। डीयू कॉलेजों, तकनीकी संस्थानों, पॉलिटेक्निक और रिसर्च सेंटर्स को एकीकृत मोड में आगे बढ़ाया जाएगा। हमारा उद्देश्य दिल्ली को 'डिग्री वितरण केंद्र' नहीं, बल्कि 'ज्ञान उत्पादन केंद्र' बनाना है। उन्होंने कहा कि कुछ वर्षों तक शिक्षा को प्रचार का माध्यम बना दिया गया था, परंतु व्यवस्थागत मजबूती का अभाव था। अब सरकार दिखावे से अधिक सिस्टम को सुदृढ़ करने पर ध्यान दे रही है।

कार्यालय जिला पंचायत, शामली।

पत्रांकः 1097/जि0पं0शा0/2025-26 दिनांकः 24.02.2026

विज्ञप्ति

उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 यथा संशोधित 1994 की धारा 239(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला पंचायत, शामली के ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक सड़कों व राष्ट्रीय राज मार्ग के किनारे लगने वाले व्यावसायिक बोर्डो को नियमित एवं विनियमित करने के उद्देश्य से जिला पंचायत शामली द्वारा बनायी गयी उपविधि को बोर्ड बैठक दिनांक–27.01.2026 के प्रस्ताव सं0–05 में उपविधि को बनाने हेतु सर्व सम्मति से पारित किया गया। जो उल्लिखित अधिनियम की धारा 242(2) के प्रयोजनार्थ सर्वसाधारण को सूचनार्थ एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है। उक्त उपविधि में किसी व्यक्ति/फर्म/ठेकेदार को कोई आपत्ति है तो वह प्रकाशन के दिनांक से 30 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में या डाक द्वारा आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

उपविधियाँ

1. ये उपविधियां जिला पंचायत, शामली विज्ञापन बोर्ड नियंत्रण उपविधियां कहलायेगी तथा राजकीय गजट, में प्रकाशन के दिनांक से प्रभावी होगी।
2. (क) विज्ञापन बोर्ड का अर्थ उस बोर्ड से हैं, जो व्यावसायिक बोर्ड प्रचार एवं प्रसार हेतु किसी सार्वजनिक सड़क के किनारे जनसाधारण के पढ़ने के लिये लगाया जायेगा।
   (ख) नियंत्रण का अर्थ विज्ञापन बोर्ड की सड़क के किनारे से एक निश्चित दूरी पर जिला पंचायत की उपविधियों के अनुरूप लगाने से हैं।
3. कोई भी व्यक्ति/संस्था जनपद शामली के ग्रामीण क्षेत्र के व्यवसायिक दृष्टि से किसी कच्ची अथवा पक्की सड़क के किनारे जिला पंचायत, शामली की पूर्व अनुमति लिए बिना न तो बोर्ड लगायेगा तथा न ही बोर्ड लगाने के लिए सड़क के किनारे गड्ढा खोदेगा। बिना पूर्व अनुमति लिए लगाया गया बोर्ड जिला पंचायत द्वारा उखाड लिया जायेगा तथा अपने कब्जे में रख लिया जायेगा। ऐसा बोर्ड उखाडने एवं रखवाये जाने में जो भी खर्च होगा सम्बन्धित व्यक्ति/संस्था से वसूल किया जायेगा।
4. जनसाधारण की सुविधा, सुरक्षा एवं यातायात को सुलभ बनाने की दृष्टि से सड़क के किनारे लगने वाले बोर्ड की दूरी सड़क से निम्न प्रकार निर्धारित की जाती है।
   (क) राष्ट्रीय मार्ग एवं राज्य मार्ग के किनारी पर बनी कच्ची पटरी के बाहरी किनारे से 15 फुट जगह छोड़कर ही बोर्ड लगाये जायेंगे।
   (ख) लिंक मार्ग या अन्य पक्का मार्ग के बाहरी किनारे से 10 फुट जगह छोड़कर बोर्ड स्थापित किये जायेंगे।
   (ग) किसी सामान्य मार्ग के किनारे 8 फुट जगह छोड़कर बोर्ड स्थापित किये जायेंगे।
   (घ) उक्त बिन्दुओं में दी गयी दूरी से कम चौडा भाग होने की स्थिति में बोर्ड मार्ग के अन्तिम किनारे पर ही स्थापित करना होगा।
5. बोर्ड की स्थापना लकडी की बल्ली या लोहे के गार्डर द्वारा इस प्रकार की जायेगी कि तेज हवा के तूफान में वे उखड़ न सके।
6. जनसाधारण की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए बोर्ड का साईज मार्ग की चौड़ाई को ध्यान में रखते हुए 15 वर्ग फुट से अधिक नहीं होगा। इससे बडा बोर्ड स्थापित करने के लिए लाईसेंस अधिकारी द्वारा अधिकृत अधिकारी/कर्मचारी की जांच आख्या के उपरान्त ही अनुमति–पत्र (लाईसेंस) निर्गत किया जाना सम्भव हो सकेगा।
7. बोर्ड के ऊपर लिखाई ऐसी इंक/पेन्ट द्वारा लिखना प्रतिबन्धित होगा जिस पर रात में वाहनों की रोशनी पड़ने पर चमक हो।
8. किसी भी बोर्ड पर अश्लील भाषा का लिखना पूर्णतः प्रतिबन्धित होगा।
9. विज्ञापन बोर्ड पर स्त्री अथवा पुरूष के नग्न, अर्द्धनग्न फोटो जिन पर आम जनता विरोध दर्शाये, लगाना पूर्णतः प्रतिबन्धित होगा।
10. जिला पंचायत, शामली के समस्त सदस्य, अपर मुख्य अधिकारी, कार्य अधिकारी, अभियन्ता एवं कर अधिकारी अथवा उनके द्वारा अधिकृत कर्मचारी सड़क के किनारे लगने वाले बोर्ड को इस उपविधि की किसी भी धारा का उल्लंघन पाये जाने पर लगाने/लिखने के कार्य का बीच में ही रूकवाने के लिए अधिकृत होंगे।
11. जनसामान्य की सुविधा की दृष्टि से प्राप्त किसी भी शिकायत पर जिला पंचायत द्वारा सम्बन्धित बोर्ड लगाने वाले व्यक्ति/संस्था को दिये जाने वाले निर्देशों का तत्काल पालन करना व्यक्ति/संस्था के लिए अनिवार्य होगा।
12. विज्ञापन बोर्ड स्थापित करने वाले व्यक्ति/संस्था को जिला पंचायत शामली से लाईसेंस लेना अनिवार्य होगा। लाईसेंस की अवधि 01 अप्रैल से आरम्भ होगी और 31 मार्च को समाप्त हो जायेगी।
13. इन उपविधियों के लागू होने के उपरान्त नये बोर्ड लगाने वाले व्यक्ति/संस्था को पूर्व में लाईसेंस अधिकारी की अनुमति प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र एवं वांछित कागजात उपलब्ध कराने होंगे तथा अनुमति पत्र (लाईसेंस) जारी होने के उपरान्त ही बोर्ड लगाना नियमित होगा अर्थात् बोर्ड लगाने वाले व्यक्ति/संस्था द्वारा लाईसेंस प्राप्त किये बिना बोर्ड स्थापित नहीं किया जायेगा।
14. प्रत्येक वर्ष लाईसेंस का नवीनीकरण 31 मार्च से पूर्व करा लेना अनिवार्य होगा। 31 मार्च तक लाईसेंस का नवीनीकरण न कराने की स्थिति में प्रति माह 50 रूपये विलम्ब शुल्क लगाया जायेगा। लाईसेंस न लेने की स्थिति में मा0 न्यायालय में वाद दायर कर दिया जायेगा। बाद में कम्पाउण्ड करने की स्थिति से लाईसेंस शुल्क सहित 50 प्रतिशत कम्पाउण्ड शुल्क देय होगा।
15. वर्तमान में लगे समस्त बोर्डो से सम्बन्धित व्यक्ति/संस्था के लिये उपविधियों के प्रकाशन के एक माह के भीतर आवेदन पत्र एवं वांछित कागजात प्रस्तुत कर लाईसेंस प्राप्त करना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि के भीतर लाईसेंस न लेने की स्थिति में उपविधि 14 के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।
16. इन उपविधियों के अन्तर्गत लाईसेंस अधिकारी अपर मुख्य अधिकारी होंगे। अपर मुख्य अधिकारी चाहे तो कार्य अधिकारी/कर अधिकारी को इस कार्य हेतु अधिकृत कर सकते है।
17. लाईसेंस अधिकारी के निर्णय के विरूद्ध 15 दिन के भीतर अध्यक्ष जिला पंचायत को अपील की जा सकती है। अध्यक्ष जिला पंचायत का निर्णय अन्तिम एवं बन्धनकारी होगा।
18. इन उपविधियों के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के किनारे विज्ञापन बोर्ड स्थापित करने का शुल्क निम्न प्रकार होगा। लाईसेंस शुल्क वसूली का कार्य ठेके पर भी दिया जा सकता है।

दरें

लाईसेंस शुल्क रूपये 500.00 अथवा रूपये 20.00 प्रति वर्गफुट जो भी अधिक हो वार्षिक होगा।

दण्ड

उत्तर प्रदेश क्षेत्र समिति एवं जिला पंचायत अधिनियम 1961 की धारा 240 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला पंचायत यह निर्देश देती है कि जो व्यक्ति इन उपविधियों का उल्लंघन करेगा वह अर्थ दण्ड से दण्डनीय होगा जो अंकन 1000.00 रूपये तक होगा और यदिऐसा उल्लंघन जारी रहे तो अतिरिक्त अर्थ दण्ड से दण्डित होगा जो प्रथम दोष सिद्ध होने के पश्चात् ऐसे प्रत्येक दिन के लिये जिनके बारे में यह सिद्ध हो जाये कि उसमें अपराधी अपराध करता रहा है रू0 50.00 प्रतिदिन तक अर्थ दण्ड हो सकेगा अथवा अर्थदण्ड का भुगतान न किया जाये तो कारावास से दण्डित किया जायेगा, जो तीन मास तक हो सकेगा।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, शामली

अध्यक्ष
जिला पंचायत, शामली

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियां तेज, 14 मार्च को होगा आयोजन

जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव ने जिला स्तरीय अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद गौतमबुद्धनगर में आगामी 14 मार्च 2026 को जनपद मुख्यालय स्थित दीवानी न्यायालय सहित सभी तहसील न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसको सफल और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव की अध्यक्षता में न्यायालय सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों को अधिकतम वादों के निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

बैठक में जनपद न्यायाधीश ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत आम नागरिकों को सरल, सुलभ और त्वरित न्याय उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम है। लोक अदालत के माध्यम से दीवानी वाद, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, दाखिल खारिज और भूमि पट्टा संबंधी प्रकरण, बेगार श्रम प्रकरण, शमनीय प्रकृति के आपराधिक वाद, बैंक ऋण प्रकरण, राजस्व वाद, वन भूमि संबंधी प्रकरण, भूमि अर्जन से जुड़े मामले तथा मोटर वाहन दुर्घटना प्रतिकर दावे सहित अनेक प्रकार के मामलों का आपसी सुलह समझौते के आधार पर त्वरित और प्रभावी निस्तारण किया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने अपने विभागों में लंबित मामलों का पूर्व चिन्हांकन कर लें तथा संबंधित पक्षकारों से समन्वय स्थापित कर समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करें, जिससे 14 मार्च को अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण संभव हो सके। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से न केवल न्यायालयों में लंबित वादों का बोझ कम होगा, बल्कि वादकारियों को भी शीघ्र न्याय प्राप्त होगा।

जनपद न्यायाधीश ने उप जिलाधिकारी चारूल यादव को निर्देश देते हुए कहा कि उनके अधीन आने वाले सभी विभागों में लंबित वादों की अग्रिम पहचान कर निस्तारण की प्रक्रिया तुरंत प्रारंभ की जाए। इसके साथ ही श्रम विभाग, समाज कल्याण विभाग, मनोरंजन कर विभाग, स्वास्थ्य विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, शिक्षा विभाग, वस्तु एवं सेवा कर विभाग, जिला पूर्ति विभाग, परिवीक्षा विभाग, बाट माप विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों को भी व्यापक स्तर पर तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार अभियान चलाया जाए, ताकि अधिक से अधिक वादकारी इस अवसर का लाभ उठाकर अपने मामलों का सौहार्दपूर्ण निस्तारण करा सकें।

बैठक में अपर जिला जज द्वितीय एवं विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम तथा राष्ट्रीय लोक अदालत की नोडल अधिकारी सोमप्रभा मिश्रा, अपर पुलिस उपायुक्त संतोष कुमार, अग्रणी बैंक प्रबंधक राजेश सिंह कटारिया, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अरुण कुमार, जिला शासकीय अधिवक्ता (राजस्व) चरणजीत नागर, अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (दीवानी) रविंद्र, नायब तहसीलदार सदर ज्योत्सना, नायब तहसीलदार दादरी प्रीति बालियान सहित प्राधिकरण, पुलिस एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मीट की दुकान को जलाने की धमकी देने वाले 1 अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना कोतवाली नगर के कैला भट्टा चौकी क्षेत्र से जुड़ा एक वीडियो सोशल मिडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में सत्यम पंडित नामक व्यक्ति बाबू मुगलई दुकान पर पहुंचा। ठाकुरद्वारा फ्लाईओवर के पास बनी दुकान पर पहुँच कर उसने मंगलवार के दिन बंद रखने के आदेश दिए और आदेश का पालन नहीं होने पर दुकान को जला देने की धमकी दी। उसने वीडियो में कहा कि दुकान के सामने मंदिर है और मंगलवार के दिन दुकान हर हालत में बंद रहनी चाहिए। सत्यम का यह वीडियो सोशल मिडिया पर जमकर वायरल होने लगा और कोतवाली नगर पुलिस के पास पहुंचा। वहीं सत्यम की धमकी को गंभीरता से लेते हुए सभी मीट दुकानदार एकत्रित होकर पुलिस के पास पहुंचे और मदद की गुहार लगाई। पुलिस ने उनकी शिकायत का संज्ञान लेते हुए अभियुक्त सत्यम की तलाश शुरू की और उसे गिरफ्तार कर लिया। एसीपी कोतवाली नगर उपासना पाण्डेय ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से एक वीडियो संज्ञान में आया था। वीडियो में मौजूद व्यक्ति मीट दुकानदार को धमका रहा था। वीडियो में दिख रहे व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ विधिक कार्यवाही की जा रही है।

बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाने वाले 2 टप्पेबाजों को क्रॉसिंग पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने गुरुवार को 2 टप्पेबाज बेताब और आमिर को गिरफ्तार करने का दावा किया है। यह दोनों बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाकर टप्पेबाजी की वारदात को अंजाम देते है। पुलिस ने इनके कब्जे से ठगी की गयी सोने की चैन और 500 के नोट लगी कागज की गड्डी बरामद की। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि बीती 13 फरवरी 2026 को कृष्णा नगर बाबू में बुजुर्ग महिला के साथ सोने की चेन की टप्पेबाजी की गई थी। दोनों अभियुक्तों ने बातों में लगाकर बुजुर्ग महिला की चैन पर्स में रखवाली और मौके से पर्स लेकर फरार हो गए। पीड़िता के पुत्र हेमदत भारद्वाज की शिकायत पर थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पर मुकदमा दर्ज करते हुए घटना का खुलासा करने के लिए टीमों का गठन किया गया। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए दोनों को पंचशील पार्क के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह क्षेत्र में घूमते हुए बुजुर्ग महिलाओं को चिन्हित किया करते है। महिलाओं को जनहित करने के बाद उन्हें अपनी बातों में लगाकर चैन और पर्स जैसी कीमती सामान को ठग लेते है। महिलाओं को अपनी बात पर भरोसा दिलाने के लिए होने पास 500 के नोट लगी कागज की गड्डी भी रखते है।

गंग नहर पटरी मार्ग पर दो अजगर मिलने से हड़कंप, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

मोदीनगर (शिखर समाचार) निवाड़ी थाना क्षेत्र में गंग नहर पटरी मार्ग पर पैगा गांव के पास बृहस्पतिवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब झाड़ियों में दो विशाल अजगर दिखाई दिए। सुबह के समय मार्ग से गुजर रहे लोगों की नजर जैसे ही झाड़ियों में पड़े लंबे अजगरों पर पड़ी तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों अजगर काफी लंबे और भारी-भरकम थे, जिन्हें देखकर लोगों में दहशत फैल गई। कुछ लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही निवाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। एहतियात के तौर पर पुलिस ने लोगों को अजगरों से दूर रहने की हिदायत दी, ताकि कोई अनहोनी न हो। पुलिस द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। वन विभाग के निरीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में टीम ने सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों अजगरों को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया गया। निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि दोनों अजगरों की लंबाई करीब 10 फीट थी। प्राथमिक जांच में वे स्वस्थ पाए गए। वन विभाग की टीम ने दोनों अजगरों को सुरक्षित वाहन में रखकर आबादी क्षेत्र से दूर प्राकृतिक वातावरण में छोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि मौसम में बदलाव और भोजन की तलाश में जंगली जीव कभी-कभी आबादी के समीप पहुंच जाते हैं। ऐसे में लोगों को घबराने के बजाय तुरंत वन विभाग या पुलिस को सूचना देनी चाहिए। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना रहा। हालांकि वन विभाग की तत्परता से संभावित खतरा टल गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने समय पर कार्रवाई के लिए पुलिस और वन विभाग की टीम की सराहना की।

26.75 लाख की लागत से बने राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय भवन का शुभारंभ

शामली (शिखर समाचार) गुरुवार को बनत कस्बे में 26.75 लाख रुपये की लागत से निर्मित राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय के नवनिर्मित भवन का विधिवत शुभारंभ किया गया। सदर विधायक प्रसन्न चौधरी और जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर तथा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच यज्ञ संपन्न कर दैनिक बाह्य रोगी सेवा की शुरूआत कराई। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने नए भवन के लोकार्पण का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। जिलाधिकारी ने शुभारंभ के उपरांत चिकित्सालय परिसर का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मरीजों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि नए भवन के निर्माण से क्षेत्र के आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होंगी तथा होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सकेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शासन की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं सुलभ हों। सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बनत क्षेत्र में लंबे समय से एक व्यवस्थित भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसे अब पूरा कर लिया गया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि चिकित्सालय में नियमित रूप से चिकित्सक

एवं आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहेंगी, जिससे मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कार्यक्रम में जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. विधु शेखर मलिक सहित आयुष विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि नवीन भवन में नियमित बाह्य रोगी सेवा प्रारंभ होने से आसपास के गांवों के ग्रामीणों को उपचार के लिए दूरदराज के क्षेत्रों में नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी तथा स्थानीय स्तर पर ही उपचार उपलब्ध हो सकेगा।

समापन अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को जनसुलभ बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने चिकित्सालय प्रशासन को निर्देशित किया कि साफ सफाई, दवा उपलब्धता और मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित किया जाए, ताकि यह केंद्र क्षेत्र के लोगों के लिए भरोसेमंद स्वास्थ्य सुविधा के रूप में विकसित हो सके।

पीएम सूर्य घर योजना : लंबित लोन फाइल को लेकर सीडीओ ने लगाई बैंक को फटकार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में पीएम सूर्य योजना के अंतर्गत बैंक लोन पेंडेंसी के संबंध में बैंक डीसी व शाखा प्रबंधकों की मीटिंग आयोजित की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने एलडीएम, पीएनबी व केनरा बैंक के ज़िला समन्वयक और दोनों बैंक के शाखा प्रबंधकों से योजनान्तर्गत बैंक लोन पेंडेसी, लोन रिजेक्शन व लोन सैंक्शन के बाद लोन डिसबर्सल पेंडेंसी पर विस्तार से समीक्षा की और कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए दो कार्यदिवस के अन्तर्गत सभी प्रकार की पेंडेंसी निस्तारण के निर्देश दिये। एलडीएम से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार पीएनबी में अभी तक 1193 लोन के लिए आवेदन आए, जिनमें से 515 फाइल रिजेक्ट हुई। 88 फाइल पेंडिंग और 588 फाइल सेंक्शन हुई। 588 में 92 फाइल ऐसी है, जिनमें सेंक्सन के बाद डिसबर्शल पेंडिंग है इसी प्रकार केनरा बैंक में अभी तक 704 लोन के लिए आवेदन आये, जिनमें

से 301 फाइल रिजेक्ट हुई। 101 फाइल पेंडिंग है और 301 फाइल सेंक्शन हुई। 301 में 94 फाइल ऐसी है, जो सेंक्सन तो है लेकिन अभी तक डिसबर्शल पेंडिंग है। मुख्य विकास अधिकारी ने हाई रिजेक्शन पर कड़ी आपत्ति जाहिर करते हुए सभी शाखा प्रबंधकों को निर्देश दिये कि किसी फाइल में पर्याप्त डॉक्युमेंट नहीं है तो डीसी के माध्यम से पीओ नेड़ा गाजियाबाद को इसकी जानकारी दे ताकि कंज्यूमर व संबंधित वेंडर को पर्याप्त डॉक्युमेंट के साथ पुनः बैंक शाखा भेजा जा सके। इसी प्रकार जो फाइल पेंडिंग है और उस पर पर्याप्त अभिलेख के अभाव में निर्णय नहीं लिया जा रहा है तो भी शाखा प्रबंधक इसकी सूचना अपने डीसी को प्रदान करे और डीसी व एलडीएम पीओ नेड़ा को यह जानकारी प्रेषित करेंगे।साथ ही पीओ नेड़ा को निर्देश दिये कि एलडीएम और ज़िला समन्वयक से समन्वय स्थापित करते हुए पीएम सूर्य घर योजना में लंबित लोन केश का निस्तारण कराये और समय समय पर अधिक लोन पेंडेसी वाले बैंक की साप्ताहिक समीक्षा अधोहस्ताक्षरी से कराते रहे।

आईटीएस मोहननगर में नवतरंग एवं विजविग 2026 का भव्य आगाज, 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने बिखेरा हुनर

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार) 26 और 27 फरवरी 2026 आईटीएस मोहननगर में आयोजित वार्षिकोत्सव नवतरंग एवं विजविग इंटर कॉलेज कल्चरल फेस्ट 2026 का भव्य शुभारंभ उत्साह और उमंग के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, प्रख्यात कत्थक नृत्यांगना माया कुलश्रेष्ठ, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. अजय कुमार, यूजी कैंपस की प्राचार्या डॉ. नैंसी शर्मा तथा निदेशक डॉ. सुनील कुमार पांडेय ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। दो दिवसीय इस सांस्कृतिक महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी अतिरिक्त प्रतिभाओं के प्रदर्शन हेतु सशक्त मंच प्रदान करना है। फेस्ट में क्विज, क्रॉसवर्ड, बिजनेस प्लान, सोलो व ग्रुप डांस, टी-शर्ट पेंटिंग, क्रिएटिव राइटिंग, नेल आर्ट, स्ट्रीट प्ले, सोलो सिंगिंग, बैटल ऑफ बैंड, पोस्टर मेकिंग, फेस पेंटिंग, फैशन शो, पोएट्री, मिमिक्री, अंताक्षरी, डुएट सिंगिंग, डिबेट, रंगोली, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, सुडोकू सहित 23

प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। देशभर के 100 से अधिक संस्थानों के लगभग 1500 छात्रों ने पंजीकरण कराया।

पहले दिन 14 प्रतियोगिताओं में दिल्ली, नोएडा, मेरठ और हापुड़ के करीब 50 महाविद्यालयों के 700 से अधिक छात्र छात्राओं ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित माया कुलश्रेष्ठ ने विद्यार्थियों को शास्त्रीय नृत्य की बारीकियों से परिचित कराया और मंच पर कथक की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि प्रत्येक छात्र के भीतर अद्वितीय प्रतिभा होती है, जिसे सही मंच और निरंतर अभ्यास से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल सकती है। प्राचार्या डॉ. नैंसी शर्मा ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उन्हें आत्मविश्वास के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिताओं के परिणामों में ग्रुप डांस में भगवान परशुराम कॉलेज प्रथम और लक्ष्मीबाई कॉलेज द्वितीय रहा। क्विज में निशि (मेवाड़ इंस्टीट्यूट, साहिबाबाद) प्रथम तथा मनी व मंजरी (केआईईटी, मुरादनगर) द्वितीय रहे। टी शर्ट पेंटिंग में पूर्णिमा (रामा मेडिकल कॉलेज, हापुड़) प्रथम और उपांशु (आईटीएस, मुरादनगर) द्वितीय रहे। क्रिएटिव राइटिंग में सुधीन प्रथम व शैली द्वितीय स्थान पर रहे। नेल आर्ट में रिया व हर्षिता (केआईईटी) प्रथम और जैसिका त्यागी द्वितीय रहीं। नुक्कड़ नाटक में शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली प्रथम तथा श्री ऑरबिंदो कॉलेज, दिल्ली द्वितीय रहा। एड मैड शो में आईटीएस मुरादनगर की टीम प्रथम रही। फेस पेंटिंग में आईटीएस मोहननगर प्रथम और आईआईएमटी द्वितीय रहा। पोस्टर मेकिंग में आईएमई साहिबाबाद प्रथम तथा राजधानी कॉलेज, दिल्ली द्वितीय स्थान पर रहा। कार्यक्रम में चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, निदेशकगण, डीन, समन्वयक, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। दो दिनों तक चले इस सांस्कृतिक उत्सव ने आईटीएस मोहननगर परिसर को कला, संस्कृति और युवा ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

एडीएम सिटी की अध्यक्षता में हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अपर जिलाधिकारी नगर विकास कश्यप की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक समीक्षा बैठक कलैक्ट्रेट सभागार में आहूत हुई, जिसमें जनपद में अत्याधित दुर्घटना घटित वाले चिन्हित ब्लैक स्पॉटों पर सड़क सुरक्षात्मक कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये। राहवीर योजना के अन्तर्गत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती करने वाले व्यक्ति को प्रोत्साहन राशि 25000 दिये जाने की योजना का प्रचार प्रसार अत्यधिक किया जाये, जिससे सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की सहयता की जा सकें। समस्त विभागों को निर्देश दिये गये कि अपने-अपने मार्गो के मध्य बने क्षतिग्रस्त डिवाईडर/रेलिंग की मरम्मत करायी जाये, जिससे कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये सकें। बैठक में अमित सक्सैना, एसीपी यातायात, एसपी मिश्रा, मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, गाजियाबाद, अमित राजन राय एवं मनोज मिश्रा, एआरटीओ, डॉ. पंकज, डिप्टी सीएमओ, डीके शर्मा, सहायक अभियन्ता, लोनि, राधेवेन्द्र पाण्डे, साईट इंजीनियर, एनएचएआई, राजेश कुमार, एआरएम, यूपी रोड वेज, गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष एवं अमित शर्मा, महामंत्री, ट्रक यूनियन उपस्थित रहे।

एनएसएस विशेष शिविर में आत्मनिर्भर भारत और जल संरक्षण का संदेश

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) स्थानीय विद्योत्तमा कन्या महाविद्यालय गंगधाडी की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन की शुरूआत जागरूकता रैली के साथ हुई। रैली का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रबंधक संजीव कुमार शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली के माध्यम से स्वयंसेविकाओं ने ग्रामीण क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। रैली के दौरान स्वयंसेविकाओं ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति यदि किसी न किसी कौशल का प्रशिक्षण प्राप्त कर ले, तो वह न केवल स्वयं के लिए बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर कविता वर्मा ने स्वयंसेविकाओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता ही सशक्त समाज की पहचान है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री जन धन योजना, स्टार्टअप इंडिया योजना, स्किल इंडिया मिशन तथा प्रधानमंत्री

किसान सम्मान निधि योजना समाज के हर वर्ग को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इन योजनाओं का लाभ उठाकर ग्रामीण क्षेत्र के लोग अपने जीवन स्तर को ऊंचा उठा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण पर भी विशेष बल दिया गया। स्वयंसेविकाओं ने ग्रामीण महिलाओं को जल की महत्ता समझाते हुए कहा कि यदि हम सब मिलकर प्रतिदिन केवल एक एक बूंद पानी भी बचाएं तो बड़ा परिवर्तन संभव है। उन्होंने जल है तो कल है का संदेश देते हुए वर्षा जल संचयन और जल बचत के विभिन्न उपायों की जानकारी दी। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुलक्षणा आर्य ने उपस्थित ग्रामीणों और स्वयंसेविकाओं को छत पर वर्षा जल संचयन प्रणाली, गड्ढे बनाकर वर्षा जल संरक्षण तथा अन्य तकनीकी उपायों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि वर्षा जल को संरक्षित कर भूजल स्तर को बढ़ाया जा सकता है, जिससे भविष्य में जल संकट से बचा जा सके। इस अवसर पर अनीता देवी और साधना सोम भी उपस्थित रहीं तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। शिविर के तीसरे दिन का कार्यक्रम उत्साह और जागरूकता से परिपूर्ण रहा, जिसमें स्वयंसेविकाओं ने सामाजिक दायित्वों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

कार्यालय जिला नगरीय विकास अभिकरण, बिजनौर।

पत्रांक : 1207/2025-26 दिनांक : 26.02.2026

ई-निविदा/मैनुअल निविदा सूचना

जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) बिजनौर में ए, बी, एवं सी श्रेणी के समस्त पंजीकृत ठेकेदारों / फर्म को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि जिला नगरीय विकास अभिकरण बिजनौर द्वारा "विधायक निधि बिजनौर के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से कराये जाने वाले निर्माण कार्यों हेतु मैनुअल/ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जिसके अन्तर्गत 01 निर्माण कार्य हेतु ई-निविदा तथा 07 निर्माण कार्य हेतु ऑफलाईन निविदा दिनांक 27.02.2026 से 07.03.2026 तक अपराह्न 2.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है तथा 07-03-2026 को 4.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष परियोजना अधिकारी (डूडा) बिजनौर द्वारा खोली जायेगी। (अवकाश की स्थिति में निविदाएं आगामी कार्यदिवस में खोली जायेगी) मैनुअल निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क जमा कर दिनांक 27.02.2026 से 06.03.2026 तक कार्यालय जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) बिजनौर से प्राप्त की जा सकती है। निविदाएं कार्यालय जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) बिजनौर में रखे निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। निविदादाता को 5 प्रतिशत जमानत धनराशि राष्ट्रीयकृत बैंक से एफ०डी०आर० जो परियोजना अधिकारी (डूडा) बिजनौर के नाम बंधक हो, निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। निविदा के साथ 100 रू. का स्टाम्प पेपर जमा करना अनिवार्य है। निविदा स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार परियोजना अधिकारी डूडा बिजनौर के निहित है। किसी सशर्त निविदा को स्वीकार नहीं किया जायेगा। अन्य सम्बन्धित जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) बिजनौर से प्राप्त की जा सकती है।

परियोजना अधिकारी
डूडा बिजनौर

जापान में बच्चे ने पैर छूए तो मुस्कुराए योगी

मंत्र सुनाते वक्त अटका तो सीएम ने पूरा किया; स्कूल में बच्चों को गिफ्ट बांटे

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे का आज आखिरी दिन है। यहां के राज्य यामानाशी जाते वक्त योगी ने जापान में रहने वाले भारतीय परिवार से मुलाकात की। भारतीय मूल के लोगों और बच्चों के साथ कुछ वक्त बिताया। बच्चों ने सीएम योगी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान बच्चों ने योगी को मंत्र सुनाए। सीएम ने बच्चों को चॉकलेट दीं। योगी ने अपने अकाउंट पर एक वीडियो भी शेयर किया है। इसमें वे भारतीय मूल के परिवारों से मुलाकात करते दिख रहे हैं। रास्ते में मुलाकात के दौरान एक महिला से सीएम योगी बातचीत करते दिखाई दे रही है। भारत से अपने लगाव के बारे में बता रही है। उसने अपने बच्चे को सीएम योगी से मिलाया। बच्चे ने योगी को शिव मंत्र 'कर्पूरगौरं करुणावतारं..' सुनाना शुरू किया। मंत्र पूरा करने में बच्चा जब अटका तो योगी उसे पूरा किया। योगी यामानाशी पब्लिक स्कूल भी पहुंचे। बच्चों से बातचीत की। उन्हें तोहफे दिए। इसके बाद योगी ने यामानाशी हाइड्रोजन फैसिलिटी P2G (पावर-टू-गैस) सिस्टम की साइट विजिट की। रिसर्च फैसिलिटी के फंक्शन को समझा। यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोटारो नागासाकी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। यूपी इंवेस्टमेंट रोडशो के तहत निवेशकों से बात की। इससे पहले उगते सूर्य के देश में संस्कारों की परंपरा को बरकरार रखने पर सीएम योगी ने भारतीय मूल के परिवार को बधाई दी। योगी ने पर लिखा- संस्कारों की पावन परंपरा का स्पंदन, सनातन संस्कृति के स्वर्णिम आलोक से आलोकित उगते सूरज की पावन धरा...। इसके बाद योगी यामानाशी हाइड्रोजन फैसिलिटी पहुंचे। एडवांस्ड पावर-टू-गैस सिस्टम को काम करते हुए देखा। ग्रीन हाइड्रोजन और क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी को समझा। योगी ने कहा- यूपी ग्रीन हाइड्रोजन, सस्टेनेबल एनर्जी सॉल्यूशंस, इनोवेशन, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण की जिम्मेदारी से चलने वाले भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। योगी ने यामानाशी में यूपी इंवेस्टमेंट रोडशो को संबोधित किया। कहा- यूपी भारत की आबादी का सबसे बड़ा राज्य है। 25 करोड़ की आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती है। जैसे प्रकृति की अत्यंत कृपा जापान के नामानाशी प्रांत पर है वैसी ही कृपा प्रकृति उत्तर प्रदेश पर भी है। इन सभी सुविधाओं से संपन्न होने का लाभ उत्तर प्रदेश को प्राप्त होता है। योगी ने कहा- आज प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हमने 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय को 3 गुना करने में सफलता प्राप्त की है। योगी के जापान दौरे के पहले दिन यानी बुधवार को 11 हजार करोड़ रुपये के टङ्क्व साइन हुए। यूपी में निवेश को लेकर कई कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप दिया गया। टोक्यो में यूपी इंवेस्टमेंन रोड शो और हाईलेवल बैठकों में उट ने जापान के कारोबारियों को यूपी में निवेश का न्योता दिया। 500 एकड़ में विकसित होगा जापान का औद्योगिक शहर टोक्यो में रोड शो को संबोधित करते हुए योगी ने ऐलान किया कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास 500 एकड़ में जापान का औद्योगिक शहर विकसित किया जा रहा है। यहां जापानी कंपनियों को हर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। योगी ने टोक्यो में निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा था कि यूपी में 25 करोड़ की आबादी के साथ देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। राज्य की जितनी बड़ी आबादी है, उतनी ही विशाल संभावनाएं हैं। पिछले नौ साल में राज्य की अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति आय तीन गुना हो गई है। जो प्रदेश कभी बीमारू कहा जाता था, वह आज भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है। ह्यस्केल, स्किल, स्टेबिलिटी और स्पीड बना मॉडल योगी ने कहा कि यूपी में निवेश इसलिए सुरक्षित है, क्योंकि यहां स्केल (बड़ा बाजार), स्किल (कुशल मैन पावर), स्टेबिलिटी (स्थिरता) और स्पीड (तेज फैसले) चारों हैं। प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां चल रही हैं। इससे 3 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। 75 हजार एकड़ का भूमि बैंक है। बुंदेलखंड में झांसी के पास 56 हजार एकड़ में नया औद्योगिक शहर विकसित किया जा रहा है। भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए सीएम ने प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे, जो कई देशों की कुल आबादी से भी अधिक है। पूरे वर्ष में लगभग 156 करोड़ पर्यटक और श्रद्धालु पहुंचे, जिन्होंने उत्तर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों काशी, अयोध्या, मथुरा-वृंदावन और बौद्ध तीर्थ स्थलों की यात्रा की। योगी ने कहा था कि नया उत्तर प्रदेश अब दंगा और अंधकार नहीं, बल्कि विकास, विरासत और उत्सवों की पहचान बन चुका है।

सीतापुर के मिश्रिख नपा में आयकर विभाग का छापा

सीतापुर (एजेंसी)। मिश्रिख नपा में आयकर विभाग की टीम पहुंची है। टीम ऑफिस में दस्तावेज चेक कर रही है। हाल ही में हुए उपचुनाव में मिश्रिख से भाजपा विधायक रामकृष्ण भार्गव की बहू सीमा भार्गव अध्यक्ष निर्वाचित हुई हैं। विधायक के बेटे विजय भार्गव का कहना है कि यह छापा की कार्रवाई नहीं है। बल्कि, आयकर टीम दस्तावेज देखने आई है।

हर साल ठेकदारों का टैक्स कटता है, तो वही दस्तावेज देखने टीम आई है। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे आयकर विभाग की टीम दो गाड़ियों से दफ्तर पहुंची। एक कमरे को बंद कर कई घंटों तक गहन छानबीन की। इस दौरान नपा ईओ विंध्याचल समेत बाबू वर्ग से पूछताछ की गई। टीम ने विभिन्न फाइलों, वित्तीय अभिलेखों और अहम दस्तावेजों को बारीकी से खंगाला। आय-व्यय से जुड़े रिकॉर्ड, टेंडर प्रक्रिया और अन्य प्रशासनिक कागजातों की गहन पड़ताल की गई। अचानक हुई इस कार्रवाई से नगर पालिका कार्यालय के बाहर भी हलचल तेज हो गई। आम लोगों में छापेमारी को लेकर तरह-तरह की चचाएं होती रहीं। हालांकि आयकर विभाग के अधिकारियों ने फिलहाल छापेमारी के कारणों या किसी बरामदगी को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। अध्यक्ष सीमा भार्गव के कार्यकाल में कार्रवाई गौरतलब है कि मिश्रिख नगर पालिका की अध्यक्ष सीमा भार्गव हैं, जो भारतीय जनता पार्टी से जुड़ी हैं। आयकर विभाग की कार्रवाई फिलहाल जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर साफ हो सकेगी। छापेमारी से स्थानीय राजनीति और प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।

रेवाड़ी जीआरपी ने सुलझाई ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी

रेवाड़ी(एजेंसी)। जीआरपी ने ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी को सुलझा लिया है। जुआ को लेकर हुए विवाद में दोस्तों ने पुरानी दिल्ली स्टेशन पर पत्थरों से पीटकर हत्या की। इसके बाद शव को पहले ट्रेन के नीचे रेलवे ट्रैक पर रखा। इसके बाद पहचान छुपाने के लिए शव को रेवाड़ी आने वाली पैसेंजर ट्रेन के बाथरूम में छोड़ दिया। रेवाड़ी जीआरपी को 13 फरवरी को शव मिला था। सिर में मिले चोट के निशानों को देखते हुए हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। जीआरपी ने मामले में दो आरोपी आदर्श नगर गाजियाबाद के करण सिंह और मथुरा के गिडोह के विनोद कुमार को गिरफ्तार किया है। हत्या में शामिल रणजीत के दो साथियों की पुलिस को अभी तलाश है। हत्या के मुख्य आरोपी रणजीत चोरी के मामलों में नामजद है। जीआरपी थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। 9 जनवरी को घर से निकला था युवक गाजियाबाद गाजियाबाद के नंदग्राम की वाल्मीकि बस्ती का 22 वर्षीय कर्ण सिंह 9 फरवरी को अपने दोस्त रणजीत के साथ घर से निकला था। र

मऊ में 'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म पर प्रदर्शन

मऊ(एजेंसी)। जिला कलेक्ट्रेट में यादव समाज के दर्जनों लोगों ने 'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह फिल्म एक विशेष जाति को बदनाम करने के उद्देश्य से बनाई गई है। प्रदर्शनकारियों ने फिल्म पर तत्काल रोक लगाने और इसके निमार्ताओं पर कार्रवाई की मांग की। यादव महासभा के जिलाध्यक्ष सूर्यभान ने बताया कि उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में 'यादव जी की लव स्टोरी' नामक विवादित फिल्म

पर रोक लगाने और इसके निमार्ताओं व कलाकारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। बृजेश यादव ने बताया कि उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से इस फिल्म के बारे में जानकारी मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि फिल्म में एक विशेष जाति पर आधारित प्रेम प्रसंग दशार्या गया है, जो निंदनीय है। बृजेश यादव के अनुसार, किसी विशेष जाति को लक्षित करना या उसे किसी अन्य धर्म से जोड़कर फिल्म बनाना प्रदेश के शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने का प्रयास है। उन्होंने फिल्म की रिलीज से पहले उस पर तत्काल रोक लगाने और निमार्ताओं व कलाकारों पर कानूनी कार्रवाई की मांग दोहराई। इस प्रदर्शन के दौरान सूर्यभान यादव, बृजेश यादव, सर्वजीत यादव, प्रिंस यादव, हरेंद्र यादव, उमेश यादव, रामाश्रय यादव, रामविलास यादव, भगवान यादव, सीताराम यादव, सूर्यनाथ यादव और विजय यादव सहित कई अन्य सदस्य मौजूद रहे।

आगामी पर्वों के मद्देनजर कैराना में पुलिस का पैदल गश्त, एसपी ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

शामली (शिखर समाचार) आगामी पर्वों एवं कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए बुधवार देर रात पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने कैराना थाना क्षेत्र के मुख्य बाजारों और भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बाजारों की स्थिति, यातायात प्रबंधन, पुलिस की तैनाती तथा संवेदनशील स्थानों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने गश्त के दौरान व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। उन्होंने आश्वस्त किया कि पर्वों के दौरान आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि संवेदनशील

स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाए तथा बाजारों और प्रमुख चौराहों पर नियमित गश्त सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन जांच के निर्देश देते हुए कहा कि रात्रि गश्त को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। साथ ही सामाजिक माध्यमों पर अफवाह फैलाने वाले तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने तथा भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करने वालों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें और शांति, सौहार्द एवं आपसी भाईचारे को बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

गश्त के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला, प्रभारी निरीक्षक समयपाल अत्री सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस की इस सक्रियता से व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों में सुरक्षा का भाव देखने को मिला।

घने कोहरे में अनियंत्रित कार नहर में गिरी, दो की मौत, चार गंभीर घायल

दोस्त की शादी में शामिल होकर ऋषिकेश लौटते समय हुआ दर्दनाक हादसा

बिजनौर (शिखर समाचार) नजीबाबाद थाना क्षेत्र में घने कोहरे के कारण एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें अनियंत्रित कार नहर में गिर गई। इस भीषण दुर्घटना में कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तराखंड के मुनि की रेती, ऋषिकेश निवासी सतीश (55) तथा ग्राम मानियावाला थाना अफजलगढ़ निवासी सचिन (36) पुत्र अनूप कुमार की इस हादसे में मृत्यु हो गई। सतीश होटल व्यवसाय से जुड़े थे, जबकि सचिन जेसीबी मशीन चालक के रूप में कार्यरत था। सचिन का विवाह वर्ष 2017 में हुआ था और उसके एक छोटा बच्चा भी है। परिवार में इस दुखद समाचार के बाद कोहराम मचा हुआ है। बताया गया है कि सभी मित्र नजीबाबाद के मोहल्ला मकबरा में अपने मित्र रवि की बारात में शामिल होने आए थे। देर रात विवाह समारोह से लौटते समय अर्धरात्रि के बाद समीपुर नहर के पास घना कोहरा छाया हुआ था। दृश्यता अत्यंत कम होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार सीधे नहर में जा गिरी।

कार में कुल छह लोग सवार थे, जिनमें विशाल कुमार, मोहित, नितिन, विशाल तथा एक अन्य

विशाल शामिल हैं। दुर्घटना में ये सभी घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की सहायता से घायलों को तत्काल बाहर निकाला गया और उपचार के लिए ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की पुष्टि करते हुए नजीबाबाद पुलिस क्षेत्राधिकारी नितेश प्रताप सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर परीक्षण हेतु भेज दिया गया है। प्रथम दृष्टया घने कोहरे के कारण वाहन अनियंत्रित होकर नहर में गिरा है। पूरे मामले की जांच कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

इस हादसे ने एक खुशियों भरे विवाह समारोह को मातम में बदल दिया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सर्दी के मौसम में घना कोहरा अक्सर दुर्घटनाओं का कारण बनता है, ऐसे में वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

गंगा स्नान के दौरान संयुक्त निदेशक बच्चू सिंह की मौत

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। ब्रजघाट में बुधवार को गंगा स्नान के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक की पहचान 52 वर्षीय पीसीएस अधिकारी बच्चू सिंह के रूप में हुई है, जो वर्तमान में रामपुर में मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग में संयुक्त निदेशक पद पर तैनात थे। जानकारी के अनुसार मूल रूप से अलीगढ़ निवासी बच्चू सिंह इन दिनों परिवार सहित प्रयागराज में रह रहे थे। करीब छह माह पूर्व उनकी तैनाती रामपुर के मुद्रण एवं लेखन सामग्री संयुक्त विभाग में संयुक्त निदेशक के रूप में हुई थी। बुधवार को वह अकेले गढ़मुक्तेश्वर के ब्रजघाट पहुंचे और गंगा स्नान कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्नान के दौरान वह कभी नाव पर बैठ जाते और फिर दोबारा गंगा में उतरते रहे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। बताया गया है कि तबीयत खराब होने पर उन्होंने अपनी पत्नी को फोन कर स्थिति की जानकारी दी। पत्नी ने तत्काल मुरादाबाद में तैनात उनके सुरक्षाकर्मी को सूचित किया। सुरक्षाकर्मी ने बृजघाट चौकी प्रभारी इंद्रकांत को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चू सिंह को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों में शोक की लहर दौड़ गई। परिजन हापुड़ के लिए रवाना हो गए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। प्रारंभिक अनुमान हृदयगति रुकने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। ब्रजघाट पर हुई इस आकस्मिक घटना से स्थानीय लोगों और प्रशासनिक अमले में शोक व्याप्त है।

मोबाइल से फोटो चोरी कर सोशल मीडिया पर डालने की धमकी, आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार) मोदीनगर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती के मोबाइल फोन से फोटो चोरी कर उन्हें संपादित कर सोशल मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने कई वर्ष पूर्व एक युवक को दो लाख रुपये उधार दिए थे। अब जब उसने अपने रुपये वापस मांगने के लिए दबाव बनाया तो युवक टालमटोल करने लगा। आरोप है कि रुपये लौटाने के बजाय युवक ने उसे जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं, उसने युवती के मोबाइल फोन से उसकी निजी फोटो चोरी कर लीं। युवती का कहना है कि आरोपी अब उन फोटो को संपादित कर सोशल मीडिया पर डालकर बदनाम करने की धमकी दे रहा है। घटना के बाद पीड़िता और उसका परिवार भयभीत हैं। सहायक पुलिस आयुक्त ज्ञान प्रकाश वर्मा ने बताया कि शिकायत के आधार पर गोविंदपुरी निवासी शिवम शर्मा के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

27 फरवरी से प्रस्तावित आमरण अनशन को विभिन्न संगठनों का समर्थन, टोल हटाने की मांग तेज

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) नगर पालिका क्षेत्र में संचालित टोल प्लाजा को हटाए जाने की मांग अब व्यापक रूप लेती जा रही है। 27 फरवरी से प्रस्तावित आमरण अनशन को लेकर दूसरे जनपदों से भी समर्थन मिलने लगा है। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष चौधरी कुशल कुमार ने समाजसेवी पंकज लोधी के निवास पर पहुंचकर अनशन को समर्थन देने की घोषणा की। चौधरी कुशल कुमार अपने कार्यकताओं के साथ पंकज लोधी के आवास पहुंचे और गढ़मुक्तेश्वर नगर पालिका क्षेत्र में चल रहे टोल प्लाजा को हटाए जाने की मांग को जनहित का मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी जनसरोकारों से जुड़े हर संघर्ष में पंकज लोधी और उनके सहयोगियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि इस आंदोलन में पंकज लोधी और उनके साथी स्वयं को अकेला न समझें, क्योंकि क्षेत्र की जनता उनके साथ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि नगर क्षेत्र के भीतर टोल वसूली से आम नागरिकों, व्यापारियों और किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। यह व्यवस्था जनभावनाओं के विपरीत है और इसे तत्काल समाप्त किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर जिला संगठन मंत्री नफीस मंडल, मुरादाबाद प्रभारी सचिन धारीवाल, किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा के योगेंद्र चौधरी, जाट महासभा के तहसील अध्यक्ष हर्षण प्रजापति, प्रजापति संघ के जय सिंह, अधिवक्ता बबलू सहाल, अर्जुन अटल, मोहित प्रजापति सहित अनेक कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में टोल प्लाजा हटाए जाने की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि यदि प्रशासन ने शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

लोहे की रॉड व लाठी डंडों से हमला, युवक का सिर फोड़ा, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार) कोतवाली दादरी क्षेत्र के घोड़ी बछेड़ा गांव में गोदाम पर आराम कर रहे एक युवक पर लोहे की रॉड और लाठी डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। हमलावरों ने युवक का सिर फोड़ दिया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घायल के पिता की तहरीर पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि घोड़ी बछेड़ा निवासी सोहन पाल अपने परिवार के साथ गांव में रहते हैं। 23 फरवरी की दोपहर उनका बेटा ऋषभ घर के पास बने गोदाम पर लेटा हुआ था। आरोप है कि इसी दौरान गांव के नीरज, कालू, राहुल और जुगनू वहां पहुंचे और गाली गलौज करने लगे। ऋषभ द्वारा गाली देने से मना करने पर आरोपियों ने लोहे की रॉड और लाठी डंडों से हमला कर दिया। हमले में ऋषभ के सिर पर गंभीर चोट आई और वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। शोर शराबा सुनकर जब आसपास के लोग एकत्र हुए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। घायल के पिता की शिकायत पर पुलिस ने चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और जल्द ही उन्हें पकड़ लिया

बुलंदशहर में घरेलू सिलेंडर में लगी आग

बुलंदशहर (संवाददाता) नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला फैसलाबाद में बीती रात एक घर में रखे घरेलू सिलेंडर में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग लगने के बाद सिलेंडर फटने से घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया जानकारी के अनुसार, परिवार के सदस्य घर में आराम कर रहे थे, तभी अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग की लपटें तेजी से फैलीं और घर में रखा फर्नीचर, कपड़े व अन्य घरेलू सामान इसकी चपेट में आ गए।

आग लगने की सूचना मिलते ही मुस्लिम समाज के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल पेश करते हुए कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों के त्वरित प्रयासों से आग को और फैलने से रोका जा सका। मकान मालिक चमन ने बताया कि आग लगने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घर का सारा सामान जलकर राख हो गया है, जिससे परिवार के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है।

आग बुझने के काफी देर बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड के देरी से पहुंचने पर मोहल्लेवासियों ने नाराजगी व्यक्त की।

सिटी पार्क में सजी पुष्पों की रंगीन दुनिया, 01 मार्च तक निःशुल्क प्रदर्शनी का आनंद

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से सम्राट मिहिरभोज पार्क (सिटी पार्क) में आयोजित भव्य पुष्प प्रदर्शनी का शुभारंभ सांसद डॉ. महेश शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि पुष्प प्रकृति की ओर से मानवता को मिली सबसे बड़ी देन हैं और भारतीय संस्कृति में उनका विशेष महत्व है। मनुष्य के जीवन के हर पड़ाव पर फूल अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं और हमारे जीवन में रंग व सुगंध भरते हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी शहर की पहचान केवल इमारतों से नहीं, बल्कि उसके सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजनों से होती है। पुष्प प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम शहर को जीवंत बनाते हैं और लोगों को प्रकृति के करीब लाने का कार्य करते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे परिवार, मित्रों और पड़ोसियों के साथ प्रदर्शनी में पहुंचकर इसका आनंद लें।

प्रदर्शनी 01 मार्च तक चलेगी और प्रवेश व वाहनों की पार्किंग निःशुल्क रखी गई है। उद्घाटन अवसर पर प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई तथा स्कूली बच्चों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर माहौल को मनमोहक बना दिया।

इस वर्ष प्रदर्शनी में पहली बार आयोजित ड्रोन शो विशेष आकर्षण का केंद्र बना। आसमान में ड्रोन के माध्यम से भारत का मानचित्र और अयोध्या मंदिर की आकृति उकेरी गई, जिसे देखने के लिए लोग देर तक रुके रहे। 'ऑपरेशन सिंदूर' थीम पर फूलों से बनाई गई भव्य कलाकृति ने भी सभी का ध्यान खींचा।

इसके अलावा फूलों से तैयार टाइगर, राष्ट्रीय पक्षी मोर, शिमला मिर्च से बना हार्ट शेप सहित कई रचनात्मक आकृतियां लोगों को खूब लुभा रही हैं। प्रदर्शनी परिसर में विभिन्न स्टालों पर पुष्प सज्जा, पौधों की बिक्री, हस्तशिल्प सामग्री और खान-पान की भी समुचित व्यवस्था की गई है।

रंग-बिरंगे फूलों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और आकर्षक सज्जा से सजा सिटी पार्क इन दिनों प्रकृति और संस्कृति के सुंदर संगम का साक्षी बन रहा है, जहां हर आयु वर्ग के लोग उत्साह के साथ पहुंच रहे हैं।

श्याम बाबा की निशान शोभा यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, जयकारों से गूंजा नगर

गाजियाबाद (शिखर समाचार) फाल्गुन मास में रंगभरी एकादशी से एक दिन पूर्व बृहस्पतिवार को नगर में श्याम बाबा की भव्य एवं संगीतमय निशान शोभा यात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता से पूरा शहर भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया। हारे का सहारा, श्याम हमारा और जय श्री श्याम के जयकारों से वातावरण गूंज उठा और नगर का कोना कोना श्याममय हो गया। शोभा यात्रा का शुभारंभ हापुड़ मोड़ स्थित ठाकुरद्वारा मंदिर से हुआ। मंदिर प्रांगण में विधि विधान से निशानों की पूजा अर्चना की गई। इसके उपरांत श्याम बाबा का आकर्षक श्रृंगार कर उन्हें सुसज्जित रथ पर विराजमान किया गया। पावन ज्योति प्रज्वलित कर यात्रा का शुभारंभ किया गया। श्रद्धालु रंग बिरंगे परिधानों में सजे हुए हाथों में निशान लेकर भक्ति भाव से झूमते हुए आगे बढ़े। ढोल नगाड़ों, शहनाई और मधुर भजनों की स्वर लहरियों पर श्रद्धालु नृत्य करते हुए चल रहे थे। जगह जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर शोभा यात्रा का स्वागत किया। यात्रा में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों की भारी भागीदारी देखने को मिली। महिलाओं की टोली भजन गाते हुए चल रही थी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया। निशान शोभा यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों दिल्ली गेट, डासना गेट, रमते राम रोड, जीटी रोड, चौधरी मोड़ और अम्बेडकर रोड से होती हुई श्याम मार्ग स्थित बालाजी एवं खाटू श्याम मंदिर परिसर पहुंची, जहां यात्रा का समापन हुआ। मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं ने अपने-अपने निशान अर्पित कर श्याम बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात सभी भक्तों के लिए प्रसाद एवं भंडारे की व्यवस्था की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यह भव्य आयोजन खाटू श्याम कुटुम्ब सेवा परिवार मंदिर समिति ट्रस्ट पंजीकृत गाजियाबाद द्वारा संपन्न कराया गया। संस्था के संस्थापक राकेश करन तथा समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन की व्यवस्था, सुरक्षा और अनुशासन की दृष्टि से भी विशेष प्रबंध किए गए थे, जिससे पूरी यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। श्याम भक्तों के उत्साह और आस्था ने यह सिद्ध कर दिया कि नगर में धार्मिक आयोजनों के प्रति लोगों में गहरी श्रद्धा और सहभागिता की भावना विद्यमान है। यह शोभा यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और एकता का भी प्रतीक बनकर सामने आई।

पंचायत राज विभाग के 9 मृतक आश्रितों को उपलब्ध कराए गए नियुक्ति पत्र

बिजनौर (शिखर समाचार) कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में आयोजित एक सादे किंतु गरिमामय कार्यक्रम में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जिला पंचायत राज विभाग के अंतर्गत नौ मृतक आश्रितों को नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए। नियुक्ति पत्र पाकर सभी लाभार्थियों के चेहरे पर संतोष और आत्मविश्वास की झलक दिखाई दी।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर उपस्थित सभी नव नियुक्त कार्मिकों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की मंशा है कि मृतक आश्रितों को समयबद्ध तरीके से सेवा का अवसर प्रदान कर उनके परिवारों को आर्थिक संबल दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और जनसेवा का अवसर भी है। सभी कार्मिक अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और लगन से करें तथा विभाग की कार्यप्रणाली को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने आगे कहा कि पंचायत राज विभाग ग्रामीण विकास की आधारशिला है और गांवों में संचालित विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन इसी विभाग के माध्यम से होता है। ऐसे में प्रत्येक कर्मचारी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। नव नियुक्त कार्मिक अपने कार्य से यह सिद्ध करें कि वे विभाग और जनपद की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

कार्यक्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी रिजवान अहमद ने बताया कि शासन के निदेशानुसार मृतक आश्रितों के प्रकरणों का परीक्षण कर पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद यह नियुक्ति प्रक्रिया संपन्न कराई गई है।

इस अवसर पर अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन शुभकामनाओं और बधाई संदेशों के साथ हुआ। नव नियुक्त कार्मिकों ने भी अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन करने का आश्वासन दिया।

ग्रेटर नोएडा बनेगा हाईटेक : इसरो के साथ मिलकर विकसित होगा एआई आधारित अतिक्रमण मॉनिटरिंग सिस्टम

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने भूमि प्रबंधन को और अधिक पारदर्शी व प्रभावी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। प्राधिकरण ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) के साथ मिलकर एआई आधारित अतिक्रमण मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित करने की पहल की है। गुरुवार को दिल्ली में दोनों संस्थाओं के बीच इस संबंध में एमओयू साइन किया गया।

यह देश में किसी भी विकास प्राधिकरण द्वारा अपनी तरह की पहली पहल है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को उच्च रिजॉल्यूशन उपग्रह चित्रों के साथ एकीकृत कर अतिक्रमण की पहचान, विश्लेषण और रिपोर्टिंग की जाएगी। इस उन्नत प्रणाली के माध्यम से जीएनआईडीए को समयबद्ध जानकारी, जीआईएस आधारित दृश्य विश्लेषण और डेटा आधारित निर्णय लेने में सहायता मिलेगी।

एमओयू के तहत एनआरएससी एआई आधारित मॉडल, मॉनिटरिंग डैशबोर्ड और अलर्ट सिस्टम विकसित करेगा। साथ ही दीर्घकालिक कार्यान्वयन के लिए जीएनआईडीए को प्रशिक्षण और तकनीक हस्तांतरण भी प्रदान किया जाएगा, ताकि प्रणाली का प्रभावी संचालन सुनिश्चित हो सके।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार ने कहा कि यह पहल टेक इनेबल्ड गवर्नेंस की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसरो के सहयोग से भूमि संरक्षण और सार्वजनिक परिसंपत्तियों के प्रबंधन में अधिक पारदर्शिता, सटीकता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। वहीं, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव ने कहा कि एआई और उपग्रह आधारित मॉनिटरिंग से अतिक्रमण रोकथाम और कार्रवाई की क्षमता कई गुना बढ़ेगी तथा यह स्मार्ट, डेटा ड्रिवन और प्रैक्टिव प्रवर्तन व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में अहम पहल साबित होगी। इस नई तकनीकी व्यवस्था के लागू होने के बाद ग्रेटर नोएडा में भूमि प्रबंधन और अतिक्रमण नियंत्रण की प्रक्रिया अधिक वैज्ञानिक, तेज और प्रभावी हो सकेगी, जिससे शहर के नियोजित विकास को और मजबूती मिलेगी।

यमुना एक्सप्रेस वे पर गिरा महंगा आई फोन, टोल कर्मी की ईमानदारी से मालिक को मिला वापस

जेवर (शिखर समाचार) यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अंतर्गत संचालित यमुना एक्सप्रेस वे पर ईमानदारी की एक सराहनीय मिसाल सामने आई है। करीब दो सप्ताह पहले एक्सप्रेस-वे पर एक व्यक्ति का महंगा आई फोन गिरकर खो गया था, जिसे टोल प्लाजा के पाली प्रभारी अमित अत्रि ने तलाश कर उसके वास्तविक मालिक को सकुशल वापस सौंप दिया। इस सराहनीय कार्य की क्षेत्र में व्यापक चर्चा हो रही है, वहीं पीड़ित द्वारा साझा किया गया वीडियो सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। गांव करौली बांगर निवासी सुनील कुमार ने बताया कि वह लगभग दो सप्ताह पूर्व अपनी माता को उपचार के लिए नोएडा स्थित एक चिकित्सालय लेकर गए थे। उपचार के बाद जब वह मोटरसाइकिल से वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में किसी स्थान पर उनकी पैंट की जेब से उनका आई फोन गिर गया। फोन की कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपये बताई जा रही है। काफी खोजबीन के बावजूद जब फोन नहीं मिला तो उन्होंने उम्मीद छोड़ दी। कई दिनों तक खुले में पड़े रहने के कारण फोन की बैटरी भी समाप्त हो गई और वह बंद हो गया। इसी दौरान एक्सप्रेस वे के टोल प्लाजा पर कार्यरत पाली प्रभारी अमित अत्रि को फलैदा कट के समीप यह मोबाइल फोन पड़ा मिला। उन्होंने उसे सुरक्षित उठाया और चार्ज कर चालू किया। मोबाइल में उपलब्ध संपर्क नंबरों के माध्यम से उन्होंने उसके स्वामी के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने संबंधित व्यक्ति से संपर्क कर उसे टोल प्लाजा पर बुलाया। सूचना मिलने पर सुनील कुमार टोल प्लाजा पहुंचे, जहां अमित अत्रि ने उनका आई फोन उन्हें सौंप दिया। महंगा मोबाइल वापस मिलने पर सुनील कुमार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने टोल कर्मी की ईमानदारी की सराहना करते हुए एक वीडियो बनाया और उसे सामाजिक माध्यमों पर साझा किया, जो अब व्यापक रूप से देखा और साझा किया जा रहा है। इस संबंध में यमुना एक्सप्रेस वे के सहायक महाप्रबंधक जेके शर्मा ने बताया कि टोल कर्मी द्वारा किया गया यह कार्य अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में कार्यरत प्रत्येक व्यक्ति को ऐसी ही ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देना चाहिए। अमित अत्रि की सत्यनिष्ठा ने न केवल विभाग का मान बढ़ाया है, बल्कि समाज के सामने एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत किया है।

कासना की दुकानों पर जिला पंचायत का शिकंजा, विशेष अभियान चलाकर की गई किराया वसूली

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिला पंचायत गौतमबुद्धनगर ने कासना क्षेत्र में स्थित अपनी दुकानों के बकाया किराये की वसूली को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए विशेष अभियान चलाया। लंबे समय से किराया जमा न करने वाले आवंटियों के विरुद्ध यह कार्रवाई की गई। अपर मुख्य अधिकारी प्रियंका चतुर्वेदी ने बताया कि जिला पंचायत द्वारा पूर्व में विभिन्न व्यक्तियों को दुकानों का आवंटन किराये पर किया गया था, लेकिन कई किरायेदारों ने बार बार नोटिस दिए जाने और व्यक्तिगत संपर्क किए जाने के बावजूद बकाया धनराशि जमा नहीं कराई। उन्होंने बताया कि बकाया किराया वसूलने के उद्देश्य से जिला पंचायत के अभियंता तथा अपर मुख्य अधिकारी के नेतृत्व में कर्मचारियों की संयुक्त टीम ने कासना पहुंचकर स्थल पर विशेष अभियान चलाया। इस दौरान बकायेदारों को मौके पर ही किराया जमा कराने के निर्देश दिए गए और नियमानुसार वसूली की प्रक्रिया पूरी की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी संपत्ति से संबंधित मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपर मुख्य अधिकारी के अनुसार तीन प्रमुख बकायेदारों पर बड़ी धनराशि लंबित पाई गई है। अंकुर गर्ग पुत्र अरुण गर्ग, निवासी चिरंजी कॉलोनी, एनटीपीसी रोड दादरी पर 80 हजार 322 रुपये बकाया हैं। अरुण कुमार गर्ग पुत्र चिरंजीलाल गर्ग, निवासी चिरंजी कॉलोनी, एनटीपीसी रोड दादरी पर 93 हजार 525 रुपये शेष हैं। वहीं राजकुमार पुत्र कृपाल सिंह, निवासी ग्राम बिरोड़ी, जनपद गौतमबुद्धनगर पर 93 हजार 321 रुपये का किराया बकाया है। किराया वसूली के संबंध में समस्त बकायेदारों को डुगडुगी पिटवाकर सार्वजनिक सूचना भी दी गई, ताकि किसी प्रकार की अनभिज्ञता का बहाना न बनाया जा सके। जिला पंचायत प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा में बकाया धनराशि जमा नहीं की गई तो आगे भी नियमों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी, जिसमें आवंटन निरस्तीकरण और विधिक कार्यवाही भी शामिल हो सकती है।

होली हवन समिति की बैठक में जुलूस की तैयारियों को अंतिम रूप, फूलों और गुलाल की वर्षा से सजेगा आयोजन

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) होली के पावन अवसर पर नगर में निकलने वाले पारंपरिक जुलूस की तैयारियों को लेकर होली हवन होली रंग गुलाल समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आगामी जुलूस को भव्य, आकर्षक एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष प्रमोद चौहान ने की, जबकि संचालन दीपक अरोड़ा द्वारा किया गया।

बैठक में जुलूस की संपूर्ण व्यवस्थाओं पर चर्चा करते हुए विभिन्न जिम्मेदारियों का बंटवारा किया गया। समिति अध्यक्ष प्रमोद चौहान ने कहा कि होली का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश देता है, इसलिए जुलूस भी उसी भावना के अनुरूप निकाला जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जुलूस को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए गुलाल के साथ-साथ फूलों की वर्षा भी की जाएगी, जिससे वातावरण पूरी तरह से होलीमय हो उठेगा।

जुलूस में ऊंट, ध्वनि प्रसारण यंत्रों के साथ सुसज्जित वाहन, ढोल-ताशे और रंग-बिरंगे गुलाल की विशेष व्यवस्था की जाएगी। इसके अतिरिक्त हास्य विनोद और लोक मनोरंजन के विविध कार्यक्रम भी शामिल किए जाएंगे, ताकि सभी आयु वर्ग के लोग इस उत्सव का आनंद ले सकें। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जुलूस पूर्ण रूप से सांप्रदायिक सौहार्द, धार्मिक आस्था और सामाजिक मर्यादाओं को ध्यान में रखते हुए पूरे उत्साह और उमंग के साथ निकाला जाएगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि होली मिलन समारोह आगामी एक मार्च को नगीना स्थित रॉयल रिजॉर्ट में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिक, व्यापारी एवं समाजसेवी एकत्र होकर एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं देंगे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेंगे।

बैठक में समिति के संरक्षक प्रभातचंद गुप्ता, अनिल बंधु, सुशील गुप्ता, विनोद अग्रवाल, सौरभ मित्तल, शलभ गोयल, दीपक अरोड़ा, विनय अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, सचिन शर्मा, ओमपाल सैनी, धर्मेंद्र राठी, लवी मित्तल, अरुण शर्मा, पवन काम्बोज, शीतल अग्रवाल, अमरजीत सिंह, संजीव अग्रवाल, रोहित रवि, प्रदीप गर्ग, विकास शर्मा, मुकेश अग्रवाल, डॉ. बालेश विश्नोई, मोहित गर्ग, ब्रजमोहन विश्नोई, शरद गर्ग, विकास अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, सुनिल कुमार, शलभ अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, सुशील कुमार, हर्ष गोयल, मोहित गोयल, श्वेतकमल गोयल, विवेक राजवंशी, अनमोल कंसल, आदित्य चौहान, गर्वित मल्होत्रा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

समिति पदाधिकारियों ने नगरवासियों से अपील की कि वे होली के इस पावन पर्व को आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाएं तथा जुलूस को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

सारथी प्रोग्राम के तहत युवाओं का राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय में शैक्षणिक भ्रमण

शामली (शिखर समाचार) जनपद स्थित राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय पर सारथी प्रोग्राम के अंतर्गत इंटर्नशिप हेतु चयनित युवाओं ने शैक्षणिक एवं संगठनात्मक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य युवाओं को राजनीति की मूलभूत समझ प्रदान करना, उन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों से जोड़ना तथा भविष्य में सक्रिय राजनीतिक भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से इस विषय पर विचार विमर्श किया गया कि महिलाओं की राजनीति में भागीदारी को किस प्रकार और अधिक सशक्त एवं सुनिश्चित बनाया जा सकता है। महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने, संगठनात्मक संरचना में उनकी सक्रिय भूमिका तथा निर्णय प्रक्रिया में उनकी सहभागिता पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर महिला जिलाध्यक्ष शामली डॉ. शशि वर्मा तथा महिला जिला अध्यक्ष मेरठ अंजू चौधरी ने इंटर्न्स का मार्गदर्शन किया। उन्होंने संगठन में महिलाओं की भूमिका, नेतृत्व विकास, जमीनी राजनीति के अनुभव तथा सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन से जुड़े अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि राजनीति केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि समाज सेवा और जनहित के प्रति समर्पण का मार्ग है। इंटर्न्स अगस्त्या चौधरी, ईशिता, कुलदीप, संदीप, विश्वेन्द्र, गीतांजलि, भव्या, दामिनी अग्रवाल एवं आयुषी राणा ने इस दौरान संगठन की विचारधारा, संरचना एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यों को निकट से समझा। प्रश्नोत्तर सत्र में युवाओं ने राजनीति में पारदर्शिता, संवेदनशीलता और सेवा भाव की आवश्यकता पर अपने सवाल रखे और वरिष्ठ पदाधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। सारथी प्रोग्राम युवाओं, विशेषकर महिलाओं, को राजनीति की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें नेतृत्व के लिए तैयार करने की दिशा में एक सशक्त एवं दूरदर्शी पहल के रूप में सामने आ रहा है। यह पहल भविष्य में जिम्मेदार, जागरूक और सकारात्मक राजनीतिक सहभागिता की मजबूत नींव साबित हो सकती है।

अनिवार्य शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में जिला मुख्यालय पर शिक्षकों का विशाल धरना

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। अनिवार्य शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) के विरोध में बुधवार को जिला मुख्यालय सूरजपुर पर शिक्षकों का विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। यह धरना टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व में प्राथमिक शिक्षक संघ, जूनियर शिक्षक संघ, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ एवं टीएससीटी संयुक्त संघों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। धरने में जनपद भर से हजारों की संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे और सरकार से अनिवार्य टेट के निर्णय को वापस लेने की मांग की। धरना कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री गजन भाटी ने किया। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि अनिवार्य टेट का नियम अव्यावहारिक और शिक्षकों के हितों के विरुद्ध है। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेघराज भाटी ने कहा कि शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार एवं सभी आवश्यक योग्यताओं को पूर्ण करने के बाद हुई है। ऐसे में सेवा के दौरान पुनः अनिवार्य शिक्षक पात्रता परीक्षा लागू करना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि

जब तक यह निर्णय वापस नहीं लिया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने कहा कि शिक्षकों ने नियुक्ति के समय सभी निर्धारित मानकों और शैक्षणिक योग्यताओं को पूरा किया है। अब नई शर्तें थोपना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह नियम शिक्षकों के आत्मसम्मान और भविष्य से जुड़ा विषय है, इसलिए इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। जूनियर शिक्षक संघ के मंडल अध्यक्ष उमेश राठी एवं जिला अध्यक्ष निरंजन नागर ने संयुक्त रूप से कहा कि शिक्षक समाज अपने अधिकारों के प्रति सजग है और किसी भी अन्यायपूर्ण निर्णय को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक अनिवार्य टेट का प्रावधान वापस नहीं होगा, तब तक संघर्ष लगातार जारी रहेगा। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला अध्यक्ष अशोक यादव एवं जिला मंत्री डा. अजयपाल नागर ने कहा कि यह मुद्दा केवल परीक्षा का नहीं, बल्कि शिक्षकों की नौकरी और आजीविका से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की रोजी रोटी पर संकट डालने वाले किसी भी आदेश को लागू नहीं होने दिया जाएगा। पूर्व मंडलीय मंत्री अशोक शर्मा ने सरकार से अपील करते हुए कहा कि शिक्षकों की भावनाओं को समझते हुए इस कानून को तत्काल वापस लिया जाए। वहीं टीएससीटी के संयोजक जितेंद्र नागर ने अपने संबोधन में शिक्षक एकता पर बल देते हुए कहा कि संगठित प्रयासों से ही इस निर्णय को बदलवाया जा सकता है। जिला मंत्री गजन भाटी ने कहा कि अनिवार्य शिक्षक पात्रता परीक्षा का नियम केवल अध्यापकों पर लागू किया गया है, जबकि अन्य किसी विभाग के अधिकारी या कर्मचारी पर ऐसा प्रावधान नहीं है। उन्होंने इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए कहा कि यह निर्णय द्वेषपूर्ण मानसिकता को दशार्ता है, जिसका सभी शिक्षक मिलकर विरोध कर रहे हैं। धरना प्रदर्शन के दौरान विभिन्न शिक्षक संगठनों की जिला एवं खंड कार्यकारिणी के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मेघराज भाटी, प्रवीण शर्मा, संतोष नागर, अशोक शर्मा, उमेश राठी, निरंजन नागर, अशोक यादव, अजयपाल नागर, जितेंद्र नागर सहित बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए और सरकार के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को दोहराया।

संपादकीय

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद प्रकरण : आस्था, अभिव्यक्ति और संवैधानिक मयार्दाओं की कसौटी

देश की सार्वजनिक जीवन-व्यवस्था में जब भी किसी बड़े धार्मिक पद पर आसीन व्यक्तित्व का नाम किसी विवाद से जुड़ता है, तो वह केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं रह जाता, बल्कि आस्था, राजनीति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून की सीमाओं के बीच संतुलन का प्रश्न बन जाता है। हाल के दिनों में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े प्रकरण ने भी यही स्थिति उत्पन्न की है। यह विवाद केवल किसी बयान, कार्यक्रम या प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक विमर्श को जन्म देता है जिसमें यह तय करना होता है कि क्या उचित है और क्या अनुचित, और किस कसौटी पर निर्णय लिया जाए। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में धार्मिक नेताओं की सामाजिक भूमिका अत्यंत प्रभावशाली रही है। वे केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शक नहीं, बल्कि समाज के नैतिक दिशा सूचक भी माने जाते हैं। ऐसे में यदि कोई शंकराचार्य सार्वजनिक मंच से राजनीतिक, सामाजिक या संवेदनशील विषयों पर टिप्पणी करते हैं, तो स्वाभाविक है कि उसका व्यापक असर पड़ता है। प्रश्न यह है कि क्या धार्मिक पद पर आसीन व्यक्ति को समसामयिक मुद्दों पर बोलने का अधिकार है? संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, अतः इस अधिकार से उन्हें वंचित नहीं किया जा सकता। परंतु यही अनुच्छेद यह भी स्पष्ट करता है कि यह स्वतंत्रता पूर्णतः निरंकुश नहीं है; उस पर कानून, सार्वजनिक व्यवस्था और शांति की शर्तें लागू होती हैं। यदि किसी वक्तव्य से सामाजिक तनाव उत्पन्न होता है, समुदायों के बीच अविश्वास बढ़ता है या कानून व्यवस्था की स्थिति प्रभावित होती है, तो प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है कि वह हस्तक्षेप करे। परंतु हस्तक्षेप की प्रकृति और समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है। किसी धार्मिक नेता के विरुद्ध की गई कार्रवाई यदि अत्यधिक कठोर या पक्षपातपूर्ण प्रतीत होती है, तो उससे आस्था से जुड़े लोगों में असंतोष पैदा हो सकता है। वहीं यदि प्रशासन पूरी तरह मौन रहता है, तो यह संदेश जाता है कि प्रभावशाली व्यक्तियों के लिए नियम अलग हैं। दोनों स्थितियाँ लोकतांत्रिक संतुलन के लिए उचित नहीं कही जा सकतीं। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद प्रकरण में भी यही द्वंद्व दिखाई देता है। एक पक्ष का तर्क है कि धार्मिक पीठ पर आसीन व्यक्ति को राजनीतिक विमर्श से दूर रहना चाहिए, क्योंकि उनका दायित्व समाज को आध्यात्मिक मार्ग पर अग्रसर करना है, न कि किसी राजनीतिक ध्रुवीकरण का हिस्सा बनना। दूसरे पक्ष का कहना है कि संत समाज ऐतिहासिक रूप से सामाजिक और राष्ट्रीय प्रश्नों पर मुखर रहा है; स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर सामाजिक सुधार आंदोलनों तक, धार्मिक नेताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे में उन्हें पूर्णतः मौन रहने की अपेक्षा करना अव्यावहारिक है। उचित क्या है? उचित यह है कि कोई भी सार्वजनिक वक्तव्य तथ्यपरक, संयमित और संविधान की मयार्दाओं के अनुरूप हो। यदि किसी विषय पर असहमति है, तो उसे शास्त्रीय तर्क, संवाद और लोकतांत्रिक भाषा में रखा जाए। अनुचित वह होगा, जब भाषा उत्तेजक हो, आरोप अप्रमाणित हों या समाज के किसी वर्ग को लक्ष्य बनाकर बयान दिया जाए। धार्मिक पद की गरिमा स्वयं यह अपेक्षा करती है कि वक्तव्य का स्तर सामान्य राजनीतिक बयानबाजी से ऊपर हो। इसी प्रकार प्रशासन के लिए भी कुछ मयार्दाएँ हैं। उचित यह है कि किसी भी विवाद में कानून का समान रूप से पालन हो, न तो किसी को विशेष संरक्षण मिले और न ही अनावश्यक दंडात्मकता दिखाई जाए। यदि जांच की आवश्यकता है, तो वह पारदर्शी हो। यदि बयान पर आपत्ति है, तो पहले संवाद का प्रयास हो। लोकतंत्र में संवाद ही सबसे सशक्त औजार है। अनुचित यह होगा कि किसी भी मतभेद को दमन के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया जाए, क्योंकि इससे समस्या सुलझती नहीं, बल्कि और गहरी हो जाती है।

~ मौलिक चिंतन ~

समस्या खड़ी करने वाला सोच, कभी समाधान प्रस्तुत नहीं कर सकता।

~~~~~~~~~

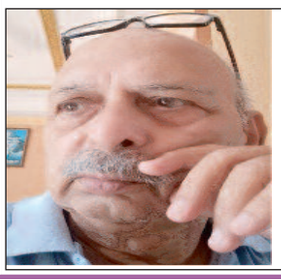

© विनय संकोची

चंद्रशेखर आजाद : क्रांति, साहस और आत्मसम्मान की अमर गाथा

सुनील कुमार महला

27 फरवरी को महान क्रांतिकारी, अदम्य साहस, अटूट देशभक्ति और आत्मसम्मान के प्रतीक चंद्रशेखर आजाद का शहीद दिवस है। पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 1931 में इसी दिन उन्होंने इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के चंद्रशेखर आजाद पार्क (तत्कालीन अल्फ्रेड पार्क) में अंग्रेजों से घिर जाने पर वीरगति प्राप्त की।

उनका जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिला में हुआ था तथा उनका बचपन झाबुआ जिले के भाबरा गाँव में बीता, जहाँ उनके अधिकांश मित्र भील जनजाति के बालक थे। उनके साथ रहते हुए उन्होंने बचपन में ही धनुष-बाण चलाने में दक्षता हासिल कर ली, जो आगे चलकर उनकी अचूक निशानेबाजी का आधार बनी।

पाठकों को बताता चलूं कि उनका वास्तविक नाम चंद्रशेखर तिवारी था और ह्यआजादह्न नाम उन्होंने स्वयं अदालत में घोषित किया था। दिसंबर 1921 में असहयोग आंदोलन में भाग लेने के कारण जब उन्हें गिरफ्तार किया गया, तो मजिस्ट्रेट के सामने उन्होंने अपना नाम आजाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और पता जेलखाना बताया। सजा के रूप में उन्हें 15 कोड़े लगाए गए, जिसके बाद से वे 'आजाद' के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

उनकी माता जगरानी देवी चाहती थीं कि वे संस्कृत के विद्वान बनें, इसलिए उन्हें पढ़ाई के लिए वाराणसी के काशी विद्यापीठ भेजा गया। किंतु जलियांवाला बाग हत्याकांड(13 अप्रैल 1919 को पंजाब के अमृतसर में) ने उनकी सोच बदल दी और वे क्रांतिकारी मार्ग पर चल पड़े। उनकी जुबां पर अक्सर एक शेर रहता था-दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे,आजाद ही रहे हैं, आजाद ही रहेंगे।

पाठक जानते होंगे कि आजाद ने शपथ ली थी कि वे कभी अंग्रेजों के हाथ जीवित नहीं पकड़े जाएंगे, और उन्होंने अंत तक अपने इस वचन को निभाया भी। वे भेष बदलने की कला में अत्यंत निपुण थे तथा कई बार पुलिस के सामने से निकल गए और उन्हें पता भी नहीं चला। कहते हैं कि एक बार उन्होंने स्त्री का भेष धारण कर अंग्रेजों को चकमा दे दिया था। पुलिस से बचने के लिए वे साधु/संन्यासी बनकर भी रहे और बच्चों को पढ़ाया। झांसी के पास ओरछा के जंगलों में उन्होंने पंडित हरिशंकर ब्रह्मचारी नाम से संन्यासी रूप में निवास किया तथा साथियों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण भी दिया। उनकी फुर्ती और तेज दिमाग के कारण साथी उन्हें क्विक सिल्वर (पारा) कहते थे।

वे क्रांतिकारी संगठन के वरिष्ठ नेता थे और युवाओं को प्रशिक्षण देते थे, जिनमें भगत सिंह भी शामिल थे। पाठकों को बताता चलूं कि भगत सिंह उन्हें सम्मान से पंडित जी कहते थे। दोनों की जोड़ी को आग और हवा की तरह माना जाता था-जहाँ भगत सिंह वैचारिक रूप से गहरे थे, वहीं आजाद संगठन संचालन और क्रांतिकारी कार्रवाई में निपुण थे।

महात्मा गांधी द्वारा 1922 में असहयोग आंदोलन स्थगित किए जाने के बाद वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) से जुड़े। गौरतलब है कि यह संगठन 1924 में शचींद्र नाथ सान्याल सहित अन्य क्रांतिकारियों द्वारा स्थापित किया गया था। इसके प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी आदि शामिल थे। क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए धन जुटाने हेतु 1925 में काकोरी ट्रेन कार्रवाई की गई।

बाद में संगठन का पुनर्गठन कर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) बनाया गया, जिसकी स्थापना 1928 में दिल्ली के फिरोजशाह कोटला में आजाद, भगत सिंह, सुखदेव थापर और जोगेश चंद्र चटर्जी सहित अन्य साथियों ने की। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आजाद 1929 में लॉर्ड इरविन की ट्रेन पर बम फेंकने की योजना में भी शामिल थे।

27 फरवरी 1931 को प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। उन्होंने अपने साथी सुखदेव राज को सुरक्षित निकल जाने का अवसर दिया और स्वयं लगभग 40 मिनट तक अकेले पुलिस से लोहा लेते रहे। उस समय उनके पास केवल एक छोटी कोल्ट पिस्तौल थी। जब अंतिम गोली बची, तो अपनी प्रतिज्ञा निभाते हुए उन्होंने स्वयं को गोली मार ली और वीरगति प्राप्त की।जानकारी मिलती है कि उनकी मृत्यु के बाद भी ब्रिटिश पुलिस उनके पास जाने से डर रही थी। पुष्टि करने के लिए दूर से उनके शरीर पर गोलियाँ चलाई गईं, तब जाकर वे पास पहुँचे।

आजाद अत्यंत सादगीपूर्ण जीवन जीते थे। बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि कई बार संगठन के लिए धन बचाने हेतु स्वयं भूखे रह जाते थे, लेकिन अपने साथियों की जरूरतें वे पहले पूरी करते थे। उनकी शहादत के बाद काफी समय तक उनकी माता को पूरी जानकारी नहीं दी गई थी, ताकि उन्हें गहरा सदमा न पहुँचे।

निष्कर्षतः, चंद्रशेखर आजाद ने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने युवाओं को यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता, स्वाभिमान और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प, त्याग और साहस से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

आईआईसीटी की संरचना,और ऑरेंज इकोनॉमी की अनंत संभावनाएँ

विनोद कुमार सिंह

भारत आज उस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है,जहाँ वह नित्य नवीन विकास की परिभाषा बदल रही है। इसी क्रम में औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र की परंपरागत सीमाओं से बाहर निकलकर अब राष्ट्र की शक्ति का निर्धारण उसकी रचनात्मक क्षमता,डिजिटल दक्षता और नवाचार से हो रहा है।इसी परिवर्तनकारी परिदृश्य में आई आई सी टी का उदय केवल एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्रचना की एक दुरगामी दृष्टि का परिचायक है। एनीमेशन,विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग,कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में भारत को वैश्विक अग्रणी बनाने की यह पहल अपने भीतर सामाजिक न्याय,अवसरों के लोकतंत्रीकरण और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का अनंत संदेश समेटे हुए है।हमारी रचनात्मक अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें प्रतिभा और कल्पनाशीलता ही वास्तविक पूँजी होती है।भौगोलिक सीमाएँ,पारंपरिक संसाधन या भारी अवसंरचना इसकी अनिवार्यता नहीं हैं।एक छोटे शहर या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाला युवा भी यदि उपयुक्त प्रशिक्षण और तकनीकी संसाधन प्राप्त करे तो वह वैश्विक परियोजनाओं में अपनी अग्रणी भूमिका निभा सकता है।संस्थान का 2035 तक 10 लाख से अधिक विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण देने का लक्ष्य इसी सोच का सतत विस्तार है।यह केवल कौशल विकास का कार्यक्रम नहीं,बल्कि सामाजिक गतिशीलता का माध्यम है,जो वंचित और निचले तबकों को नई आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करता है।21वीं सदी का वैश्विक आर्थिक परिदृश्य यह स्पष्ट संकेत दे रहा है,कि आने वाला समय रचनात्मकता,डिजिटल तकनीक और बौद्धिक संपदा का होगा।जिस राष्ट्र के पास विचार, कल्पनाशक्ति और तकनीकी दक्ष मानव संसाधन होगा,वही विश्व मंच पर नेतृत्व करेगा।भारत ने इस यथार्थ को समय रहते पहचानते हुए एनीमेशन,विजुअल इफेक्ट्स,गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में संस्थागत आधार निर्मित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में स्थापित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रियेटिव ट्रेकनालोजी(Indian Institute of Creative Technology) केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं,बल्कि भारत की ऑरेंज इकोनॉमी का केंद्रीय स्तंभ बनकर उभर रहा है। माया नगरी मुंबई में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में प्रारंभ हुआ यह संस्थान सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर कार्य करता है,जहाँ उद्योग और अकादमिक जगत का समन्वय इसकी आधारशिला है।प्रारंभिक चरण में इसका संचालन नेशनल फिल्म डबल्पमेन्ट कॉरपोरेशन (NFDC) परिसर से आरंभ किया गया,जो भारतीय फिल्म और रचनात्मक उद्योग के ऐतिहासिक केंद्रों में से एक है।वर्तमान संरचना में चौथी से सातवीं मंजिल तक पूर्णतःकार्यशील फ्लोर स्थापित किए गए हैं,जिनमें अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाएँ,डिजिटल लैब्स,साउंड डिजाइन स्टूडियो,पोस्ट-प्रोडक्शन सुविधाएँ और पेशेवर स्तर का स्क्रीनिंग थिएटर शामिल हैं।यह अवसंरचना विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं,बल्कि उद्योग- संगत व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।संस्थान की संरचना का एक महत्वपूर्ण आयाम इसका स्टार्टअप इनक्यूबेशन केंद्र है,जहाँ नवोन्मेषी विचारों को व्यावसायिक रूप देने के लिए मेंटरशिप,तकनीकी संसाधन और नेटवर्किंग सहयोग उपलब्ध कराया जाता है।यह मॉडल विद्यार्थियों को नौकरी खोजने वाले के बजाय रोजगार सृजक बनने की प्रेरणा देता है।साथ ही,18 विशेषी कृत पाठ्यक्रमों के माध्यम से ए वी जी सी-एस आर(AVGC-XR) क्षेत्र की विविध आवश्यकताओं को संबोधित किया जा रहा है।उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रम संरचना यह सुनिश्चित करती है कि प्रशिक्षित युवा सीधे वैश्विक परियोजनाओं में योगदान दे सकें।आईआई सी टी की दीर्घकालिक योजना इसे और व्यापक स्वरूप देने की है।गोरेगांव फिल्म सिटी में प्रस्तावित10एकड़ का स्थायी परिसर इस दिशा में एक महत्त्वाकाँक्षी कदम है।यहाँ अत्याधुनिक इमर्सिव स्टूडियो,ए आर/वीआर/एक्सआर (AR/VR/XR) आधारित प्रयोगशालाएँ और सहयोगात्मक रचनात्मक स्पेस विकसित किए जाने की योजना है। यह परिसर विद्यार्थियों को भारत के मनोरंजन उद्योग के केंद्र में प्रशिक्षण का अवसर देगा,जिससे शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी न्यूनतम हो सकेगी।भविष्य में यह केंद्र वैश्विक प्रशिक्षण, शोध और नवाचार का हब बन सकता है।वही ऑरेंज इकोनॉमी की अवधारणा रचनात्मक उद्योगों को आर्थिक शक्ति में रूपांतरित करने की है।इसमें संस्कृति,कला,मीडिया,डिजाइन और डिजिटल नवाचार सम्मिलित होते हैं।विश्व स्तर पर यह क्षेत्र तीव्र गति से विस्तार कर रहा है और अरबों डॉलर का बाजार निर्मित कर चुका है।भारत,जिसकी जनसंख्या युवा और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध है,इस क्षेत्र में स्वाभाविक बढ़त रखता है।यदि भारतीय कथानक, पौराणिकता,लोककथाएँ और समकालीन अनुभव आधुनिक तकनीकी माध्यमों से प्रस्तुत किए जाएँ,तो वे वैश्विक दर्शकों को आकर्षित कर सकते हैं। इसी संभावना को संरचनात्मक आधार प्रदान करता है। आईआईसीटी संस्थान का लक्ष्य केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है,बल्कि 500 से अधिक मौलिक भारतीय बौद्धिक संपदाओं (IP)का निर्माण,10,000 से अधिक डोमेन विशेषज्ञों की तैयारी और 2035 तक 10 लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देना इसकी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है। यह दृष्टिकोण भारत को केवल सेवा प्रदाता नहीं,बल्कि वैश्विक कंटेंट सृजनकर्ता के रूप में स्थापित करने का प्रयास है। बौद्धिक संपदा का सृजन ही किसी भी राष्ट्र की दीर्घकालिक आर्थिक स्वायत्तता का आधार बनता है। सामाजिक दृष्टि से भी आईआईसी टी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल रचनात्मक उद्योग भौगोलिक सीमाओं से मुक्त हैं।अतः छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के लिए भी अवसर उपलब्ध हैं।जब समाज के निचले तबकों तक कौशल और संसाधन पहुँचेंगे, तब आर्थिक अवसरों का वास्तविक लोकतंत्रीकरण होगा।यहसामाजिक पूँजी को सुदृढ़ करेगा और क्षेत्रीय

असमानताओं को कम करने में सहायक होगा। समावेशी और सतत विकास की दिशा में यह पहल दीर्घकालिक परिवर्तन का आधार बन सकती है।

अंततः इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रियेटिव ट्रेकनालोजीभारत के उस आत्मविश्वास का प्रतीक है,जो अपनी सांस्कृतिक विरासत और तकनीकी क्षमता के संगम से भविष्य गढ़ना चाहता है।यदि संरचना,उद्योग साझेदारी और सामाजिक समावेशन की यह त्रिवेणी निरंतरता के साथ आगे बढ़ती रही,तो ऑरेंज इकोनॉमी भारत की विकास यात्रा में स्वर्णिम अध्याय सिद्ध होगी।हम कह सकते है कि यह कोई आर्थिक प्रगति की कहानी नहीं होगी,बल्कि एक ऐसे भारत की ऐतिहासिक कथा होगी जो अपनी रचनात्मक ऊर्जा को वैश्विक शक्ति में रूपांतरित कर रहा है।

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

शिक्षा को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाना होगा

ललित गर्ग

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

देश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और सामान्य परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं। हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा का मौसम केवल प्रश्नपत्रों और परिणामों का नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, चिंता और असुरक्षा का मौसम बनता जा रहा है। छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

लखनऊ की घटना केवल परीक्षा दबाव की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों में बढ़ती संवेदनहीनता, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा का दर्पण है। पुलिस जांच के अनुसार एक पैथोलॉजी लैब संचालक पिता अपने बेटे को डॉक्टर बनाना चाहते थे और उस पर नीट जैसी परीक्षा पास करने का लगातार दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, कुछ बाहर फेंके, कुछ घर में छिपाए, छोटी बहन को धमकाया और पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले लापता होने और फिर आत्महत्या की कहानी गढ़ी। यह सब बताता है कि यह क्षणिक आवेश नहीं था, बल्कि भीतर लंबे समय से पल रही कुंठा, आक्रोश और मानसिक विघटन का परिणाम था। प्रश्न यह है कि एक बेटे के भीतर इतनी नफरत कैसे पनप सकती है? क्या 'कुछ बनने' का दबाव इतना भारी हो सकता है कि वह रिश्तों को भी तार-तार कर दे? हर माता-पिता चाहते हैं कि उनकी संतान सफल हो, प्रतिष्ठित करियर बनाए, समाज में सम्मान पाए। लेकिन जब यह चाहत संवाद और सहयोग की जगह नियंत्रण और

दबाव का रूप ले लेती है, तब वह प्रेरणा नहीं, मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। जब शिक्षा जीवन-निर्माण का माध्यम न होकर, विनाश का कारण बन जाती है।

भारत में नीट और जी जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के लिए उम्मीद का प्रतीक हैं। नीट में पिछले वर्ष 23 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जबकि ज्वाइंट एन्ट्रेंस एक्जामिनेशन (जेईई) के एक सत्र में 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया। इन लाखों विद्यार्थियों में से केवल कुछ हजार ही शीर्ष संस्थानों तक पहुंच पाते हैं। शेष विद्यार्थियों के हिस्से अक्सर निराशा, आत्मग्लानि और सामाजिक तुलना का दंश आता है। जब सफलता का पैमाना केवल रैंक और अंक बन जाए, तो असफलता जीवन का अंत प्रतीत होने लगती है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों में हर वर्ष आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं। कोटा देश की कोचिंग राजधानी कही जाती है, जहां हजारों छात्र सपने लेकर पहुंचते हैं। लेकिन उन्हीं सपनों का बोझ कई बार उनके जीवन से भारी पड़ जाता है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का परिणाम है जिसमें प्रतियोगिता सहयोग से अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।

लखनऊ की घटना में एक और तथ्य उल्लेखनीय है-आरोपी छात्र की मां का निधन हो चुका था। घर में चाचा-चाची मौजूद थे, लेकिन क्या उस युवक की मनःस्थिति को समझने का प्रयास किया गया? क्या उसके भीतर के तनाव, अकेलेपन और भय को किसी ने सुना? यदि परिवार में नियमित संवाद होता, यदि मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाता जितनी अंकों को, तो शायद यह भयावह वारदात टाली जा सकती थी। आज समस्या केवल आत्महत्या तक सीमित नहीं है। बच्चे हिंसक भी हो रहे हैं। यह हिंसा बाहरी नहीं, भीतर से उपज रही है-कुंठा, अपमानबोध, तुलना और असफलता के भय से। जब बच्चे को यह महसूस होने लगे कि वह केवल एक 'प्रोजेक्ट' है, एक 'इन्वेस्टमेंट' है, जिसे किसी निश्चित पेशे में ढालना है, तब उसकी स्वतंत्र पहचान कुचल जाती है। वह या तो भीतर ही भीतर टूट जाता है या विस्फोट कर देता है।

शिक्षा का उद्देश्य जीवनदायिनी होना चाहिए-विवेक, संवेदना और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए। लेकिन जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग का माध्यम बन जाए, तो वह तनाव और हिंसा को जन्म देती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता, और न ही बनना चाहिए। विविध प्रतिभाओं को सम्मान देने वाली सामाजिक मानसिकता विकसित किए बिना यह संकट कम नहीं होगा। इस संदर्भ में तीन स्तरों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। पहला, परिवार। माता-पिता को यह समझना होगा कि अपेक्षा और दबाव में अंतर है। अपेक्षा प्रेरणा देती है, दबाव भय पैदा करता है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी रुचियों को समझना, असफलता को स्वीकार्य बनाना और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। 'तुम्हें डॉक्टर बनना ही है' की जगह 'तुम जो बनना चाहो, हम साथ हैं' जैसी सोच विकसित करनी होगी। दूसरा, शिक्षा संस्थान। स्कूल और कोचिंग संस्थानों को केवल परिणाम देने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील संस्थान बनना होगा। नियमित काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं और परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न न बनाने की संस्कृति विकसित करनी होगी। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की मानसिक दशा पहचानने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। तीसरा, सरकार और समाज। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और कलंकमुक्त बनाना होगा। परीक्षा प्रणाली में सुधार, वैकल्पिक करियर मार्गों को बढ़ावा, और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देना समय की मांग है। मीडिया को भी सनसनी की बजाय संवेदनशील रिपोर्टिंग करनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इन घटनाओं को सामान्य न मानें। हर आत्महत्या और हर हिंसक घटना हमारे सामाजिक ताने-बाने में दरार का संकेत है। यदि हम इसे केवल 'व्यक्तिगत मामला' कहकर टाल देंगे, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। लखनऊ की घटना हमें झकझोरती है। यह बताती है कि शिक्षा का दबाव, पारिवारिक संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा मिलकर कितनी भयावह परिणति ला सकती है। अब समय है कि हम सामूहिक आत्ममंथन करें। शिक्षा को जीवन का उत्सव बनाएं, न कि भय का कारण। बच्चों को लक्ष्य दें, लेकिन उनके पंख न काटें। सपने दिखाएं, पर उन्हें सांस लेने की जगह भी दें। जब तक हम सफलता की परिभाषा को व्यापक नहीं करेंगे और बच्चों को अंक से अधिक मनुष्य मानना नहीं सीखेंगे, तब तक यह संकट बना रहेगा। परीक्षा का मौसम हर साल आएगा, लेकिन यदि हम संवेदनशील समाज बन सके, तो शायद अगली पीढ़ी के लिए यह मौसम भय का नहीं, आत्मविश्वास का प्रतीक बन सकेगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)
~~~~~~~~~

संक्षिप्त समाचार

कुत्ते के हमले से घायल बच्ची के चेहरे की सर्जरी

मेरठ, एजेंसी। बागपत की ढाई वर्षीय बच्ची सारा पर कुत्तों ने हमला कर दिया था। उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं। इस घटना के बाद उसे तत्काल मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सफल प्लास्टिक सर्जरी की। डॉ. भानु प्रताप सिंह एवं उनकी टीम ने नए प्रोटोकॉल के तहत गंभीर घावों को ठीक करने के साथ चेहरे को सामान्य आकार में लाया गया तथा घाव के निशान को न्यूनतम किया गया। समय पर इलाज और विशेषज्ञ सर्जरी से बच्ची का चेहरा सफलतापूर्वक सुधारा गया है। डॉ. भानु प्रताप सिंह ने बताया कि कुत्ते के काटने से हुए गंभीर घावों का अब उन्नत सर्जरी और कॉस्मेटिक तकनीकों से इलाज संभव हो गया है, जिससे पीड़ितों को सामान्य जीवन मिल सकता है। मेरठ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर.सी. गुप्ता ने डॉ. सिंह एवं टीम को बधाई दी। उन्होंने कुत्ते के काटने पर तत्काल सावधानियां बरतने की सलाह दी। घाव को साबुन-पानी से अच्छी तरह धोएं और जल्द से जल्द एंटी-रेबीज टीकाकरण कराएं। आजकल आवारा कुत्तों के हमले बढ़ रहे हैं, ऐसे में समय पर चिकित्सा सहायता महत्वपूर्ण है।

तीन मार्च को लगेगा खग्रास चंद्रग्रहण, 50 मिनट दिखेगा दृश्य

गोरखपुर एजेंसी। फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा, मंगलवार तीन मार्च को खग्रास चंद्रग्रहण लगेगा। यह ग्रहण खंडग्रास चंद्रग्रहण के रूप में दिखाई देगा। विभिन्न स्थानों पर चंद्रोदय के समय चंद्रमा ग्रहण से ग्रस्त रहेगा और मोक्ष के समय तक ही ग्रहण दृश्य होगा। ग्रहण का स्पर्श और प्रारंभ भारत में कहीं भी दिखाई नहीं देगा, लेकिन खंड चंद्रग्रहण का मोक्ष 50 मिनट तक देखा जा सकेगा। पंडित शरद चंद्र मिश्र के अनुसार, जिले में चंद्रोदय मंगलवार को शाम पांच बजकर 57 मिनट पर होगा, उसी समय चंद्रमा ग्रस्त अवस्था में रहेगा। ग्रहण का मोक्ष शाम छह बजकर 47 मिनट पर होगा। इस प्रकार यहां ग्रहण लगभग 50 मिनट तक ही दृश्य रहेगा। यह ग्रहण पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र और सिंह राशि में घटित होगा। फाल्गुन मास में पड़ने वाला यह चंद्रग्रहण नृत्य, संगीत और कला से जुड़े लोगों, श्रेष्ठ स्त्रियों, सैनिकों तथा तपस्वियों के लिए कष्टकारक प्रभाव दे सकता है। मंगलवार को घटित होने के कारण सामाजिक अशांति की आशंका भी व्यक्त की गई है। वहीं गोरखनाथ मंदिर संस्कृत विद्यापीठ के सहायक आचार्य डॉ. प्रांगेश कुमार मिश्र के अनुसार, ग्रहण का सूतक काल सुबह 06:20 पर लगेगा, इसके बाद मंदिरों के कपाट बंद हो सकते हैं। उनका कहना था कि ग्रहण के दौरान भगवान की पूजा-अर्चना करना चाहिए। मंत्र जाप भी काफी लाभदायक होता है।

सीएम योगी ने विदेशी दिग्गजों को भेंट की बनारसी विरासत

वाराणसी ब्यूरो। काशी की प्राचीन गलियों से निकलकर गुलाबी मीनाकारी की कलाकृतियां अंतरराष्ट्रीय फलक पर पहुंच गई हैं। सिंगापुर दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी ने पारंपरिक धरोहरों में शामिल ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट) उत्पादों को विशेष उपहार के तौर पर विदेशी प्रतिनिधियों को भेंट किया। यूपी सरकार की ओडीओपी योजना के तहत प्रत्येक जिलों की पारंपरिक विशेषता को इंटरनेशनल मंच पर प्रोत्साहित किया जा रहा है। बनारस की गुलाबी मीनाकारी भी इनमें से एक है। वाराणसी की गुलाबी मीनाकारी अपनी अनूठी शिल्प शैली के लिए लोकप्रिय है। चांदी और सोने पर बारीक नक्काशी के बाद तप कर गुलाबी मीनाकारी का गुलाबी रंग विश्व पटल के हैंडीक्राफ्ट के मानचित्र पर गहरी छाप छोड़ रहा है। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त गुलाबी मीनाकारी के हस्तशिल्पी कुंज बिहारी ने बताया कि मुख्यमंत्री की ओर से विदेशी प्रतिनिधियों को ये उत्पाद उपहार में देना राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को सम्मान देने जैसा है। यह विदेशी निवेशकों को उत्तर प्रदेश की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा और संभावनाओं से परिचित कराने का माध्यम बन रहा है। कुंजबिहारी ने बताया कि हम लोगों के लिए खुशी की बात है कि मुख्यमंत्री गुलाबी मीनाकारी के उत्पाद स्वयं लेकर जापान और सिंगापुर के दौरे पर गए हैं। गुलाबी मीनाकारी को जीआई टैग प्राप्त है।

खाद्य सामग्रियों में मिलावट के सबूत विभाग में सड़ रहे...चूहे कुतर रहे सैंपल

गोरखपुर, एजेंसी। मिलावटखोरी पर कार्रवाई के लिए दुकानों से लिए गए खाद्य सामग्रियों के सैंपल खाद्य सुरक्षा विभाग के कार्यालय में रख-रखाव के अभाव में सड़-गल रहे हैं। इन्हें सुरक्षित रखने के इंतजाम नहीं हैं। कुछ सैंपल को तो चूहे कुतर कर खा जा रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, साक्ष्य सुरक्षित नहीं रहने पर आरोपियों को इसका फायदा मिल सकता है। कलक्ट्रेट परिसर में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग का दफ्तर है। इसी दफ्तर के एक कमरे में मिठाई, नमकीन, चिप्स और पापड़ के सैंपल रखे गए हैं। इसके अलावा गैलरी में रखी आलमारी और बड़े बक्शे में भी 20 से 25 साल पुराने सैंपल हैं। इनमें से कई मामलों में अभी मुकदमा चल रहा है। विभाग के सूत्रों का कहना है कि लंबे समय से रखे गए सैंपल को देखा ही नहीं गया। मिठाई और नमकीन वाले सैंपल खुले में रखे गए हैं, गत्ते को कुतर कर उसमें रखे नमूने चूहे खा रहे हैं।

होली पर मिलावट का बाजार

आटा, दाल, दूध से लेकर मसाले तक नहीं शुद्ध; पनीर तो ना ही लें

आगरा, एजेंसी। होली से पहले खाद्य सुरक्षा प्रशासन की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। दूध, घी, पनीर, तेल और मसालों के बड़ी संख्या में नमूने फेल मिले हैं, जिससे बाजार में मिलावटखोरी का जाल उजागर हुआ है।

होली के त्योहार पर खाद्य पदार्थों में मिलावट का काला साया मंडरा रहा है। मिलावटखोर जहर परोस रहे हैं। यह खुलासा खाद्य सुरक्षा प्रशासन की सैंपलिंग रिपोर्ट से हुआ है। बाजार में बिक रहे खुले दूध से लेकर मसाले तक स्वास्थ्य के लिए घातक हैं। पनीर और घी के सबसे ज्यादा नमूने फेल हुए हैं।

शासन के निर्देश पर सोमवार को पांच तेल कंपनियों पर छापेमारी में मिलावट की आशंका पर 62 हजार लीटर सरसों का तेल और रिफाइंड जब्त किया गया। यह पिछले पांच साल में सबसे बड़ी कार्रवाई है। खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्य प्रणाली पर भी इससे सवाल उठे हैं।

आगरा उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के महानगर अध्यक्ष नरेश पांडेय का कहना है कि 70 प्रतिशत व्यापारी खाद्य पदार्थों के कारोबार से जुड़ा है। खाद्य सुरक्षा के स्पष्ट मानक नहीं हैं, जिसका फायदा उठाकर खाद्य अधिकारी अवैध वसूली करते हैं। सिर्फ त्योहार पर कार्रवाई की याद आती है। पूरे साल विभाग आंखें बंद रखता है।

लगाएंगे भारी जुर्माना : जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा विभाग की नियमित समीक्षा होगी और मिलावटखोरी के विरुद्ध अभियान चलेगा। अधिकारियों की संलिप्तता पर सख्त कार्रवाई होगी। जिन व्यापारियों के नमूने फेल हुए हैं। उन पर भारी जुर्माना लगाने के साथ गंभीर मामलों में विधिक कार्रवाई की जाएगी।

होली पर अतिरिक्त बसें चलाएगा परिवहन निगम

मेरठ , एजेंसी। इस होली पर बसों में मारामारी रहेगी। सभी यात्रियों को बसों में सीट मिलेंगी।

इस बार परिवहन निगम ने होली पर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए बसों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया है। मेरठ परिक्षेत्र के बस अड्डों से 28 फरवरी से नौ मार्च तक अतिरिक्त बसें चलेंगी। चालक, परिचालक और अन्य कर्मचारियों को अभी अतिरिक्त कार्य करने पर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। निगम का दावा है कि इस बार होली पर पर्याप्त बसें रहेंगी और लोग सीट पर बैठकर यात्री करेंगे। सोहराबगेट एवं मेरठ डिपो प्रभारी आसिफ अली ने बताया कि दोनों डिपो की बसों का बेड़ा बढ़ा दिया गया है, ताकि त्यौहार पर यात्रियों को बस आसानी से मिल सके।

ये है चालक व परिचालकों को प्रोत्साहन योजना : परिवहन निगम के जो चालक और परिचालक 10 दिन में 3000 किलोमीटर गाड़ी चलाएंगे उनको 4500 रुपये का एकमुश्त भुगतान किया जाएगा। प्रतिदिन 450 रुपये के हिसाब से होगा। 9 दिन की ड्यूटी पर 2700 किलोमीटर पूरे करने पर 3600 रुपये मिलेंगे। निर्धारित किलोमीटर से अधिक दूरी तय करने पर 55 पैसे प्रति किलोमीटर अतिरिक्त दिए जाएंगे। कार्यशाला कार्मिकों और आउटसोर्स कर्मियों को भी लाभ मिलेगा। 10 दिन की ड्यूटी पर उन्हें 2100 रुपये और 9 दिन की ड्यूटी पर कर्मियों को 1800 रुपये दिए जाएंगे।

होली में तीन स्पेशल ट्रेनें चलेंगी, दो दिल्ली के लिए

गोरखपुर। रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए तीन होली स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें सहरसा-आनंद विहार टर्मिनल, पूर्णिया कोर्ट-आनंद विहार टर्मिनल और गोमतीनगर-मालतीपाटपुर के बीच चलाई जाएंगी।05575 सहरसा-आनंद विहार टर्मिनल होली स्पेशल 11 मार्च को सहरसा से रात 8:00 बजे चलेगी। दूसरे दिन गोरखपुर से सुबह 09:50 बजे छूटकर आनंद विहार टर्मिनल देर रात 01:05 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 05576 आनंद विहार टर्मिनल-सहरसा होली स्पेशल 10 एवं 17 मार्च को आनंद विहार टर्मिनल से सुबह 05:15 बजे प्रस्थान कर गोरखपुर से शाम 7:40 बजे छूटकर दूसरे दिन सहरसा से सुबह 10:30 बजे पहुंचेगी।05579 पूर्णिया कोर्ट-आनंद विहार टर्मिनल होली स्पेशल 06 से 15 मार्च तक प्रत्येक मंगलवार, शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार को पूर्णिया कोर्ट से शाम 4:30 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन गोरखपुर से सुबह 09:50 बजे छूटकर आनंद विहार टर्मिनल देर रात 01:05 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 05580 आनंद विहार टर्मिनल-पूर्णिया कोर्ट होली स्पेशल 08 से 16 मार्च तक प्रत्येक रविवार, सोमवार, बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार को आनंद विहार टर्मिनल से सुबह 05:15 बजे चलकर गोरखपुर से शाम 7:40 बजे छूटकर दूसरे दिन पूर्णिया कोर्ट दोपहर 1:45 बजे पहुंचेगी। 05064 गोमतीनगर-मालतीपाटपुर साप्ताहिक होली स्पेशल 26 फरवरी से 26 मार्च तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को गोमतीनगर से शाम 6:55 बजे चलकर दूसरे दिन गोरखपुर से रात 12:15 बजे छूटकर मालतीपाटपुर देर रात 03:30 बजे पहुंचेगी।

प्रदेश में घोषित हुआ प्राइमरी स्कूलों की वार्षिक परीक्षा का कार्यक्रम,1.52 करोड़ विद्यार्थी देंगे इग्जाम

लखनऊ, एजेंसी। 1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों के 1.52 करोड़ विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाएं 16 मार्च से शुरू होंगी। इसका परिणाम 30 मार्च को अभिभावकों की उपस्थिति में जारी किया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, कक्षा एक से आठ तक की वार्षिक परीक्षाएं 16 से 20 मार्च के बीच आयोजित की जाएंगी। परीक्षा के लिए मॉडल प्रश्न पत्र जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा तैयार कराकर बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) को दिया जाएगा। बीएसए इसका मुद्रण कराकर विद्यालयों में वितरण कराएंगे। कक्षा एक की वार्षिक परीक्षा मौखिक होगी। कक्षा दो से पांच की परीक्षा लिखित व मौखिक दोनों माध्यम से होगी। दो व तीन में इसका अधिभार 50-50 फीसदी होगा।

वहीं, कक्षा चार व पांच में क्रमशः 70 व 30 का होगा। लिखित परीक्षा 50 नंबर की होगी। लिखित परीक्षा 2 घंटे की होगी जबकि मौखिक परीक्षा के लिए प्रधानाध्यापक आवश्यकतानुसार समय तय करेंगे। बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने निर्देश दिया है कि मूल्यांकन कार्य शुचितापूर्ण तरीके से कराते हुए 30 मार्च को परीक्षाफल घोषित किया जाएगा। रिपोर्ट कार्ड विद्यार्थियों को अभिभावकों की उपस्थिति में दिया जाएगा।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का बड़ा एक्शन : मोरटा में 33 बीघा में बस रही अवैध

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अनाधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को बरकरार रखते हुए आज एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। उपाध्यक्ष के कड़े निदेशों के बाद, प्रवर्तन जोन 01 की टीम ने ग्राम मोरटा और सिकरोड क्षेत्र में लगभग 33 बीघा जमीन पर काटी जा रही तीन अवैध कॉलोनियों को पूरी तरह जमींदोज कर दिया।

तीन अलग-अलग साइटों पर हुई कार्रवाई

प्राधिकरण की टीम सुबह ही भारी पुलिस बल के साथ मोरटा हमतुम रोड पहुंची। यहाँ कार्रवाई का मुख्य केंद्र तीन बड़े भूखंड रहे। सचिन चौधरी की कॉलोनीः लगभग 8 बीघा जमीन पर किए गए निर्माण को ढहाया गया। मनोज त्यागी व अन्यः यहाँ लगभग 20 बीघा के विशाल क्षेत्रफल में अवैध रूप से सड़कें और

बिजली के खंभे लगाए गए थे, जिन्हें उखाड़ फेंका गया। सनी शर्मा (सिकरोड): खेतान पब्लिक स्कूल के पास लगभग 5 बीघा में विकसित की जा रही कॉलोनी में सड़कों के साथ साथ विशेष रूप से निर्मित सीवर टैंक को भी ध्वस्त कर दिया गया।

विरोध के बीच गरजा बुलडोजर

ध्वस्तीकरण की इस कार्रवाई के दौरान कॉलोनाइजरों और उनके समर्थकों ने भारी विरोध प्रदर्शन किया और काम रोकने की कोशिश की। हालांकि, प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते और साथ मौजूद पुलिस बल की सख्ती के आगे उनकी एक न चली। देखते ही देखते अवैध रूप से बनाई गई सड़कें, बाउंड्रीवॉल, साइट ऑफिस और बिजली के खंभे मलबे में तब्दील हो गए।

अधिकारियों की मौजूदगी

इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व प्रभारी प्रवर्तन जोन 01 ने किया। मौके पर सहायक अभियंता, अवर अभियंता और प्रवर्तन जोन 1 का समस्त स्टाफ मुस्तैद रहा। प्राधिकरण के अधिकारियों ने साफ किया है कि बिना ले आउट पास कराए किसी भी प्रकार का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

चेतावनीः जीडीए ने आम जनता से भी अपील की है कि वे अपनी मेहनत की कमाई ऐसी अवैध कॉलोनियों में निवेश न करें। निवेश करने से पहले प्राधिकरण से ले आउट की सत्यता की जांच अवश्य कर लें।

आर्थक के बर्थडे पर हर्ष फायरिंग हुई थी..उसी पिस्टल से छात्रनेता के घर भी, पुलिस के रडार पर टॉप 24 दोस्त

गोरखपुर , एजेंसी। पुलिस का कहना है कि बर्थडे पार्टी के नाम पर समारोह में जमकर हंगामा हुआ था। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि युवक हाथों में पिस्टल लहराते हुए आर्थक के केक काटते ही कई राउंड फायरिंग कर रहे हैं। यह वीडियो अब पुलिस के लिए अहम साक्ष्य बन चुका है।

छात्रनेता उज्जवल यादव के घर पर हुई फायरिंग की घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस की जांच से पता चला है कि जिस पिस्टल से उज्जवल के घर पर गोलियां चलाई गईं, उसी से एक दिन पहले आर्थक के जन्मदिन समारोह में खुलेआम हर्ष फायरिंग की गई थी।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से पता चला है कि 20 फरवरी को हुई इस पार्टी में 24 से अधिक दोस्त शामिल हुए थे। पुलिस अब इस पार्टी में शामिल दोस्तों के बारे में जानकारियां जुटा रही है।

पुलिस का कहना है कि बर्थडे पार्टी के नाम पर समारोह में जमकर हंगामा हुआ था। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि युवक हाथों में पिस्टल लहराते हुए आर्थक के केक काटते ही कई राउंड फायरिंग कर रहे हैं। यह वीडियो अब पुलिस के लिए अहम साक्ष्य बन चुका है।

जांच में यह भी सामने आया है कि बर्थडे पार्टी में इस्तेमाल की गई पिस्टल ही छात्रनेता उज्जवल के घर पर दहशत फैलाने के लिए दोबारा निकाली गई। शनिवार देर रात हुई इस फायरिंग से मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। गोलियों की आवाज सुनकर लोग सहम गए और अपने-अपने घरों में दुबक गए। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम को छात्रनेता उज्जवल यादव के गेट के बाहर पिस्टल के आठ खाली खोखे मिले थे। इसे टीम ने अपने कब्जे में ले लिया था। उधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दोनों घटनाओं के वीडियो फुटेज कब्जे में लेकर तकनीकी जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल वीडियो की बारीकी से पड़ताल की जा रही है। बर्थडे पार्टी में मौजूद युवकों की पहचान की जा रही है और जल्द ही सभी के खिलाफ कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी है।

हिरासत में लिए गए दो संदिग्ध युवकों से पूछताछ-एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि आर्थक और उसके दो साथियों अनीश शुक्ला और विपिन को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब उनके आपराधिक रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि आर्थक और उसके कई साथी पहले भी आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे हैं। इसी आधार पर पुलिस उनके खिलाफ हिस्ट्रीशीट खोलने की तैयारी में जुटी है। पुलिस का कहना है कि अवैध हथियारों के प्रदर्शन और फायरिंग जैसे गंभीर अपराध किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

न्यूरो आईडीकॉन 2026: बच्चों में बढ़ते ब्रेन इंफेक्शन पर चिंता, आगरा में जुटेंगे देशभर के न्यूरो एक्सपर्ट

आगरा, एजेंसी। 28 फरवरी और 1 मार्च को आगरा में आयोजित न्यूरो आईडीकॉन 2026 में देशभर के विशेषज्ञ मेनिनजाइटिस, इंसेफेलाइटिस और सीएनएस टीबी जैसे मस्तिष्क संक्रमण पर चर्चा करेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य बच्चों में मृत्यु और स्थायी विकलांगता को कम करने की रणनीति तैयार करना है। बच्चों में बढ़ते मस्तिष्क संक्रमण को लेकर 28 फरवरी और 1 मार्च को दो दिवसीय न्यूरो आईडीकॉन 2026 आयोजित किया जाएगा। फतेहाबाद रोड स्थित होटल में देश भर के बाल रोग विशेषज्ञ और न्यूरोलॉजिस्ट मेनिनजाइटिस, इंसेफेलाइटिस व सीएनएस टीबी सहित अन्य न्यूरो-इन्फेक्शन के आधुनिक उपचार और रोकथाम पर चर्चा करेंगे।

मंगलवार को कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन किया गया। मुख्य आयोजन अध्यक्ष डॉ. राकेश भाटिया और आयोजन सचिव डॉ.

अरुण जैन ने बताया कि भारत में हर वर्ष लाखों बच्चे इन गंभीर बीमारियों से प्रभावित होते हैं और कई मामलों में मृत्यु या स्थायी विकलांगता का खतरा रहता है। न्यूरो आईडीकॉन में बच्चों में न्यूरो-इन्फेक्शन से होने वाली मृत्यु और स्थायी विकलांगता को कम करने के लिए रणनीति तैयार करना है।

इस दौरान डॉ. आरएन द्विवेदी, डॉ. राजेश्वर दयाल, डॉ. आरएन शर्मा, डॉ. प्रदीप चावला, डॉ. संजय सक्सेना, डॉ. राजीव कृषक, डॉ. संजीव अग्रवाल, डॉ. स्वाति द्विवेदी सहित चिकित्सक मौजूद रहे। सम्मेलन में आईएपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नीलम मोहन, अध्यक्ष निर्वाचित डॉ. सिंगारवेलू एम, राष्ट्रीय सचिव डॉ. रुचिरा माहेश्वरी गुप्ता सहित कई राष्ट्रीय पदाधिकारी शामिल होंगे।

न्यूरो-इन्फेक्शन पर वैज्ञानिक सत्र, विशेषज्ञों की पैनल चर्चा, केस-आधारित शिक्षण, शोध पत्र वाचन, कार्यशालाएं एवं आधुनिक उपचार पद्धतियों पर प्रस्तुति और टीकाकरण व रोकथाम रणनीतियों पर विशेष मंथन किया जाएगा।

शादी के दो दिन बाद ही विवाहिता की मौत, मां ने लगाया हत्या का आरोप, मातम में बदलीं खुशियां

गोरखपुर , एजेंसी। 22 फरवरी की शाम अचानक सीमा की तबीयत बिगड़ने की सूचना उसके मायके पक्ष को दी गई। ससुराल वालों ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही सीमा के माता-पिता अस्पताल पहुंचे। आरोप है कि वहां पहुंचने पर ससुराल पक्ष के लोग शव छोड़कर मौके से चले गए।

पीपीगंज थानाक्षेत्र में शादी की खुशियों के महज दो दिन बाद 21 वर्षीय नवविवाहिता सीमा की संदिग्ध हालात में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर मामले की जांच कर रही है।

पिपराइच थाना क्षेत्र के ग्राम सभा रत्नपुर निवासी कमल प्रभा देवी की बेटी सीमा का विवाह 20 फरवरी को पीपीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बढ़नी निवासी मनोज के साथ हुई। परिजनों ने बताया कि विवाह में सामर्थ्य अनुसार दान-दहेज दिया गया। 21 फरवरी को सीमा की विदाई हुई और वह अपने ससुराल बढ़नी पहुंची।

बताया जाता है कि 22 फरवरी की शाम अचानक सीमा की तबीयत बिगड़ने की सूचना उसके मायके पक्ष को दी गई। ससुराल वालों ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही सीमा के माता-पिता अस्पताल पहुंचे। आरोप है कि वहां पहुंचने पर ससुराल पक्ष के लोग शव छोड़कर मौके से चले गए।

मृतका की मां कमल प्रभा देवी ने पीपीगंज पुलिस को सूचना देते हुए आरोप लगाया कि विवाह के बाद से ही उनकी बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। इसी के चलते उनकी बेटी की हत्या की गई। उन्होंने ससुराल पक्ष के खिलाफ तहरीर देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की। सीओ कैंपियरगंज अनुराग सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चलेगा। फिलहाल तहरीर के आधार पर मामले की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गाजियाबाद : अवैध निमार्णों पर चला जीडीए का डंडा, विरोध के बीच कई इमारतें ध्वस्त व सील

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निमार्णों और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस की नीति को बरकरार रखते हुए गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। उपाध्यक्ष के कड़े निदेशों के अनुपालन में प्रवर्तन जोन 03 की टीम ने मोरटा इंडस्ट्रियल एरिया और मेरठ रोड सहित आसपास के इलाकों में अवैध रूप से किए जा रहे निमार्णों को जमींदोज कर दिया।

भारी विरोध के बावजूद झुका नहीं प्राधिकरण

प्रभारी प्रवर्तन जोन 03 के नेतृत्व में पहुंची टीम ने मोरटा इंडस्ट्रियल एरिया, मेरठ रोड और एनडीआरएफ सदरपुर रोड पर बालाजी एन्क्लेव के पास अवैध निमार्णों को चिन्हित कर कार्यवाही शुरू की। इस दौरान मौके पर मौजूद स्थानीय निर्माणकताओं और भू माफियाओं ने टीम का जमकर विरोध किया और काम रोकने की कोशिश की। हालांकि, प्राधिकरण के साथ मौजूद पुलिस बल ने स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया और अवरोध पैदा करने वालों को पीछे धकेलते हुए ध्वस्तीकरण और सीलिंग की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया।

इन क्षेत्रों में हुई मुख्य कार्यवाही

प्राधिकरण की टीम ने विशेष रूप से उन क्षेत्रों को निशाना बनाया जहाँ बिना नक्शा स्वीकृत कराए या नियमों को ताक पर रखकर निर्माण कार्य किया जा रहा था। मोरटा इंडस्ट्रियल एरियाः यहाँ कई अवैध ढांचों को बुलडोजर से ध्वस्त किया गया। मेरठ रोडः सड़क किनारे किए जा रहे

अतिक्रमण और अनाधिकृत निमार्णों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। बालाजी एन्क्लेवः (एनडीआरएफ रोड): यहाँ किए जा रहे अवैध विस्तार को सील कर दिया गया।

अधिकारियों की रही मौजूदगी

कार्यवाही के दौरान प्रवर्तन जोन के सहायक अभियंता, अवर अभियंता सहित सभी सुपरवाइजर और मेट मौजूद रहे। सुरक्षा की दृष्टि से स्थानीय पुलिस के साथ साथ प्राधिकरण का अपना पुलिस बल भी तैनात रहा, जिससे किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सका। जीडीए प्रशासन ने चेतावनी दी है कि शहर में बिना अनुमति के किए जा रहे किसी भी निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा और आने वाले दिनों में यह अभियान और भी तेज किया जाएगा।

पीयूष गोयल ने वैश्विक व्यापार और युवा शक्ति को भारत की विकास यात्रा की कुंजी बताया

- भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे

मुंबई ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने 38 देशों के थ नौ मुक्त व्यापार समझौते पूरे किए हैं।

इन समझौतों से भारतीय व्यवसायों को वैश्विक व्यापार के दो-तिहाई हिस्से तक प्राथमिकता के साथ पहुंच मिली है। गोयल ने कहा कि इससे भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे और भारत वैश्विक मूल्य शृंखलाओं से बेहतर जुड़ पाएगा। मुंबई में आयोजित ईवाय इंटरपेन्योर आफ द ईयर अवार्ड के 27वें संस्करण में संबो धित करते हुए बताया कि 'आत्मनिर्भर भारत' का अर्थ वैश्विक जुड़ाव के साथ मजबूत और भरोसेमंद आपूर्ति शृंखलाएं तैयार करना है। उन्होंने उद्योगपतियों और उद्यमियों से अपील की कि वे वैश्विक अवसरों को एमएसएमई, किसानों, निर्यातकों और मछुआरों तक पहुंचाएं। गोयल ने कहा कि भारत की युवा शक्ति और कुशल मानव संसाधन देश की विकास गाथा के केंद्र में हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों और उद्योग नेताओं से बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि जुनून, नवाचार और प्रतिभा भारत की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी ताकत हैं।

एआई पर उठ रही चिंताओं के संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा बल्कि बदल देगा। भारत हर साल लगभग 23 लाख एसटीईएम स्नातक तैयार करता है, जिससे युवाओं का बड़ा और अनुकूलनशील प्रतिभा भंडार तैयार है।

गोयल ने कहा कि एआई भारतीय व्यवसायों के लिए नए अवसर, मूल्यवर्धित काम, मजबूत निर्यात और वैश्विक एकीकरण लाएगा। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और सिस्टम गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी। कार्यक्रम में उन्होंने देशभर के प्रमुख उद्यमियों और स्टार्टअप संस्थापकों को पुरस्कार वितरित किए और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने के लिए सहयोग की अपील की।

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में आएगी टाटा सिएरा ईवी

नई दिल्ली।

फ्यूचरिस्टिक एसयूवी टाटा सिएरा ईवी वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बाजार में आएगी। इससे पहले टाटा केवल इतना संकेत देती रही थी कि सिएरा ईवी अगले साल कभी भी लॉन्च हो सकती है, लेकिन अब पहली बार इसकी लॉन्चिंग को लेकर स्पष्ट समयरेखा सामने आ गई है। फिलहाल कंपनी ने सिएरा ईवी के आधिकारिक स्पेसिफिकेशन्स को गोपनीय रखा है और सिर्फ कुछ स्पाई शॉट्स ही सार्वजनिक हुए हैं। ऑटो सेक्टर की रिपोर्टों के अनुसार इसका प्लेटफॉर्म, पावरट्रेन और कई तकनीकी तत्व कर्व ईवी के साथ साझा किए जा सकते हैं, हालांकि फीचर्स, स्पेस और प्रीमियम अपील के मामले में सिएरा को कर्व ईवी से ऊपर पोजिशन किया जाएगा। इंडस्ट्री विशेषज्ञ मान रहे हैं कि नई पंच ईवी की एडवांस्ड बैटरी टेक्नोलॉजी को देखते हुए, सिएरा ईवी में भी बड़ा बैटरी पैक और बेहतर रियल-वर्ल्ड रेंज मिलने की पूरी संभावना है, जिससे यह मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में मजबूत दावेदार बन सकती है। सिएरा ईवी भारत में टाटा की सातवीं इलेक्ट्रिक कार होगी, जिससे कंपनी का ईवी पोर्टफोलियो और अधिक व्यापक हो जाएगा। टाटा पहले ही देश में सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं में शामिल है, और सिएरा ईवी उसके इलेक्ट्रिक बदलाव को नई दिशा दे सकती है।

इंटीरियर की बात करें तो इसमें ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप मिलने की उम्मीद है, जिसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, बड़ा इंफोटेनमेंट डिस्प्ले और पैसेंजर के लिए अलग स्क्रीन शामिल होगी। बेस मॉडल से ही इसे फीचर-रिच बनाने की योजना है। उच्च वेरिएंट्स में लेवल-2 अडास, कनेक्टेड कार फीचर्स, ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, पावर्ड सीट्स, एम्बिएंट लाइटिंग और प्रीमियम ऑडियो सिस्टम जैसे एडवांस फीचर्स मिलने की उम्मीद है। पैनोरमिक ग्लास रूफ और उच्च गुणवत्ता वाले इंटीरियर मटीरियल इसे और प्रीमियम बनाएंगे। एक्सटीरियर में भी ईवी-स्पेसिफिक अपग्रेड देखने को मिलेंगे, जैसे क्लोज्ड फ्रंट डिज़ाइन, फुल-विड्थ एलईडी डीआरएल, स्प्लिट हेडलैंप, स्क्रायर्ड व्हील आर्च और कनेक्टेड एलईडी टेललैंप्स।

मारुति सुजुकी जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मारुति सुजुकी जिम्नी ऑफ-रोड एसयूवी ने अपनी पहचान मजबूती से स्थापित कर ली है। मारुति सुजुकी ने जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की है, जिससे यह मॉडल एक बार फिर वैश्विक चर्चा का केंद्र बन गया है। ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, जहां पिछले साल केवल 1,958 यूनिट्स निर्यात किए गए थे, वहीं इस साल यह आंकड़ा बढ़कर 7,970 यूनिट्स तक पहुंच गया है, जो किसी भी मॉडल के लिए बेहद बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। जिम्नी की अंतरराष्ट्रीय सफलता के पीछे इसकी अनोखी खूबियां हैं। कॉम्पैक्ट लेकिन दमदार डिजाइन, 4गुणा4 ऑफ-रोड क्षमता, हल्की बॉडी और भरोसेमंद परफॉर्मेंस इसे एडवेंचर पसंद करने वालों की पहली पसंद बनाते हैं। कई देशों में कॉम्पैक्ट और हार्डकोर ऑफ-रोड एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है, और जिम्नी इस कमी को पूरी तरह पूरा कर रही है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड भारत में जिम्नी का निर्माण कर उसे लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और अन्य वैश्विक बाजारों में निर्यात कर रही है।

इससे भारत सुजुकी के लिए एक बड़े मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट हब के रूप में उभरा है, जहां तैयार होने वाले मॉडल विदेशी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। हालांकि, घरेलू बाजार में जिम्नी की बिक्री उतनी मजबूत नहीं है। भारत में एसयूवी सेगमेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा है, जहां ग्राहक अधिक फीचर्स, ज्यादा स्पेस और बेहतर वैल्यू की उम्मीद करते हैं। जिम्नी की ऑफ-रोड क्षमता उसकी सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन रोजमर्रा की शहरी जरूरतों के हिसाब से कई खरीदार अन्य विकल्पों की ओर रुख कर लेते हैं। इसके बावजूद, एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की छलांग यह साफ संकेत देती है कि जिम्नी का ग्लोबल क्रेज अभी भी बरकरार है।

सरकारी खर्च से पावर सेक्टर में तेजी, निजी उद्योग अब भी सुस्त

- मजबूत ऑर्डर बुक और बढ़ते मार्जिन पर ब्रोकरेज का बड़ा दांव

नई दिल्ली ।

देश में पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) की रफ्तार इस समय दो अलग तस्वीरें पेश कर रही है। एक ओर पावर ट्रांसमिशन से जुड़ी हाई वोल्टेज कंपनियां रिकॉर्ड प्रदर्शन कर रही हैं, वहीं गैर-विद्युत औद्योगिक कंपनियों की चाल अब भी धीमी बनी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रांसमिशन और वितरण कंपनियों के नए ऑर्डर में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बिक्री 39 प्रतिशत बढ़ी है। इन कंपनियों का मुनाफा मार्जिन बढ़कर 20.3 प्रतिशत पर पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष से 5.4 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने 2022 से 2032 के बीच ट्रांसमिशन क्षेत्र में 9.15 लाख करोड़ रुपये निवेश की योजना बनाई है।

इसके तहत 8 से 10 बड़े हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। तीन कॉरिडोर के लिए उपकरणों का काम पहले ही तय हो चुका है। अनुमान है कि 2027 से नए ऑर्डर में और तेजी आएगी तथा 2030 तक मांग मजबूत बनी रह सकती है। वित्त वर्ष 2027 के बजट में 12.2 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च का प्रावधान किया गया है, जो पहले के अनुमान से 12 प्रतिशत अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार फैक्टरियों की क्षमता उपयोग दर 77.7 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो निजी निवेश के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है। हालांकि गैर-बिजली औद्योगिक कंपनियों की बिक्री में सिर्फ 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और उनका मुनाफा मार्जिन घटकर 11.7 प्रतिशत रह गया है। नए ऑर्डर में 26 प्रतिशत की बढ़त जरूर दर्ज की गई है, जो धातु, तेल-गैस, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों से आई है। इसके बावजूद पारंपरिक औद्योगिक निवेश में व्यापक तेजी अभी बाकी है।

भारत में पर्यटन उद्योग में तेजी, भविष्य में बनेगा वैश्विक खिलाड़ी

हर साल हो रही हैं 303 करोड़ घरेलू यात्राएं, पर्यटकों के लिए कम पड़ रहे हैं होटल

नई दिल्ली । भारत में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है और यह अब केवल सेक्टर नहीं, बल्कि पूरी इंडस्ट्री बन चुकी है। विदेशी और घरेलू दोनों तरह के पर्यटन में वृद्धि हो रही है, जिससे होटलों की मांग बढ़ रही है और उनकी कीमतें भी महंगी होती जा रही हैं। वर्तमान में पर्यटन उद्योग का भारत के जीडीपी में योगदान 5 फीसदी है, जबकि 2047 तक यह 10 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। इसी अवधि में केवल पर्यटन इंडस्ट्री में 200 मिलियन रोजगार मिलने की संभावना है। दिल्ली के द्वारका में आयोजित एसएटीटीई 2026 (साउथ ऐ शिया ट्रेवल एंड ट्रू रिज्म एक्सचेंज) में 60 से अधिक देशों के 2000 से अधिक प्रदर्शक और 3200 से अधिक ब्रांड हिस्सा ले रहे हैं। इस साल की थीम थी एन ओव्र्ड्यें निटी काल इं डिया आयोजन में अजीत बजाज, अध्यक्ष, एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और पद्मश्री पुरस्कार विजेता ने पर्यटन के तेजी से बढ़ते क्षेत्र की जानकारी दी। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत आने वाले समय में वैश्विक पर्यटन का सबसे बड़ा खिलाड़ी बनेगा। इन्फॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया के एक अे धिकारी के अनुसार भारत का पर्यटन क्षेत्र 'ट्रिपल इंजन ग्रोथ' पर बढ़ रहा है- घरेलू, आउटबाउंड और इनबाउंड। हर साल देश में 303 करोड़ से अधिक घरेलू यात्राएं हो रही हैं, और भारतीयों का विदेश यात्रा खर्च 42 अरब डॉलर तक

पहुँचने का अनुमान है। अनुभव आधारित, आध्यात्मिक और क्षेत्रीय पर्यटन के कारण टियर-2 और टियर-3 शहरों में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि भारत का पर्यटन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों में निहित है। यात्रियों को आज अनुभव और जुड़ाव चाहिए और भारत इसे सबसे बेहतर रूप में प्रदान करता है। 2027 तक भारत का ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर 125 अरब डॉलर के घरेलू बाजार की ओर बढ़ रहा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में दो पैसे की बढ़त के साथ ही 90.91 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.85 पर खुला। डॉलर के कमजोर रुख और विदेशी निवेशकों के निवेश में वृद्धि से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सत्र की सकारात्मक शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा को और मजबूती प्रदान की जबकि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि तथा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने रुपये की तेज बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 90.86 पर खुला। फिर 90.85 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को सीमित दायरे में कारोबार करते हुए चार पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.57 पर रहा।

डाकघर की मंथली इनकम स्कीमः सुरक्षित निवेश और नियमित आमदनी का भरोसेमंद जरिया

नई दिल्ली । भारतीय डाकघर द्वारा संचालित मंथली इनकम स्कीम (एमआईएस) एक ऐसा निवेश विकल्प है जिसमें आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है। यह योजना केंद्र सरकार की गारंटी के साथ आती है, इसलिए निवेशकों को जोखिम की चिंता नहीं रहती। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत है कि आपको बार-बार पैसे जमा करने की आवश्यकता नहीं। एक बार राशि जमा करने के बाद आप अगले 5 सालों तक मासिक आमदनी का लाभ ले सकते हैं। वर्तमान में पोस्ट ऑफिस इस योजना पर 7.4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर ऑफर कर रहा है। एमआईएस खाते को आप सिंगल या जॉइंट अकाउंट के रूप में खोल सकते हैं। सिंगल अकाउंट में न्यूनतम 1000 रुपये, अधिकतम 9 लाख रुपये। जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये, जिसमें 3 सदस्य शामिल हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप और आपकी पत्नी मिलकर 15 लाख रुपये का निवेश करते हैं, तो मासिक ब्याज 9250 रुपये सीधे आपके बचत खाते में ट्रांसफर होगा।

लाभ और सुविधा

- मासिक आमदनी- ब्याज सीधे बैंक खाते में जाता है।
- 5 साल की अवधि- मैच्योरिटी पर मूल निवेश राशि वापस मिलती है।
- सरल प्रक्रिया- खाता खोलने और ब्याज प्राप्त करने के लिए पोस्ट ऑफिस में सेविंग्स अकाउंट होना अनिवार्य है।

भारतीय रेलवे 1 मार्च से बंद कर रहा यूटीएस ऐप, रेलवन ऐप बनेगा नया विकल्प

- बदल जाएगा ऑनलाइन अनारक्षित टिकट बुक करने का तरीका

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने घोषणा की है कि यूटीएस ऐप (अने रिजर्वड टिकटिंग सिस्टम) को 1 मार्च से बंद कर दिया जाएगा। वर्तमान में यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म पास और सीजन टिकट बुक करने की सुविधा देता है। यूटीएस ऐप बंद होने के बाद यात्री इन सेवाओं के लिए इसे इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। रेलवे ने इसके स्थान पर रेलवन ऐप लॉन्च किया है। यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित और रिजर्वेशन टिकट, प्लेटफॉर्म पास, सीजन टिकट और अन्य रेलवे सेवाओं का उपयोग एक ही प्लेटफॉर्म से करने की सुविधा देता है। रेलवन ऐप का इंटरफ़ेस सरल और यूज़र फ्रेंडली है, जिससे नए और मौजूदा दोनों तरह के यात्री इसका लाभ उठा सकते हैं। यात्रियों को नया अकाउंट बनाने की आवश्यकता नहीं है। यूटीएस और आईआरसीटीसी लॉगिन की मदद से सीधे साइनअप किया जा सकता है। ऐप दोनों एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और इसे निशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। भारतीय रेलवे यात्रियों को कैशलेस यात्रा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रेलवन ऐप से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर 3 फीसदी की छूट दे रहा है। यह ऑफ़र 14 जनवरी से 14 जुलाई तक मान्य है। यात्री यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और डिजिटल वॉलेट के जरिए इसका लाभ ले सकते हैं।

भारतीय शेयर बाजार में मिला-जुला कारोबार

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को मिला-जुला कारोबार हुआ। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी होने के कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 27.46 अंक टूटकर 82,248.61 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 14 .05 अंक की हल्की बढ़त के साथ 25,496.55 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान डिफेंस और हेल्थकेयर शेयरों से बाजार को सहारा मिला। निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.48 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर 1.24 फीसदी बढ़कर की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, निफ्टी फार्मा 1.08 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.95 फीसदी, निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.87 फीसदी, निफ्टी ऑटो 0.80 फीसदी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 0.78 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.39 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.32 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ।

निफ्टी मीडिया 0.68 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.16 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.11 फीसदी और निफ्टी सर्विसेज 0.06 फीसदी की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी मिला-जुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 392.05 अंक की तेजी के साथ 59,798.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स एक अंक की हल्की कमजोरी के साथ 17,117.65 पर था।

सेंसेक्स पैक के शेयरों में बीईएल, अदाणी पोर्ट्स, सनफार्मा, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, एसबीआई, टीसीएस, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, टाइटन और टेक महिंद्रा के शेयर लाभ में रहे।

ट्रेंट, पावरग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, टीएंडटी, एचसीएल टेक और एमएंडएम के शेयर नुकसान में रहे।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 82,418 के स्तर पर खुला। वहीं इसी तरह निफ्टी 50 ने भी 25,556 के स्तर पर शुरुआत की। शुरुआती मिनटों में यह 30.15 अंक की बढ़त लेकर 25,512.65 पर कारोबार करता दिखाई दिया।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बावजूद निवेशक फिलहाल सावधानी बरत रहे हैं। बीच-बीच में मुनाफावसूली भी देखी जा रही है, जिससे बढ़त सीमित बनी हुई है।

नीलामी में उपलब्ध 11,790 मेगाहर्ट्ज दूरसंचार स्पेक्ट्रम का मूल्य 2.1 लाख करोड़

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने 11,790 मेगाहर्ट्ज रेडियो तरंगों के स्पेक्ट्रम की नीलामी की सिफारिश की है। सूत्रों के अनुसार, यदि संपूर्ण स्पेक्ट्रम आवंटित किया जाता है, तो इसका कुल आधार या आरक्षित मूल्य लगभग 2.1 लाख करोड़ रुपये होगा। यह मूल्य 2022 में अनुशंसित कीमतों की तुलना में 19 प्रतिशत कम है। ट्राई ने नीलामी की सिफारिश नई कंपनियों के प्रवेश को आसान बनाने और दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए की है। इससे बाजार में संतुलन बनेगा और छोटे या नए खिलाड़ियों के लिए अवसर बढ़ेंगे। नियमों में यह भी प्रस्तावित किया गया है कि हर कंपनी अधिकतम 35 प्रतिशत स्पेक्ट्रम रख सकती है। इस सीमा का उद्देश्य किसी एक कंपनी के पास अत्यधिक स्पेक्ट्रम होने से रोकना और प्रतिस्पर्धी वातावरण बनाए रखना है।

सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स का 1,087 करोड़ का आईपीओ 4 मार्च को खुलेगा

- आईपीओ का मूल्य दायरा 1287-1352 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली । पावरट्रेन कंट्रोल और मोटर वाहन कलपुर्जे बनाने वाली सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स लिमिटेड का 1,087 करोड़ रुपए का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 4 मार्च को खुल रहा है और 6 मार्च 2026 को बंद होगा। आईपीओ के लिए तय किया गया मूल्य दायरा 1,287 से 1,352 रुपए प्रति शेयर है। इस आधार पर कंपनी का ऊपरी सीमा पर मूल्यांकन लगभग 6,000 करोड़ है। एंकर निवेशक 2 मार्च से बोली लगा पाएंगे। आईपीओ में कोई नया निर्गम नहीं है। यह पूरी तरह ओएफएस पर आधारित है। सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स दोपहिया और तिपहिया आंतरिक दहन इंजन वाहनों के लिए सेंसर-लेस कम्प्यूटेशन आधारित 'इंटीग्रेटेड स्टार्टर जनरेटर ईसीयू' का विकास, डिजाइन और निर्माण करती है। इसके प्रमुख ग्राहक टीवीएस मोटर कंपनी, बजाज ऑटो, किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स, ब्रिग्स एंड स्ट्रैटन एलएलसी और डीईआईएफ इंडिया हैं। कंपनी का शेयर 11 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध हो सकता है। निवेशक इस अवसर के माध्यम से मौजूदा शेयरधारकों से शेयर खरीद सकेंगे।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में वृद्धि, बेरोजगारी में कमी की उम्मीदः आईएमएफ रिपोर्ट

- बेरोजगारी दर 2025 में 4.5 से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रहने की संभावना

वॉशिंगटन ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था का 2026 तक का आकलन पेश किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2026 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत बढ़ सकता है, जो 2025 के 2.2 प्रतिशत से अधिक है। आईएमएफ ने अर्थव्यवस्था की वृद्धि को मोटे तौर पर सकारात्मक बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बेरोजगारी दर 2025 के अंत में 4.5 प्रतिशत से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रह सकती है। आईएमएफ ने कहा कि रोजगार बाजार में अत्यधिक गिरावट न आए तो फेडरल रिजर्व को ब्याज दर में और कटौती से बचना चाहिए। महंगाई दर 2027 तक अमेरिकी केंद्रीय बैंक के 2 प्रतिशत के लक्ष्य तक आ सकती है। फेडरल रिजर्व की मौजूदा रेपो दर 3.6 प्रतिशत है, जिसे घटाकर लगभग 3.4 प्रतिशत किया जा सकता है। 2025 में नीतिगत ब्याज दर में तीन बार कटौती की गई थी। आईएमएफ ने अमेरिकी संघीय सरकार के बढ़ते कर्ज पर चिंता जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सार्वजनिक कर्ज जीडीपी के अनुपात में 2025 के लगभग 100 प्रतिशत से बढ़कर 2031 तक 110 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यह आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यदि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए आयात शुल्क नहीं होते, तो

अमेरिकी अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। संरक्षणवादी नीतियां अपेक्षा से अधिक नकारात्मक असर डाल सकती हैं। हालांकि, अमेरिका को मजबूत उत्पादकता वृद्धि का लाभ मिला है। आईएमएफ के अनुसार, अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2026 में बढ़ेगी, बेरोजगारी घटेगी और महंगाई नियंत्रित रहेगी, लेकिन बढ़ता सरकारी कर्ज और संरक्षणवादी नीतियां आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम बन सकती हैं।

आरबीआई 25,000 करोड़ के बॉन्ड की दो मार्च को करेगा अदला-बदली नीलामी

मुंबई ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने दो मार्च को 25,000 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड की अदला-बदली नीलामी करने की घोषणा की। अदला-बदली नीलामी के तहत सरकार जल्द परिपक्व होने वाले बॉन्ड को लंबी अवधि वाले नए बॉन्ड में बदलती है। इससे एक ही वित्तीय वर्ष में बड़ी रकम चुकाने का दबाव कम होता है और भुगतान की समय-सीमा आगे बढ़ती है। आरबीआई के अनुसार नीलामी सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे तक होगी। नतीजे उसी दिन जारी किए जाएंगे और लेन-देन का निपटान 4 मार्च को किया जाएगा। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 में कुल 5.47 लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड परिपक्व होने वाले हैं। इस कदम का उद्देश्य उस वर्ष संभावित भुगतान दबाव को कम करना है और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है। इससे पहले इस महीने दो स्विच नीलामियां हो चुकी हैं, जिनमें कुल 84,804 करोड़ रुपये के बॉन्ड का लेन-देन हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार यह रणनीति सरकार को ऋण प्रबंधन में आसानी देती है और बाजार पर अचानक बोझ को कम करती है।

मियोमिर केकमानोविच ने ज्वेरेव को चौंकाया, मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचे

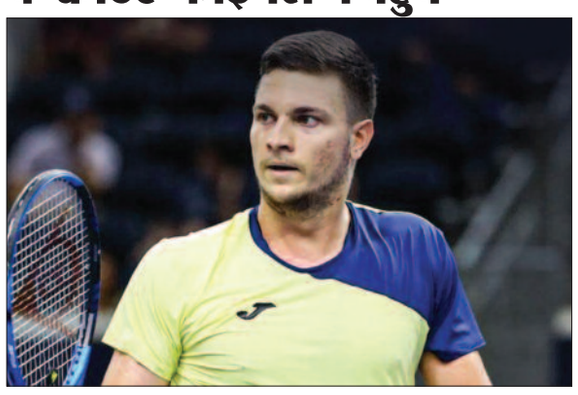

अकापुल्को (मेक्सिको) (एजेंसी)। मियोमिर केकमानोविच ने दुनिया के नंबर 4 अलेक्जेंडर ज्वेरेव को तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में चौंका दिया और अपनी पहली टॉप 5 जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही वह मेक्सिको के अकापुल्को में एबिएर्तो मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए। दुनिया में 84वें नंबर पर काबिज 26 साल के सर्बियाई खिलाड़ी ने ढाई घंटे से ज़्यादा चले कड़े मुकाबले में 2021 के चैंपियन को 6-3, 6-7(3), 7-6(4) से हराया।

केमानोविच, जो टॉप 5 विरोधियों के खिलाफ अपने पिछले सभी 11 मैच हार चुके थे, ने अपने करियर के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक दिया, और यादगार जीत पक्की करने के लिए निर्णायक टाई-ब्रेक में अपना धैर्य बनाए रखा। मैच के बाद केकमानोविच ने कहा, 'यह बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि पिछले कुछ साल मुश्किल रहे हैं। इसलिए मैं खुश हूं कि आखिरकार कुछ चीजें मेरे हिसाब से हो रही हैं।'

उन्होंने खास मौकों पर अग्रेसिव तरीके से खेला और असरदार सर्व किया, जबकि ज्वेरेव अपने बैकहैंड पर कंसिस्टेंसी के लिए जूझते रहे, उन्होंने 17 अनफोर्स्ड गलतियां कीं, जबकि केकमानोविच ने छह गलतियां कीं। इस जीत के साथ, केकमानोविच ने जर्मन खिलाड़ी के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-2 से बराबर कर लिया और एटीपी 500 इवेंट के आखिरी आठ में पहुंच गए, जहां उनका सामना फ्रांस के टेरेंस एटमाने से होगा, जिन्होंने राफेल जोडार को 6-2, 4-6, 6-1 से हराया।

दूसरे मैचों में पांचवीं सीड फ्लेवियो कोबोली ने डालिबोर स्वर्सिना को 6-4, 6-4 से हराया और अब उनका अगला मैच चीन के वू यिबिंग से होगा जिन्होंने जापान के शो शिमाबुकुरो को 6-3, 7-6(4) से हराया। इस बीच अमेरिकन ब्रैंडन नाकाशिमा ने अपने ही देश के पैट्रिक किप्सन को 6-4, 6-4 से हराकर अपनी 100वीं टूर-लेवल हार्ड-कोर्ट जीत दर्ज की। किप्सन ने इससे पहले पिछले राउंड में दूसरे सीड एलेक्स डी मिनौर को चौंका दिया था।

इंग्लैड-न्यूजीलैंड मैच पर टिकीं पाकिस्तान की संभावनाएं

कोलंबो । न्यूजीलैंड की श्रीलंका के खिलाफ जीत से न केवल सह मेजबान श्रीलंकाई टीम आईसीसी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल से बाहर हो गयी है बल्कि इससे पाकिस्तान की संभावनाएं भी घटी हैं। न्यूजीलैंड की टीम अब प्लस 3.050 के रन रेट से अंक तालिका में काफी आगे बढ़ गयी है। ऐसे में पाक टीम के सेमीफाइनल की संभावनाएं अब दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर हो गयी है। पाक टीम अब उम्मीद करेगी कि हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली इंग्लैंड की टीम शुक्रवार को होने वाले मुकाबले में न्यूजीलैंड को हरा दे। इस मुकाबले में अगर इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को हरा देती है, तो पाकिस्तान के पास अपने अंतिम मैच में श्रीलंका को बड़े अंतर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने का अवसर रहेगा। इस दौरान पाक टीम चाहेगी कि न्यूजीलैंड की हार और उनकी अपनी जीत का अंतर इतना बड़ा हो कि वह न्यूजीलैंड का नेट रन रेट (प्लस 3.050 को पीछे छोड़ सके। पाक टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि इंग्लैंड के खिलाफ उसे बड़ी हार नहीं मिली थी। ऐसे में उसका नेट रन रेट अभी भी अच्छा बना हुआ है।

टी20 विश्वकप सुपर-8 : दक्षिण अफ्रीका का अजेय अभियान जारी, वेस्टइंडीज को रौंदकर सेमीफाइनल में मारी एंट्री

अहमदाबाद (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडेन मारक्रम (नाबाद 82 रन) के अर्धशतक के साथ उनकी दो साझेदारियों से बृहस्पतिवार को यहां सुपर आठ के मैच में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखते हुए आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजी में भी कमाल किया। टीम ने अपनी बेहतरीन रणनीति की बदौलत जीत की लय जारी रखी।

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए

यह उनकी लगातार छठी जीत थी जिससे उन्होंने टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज के अजेय क्रम पर लगाम लगाई। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए जिससे मेजबान भारत की अब क्वालीफिकेशन की उम्मीदें मजबूत हो गई हैं। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार से भारत की उम्मीदों को झटका लगा था। इस हार से कैरेबियाई टीम के नेट रन रेट पर असर पड़ा जो 5.350 से घटकर 1.791 हो गया।

दक्षिण अफ्रीका की सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की की

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने पहले दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरा जिसने निचले क्रम के बल्लेबाज रोमारियो शेफर्ड (नाबाद 52) और जेसन होल्डर (49) के बीच रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत वापसी करते हुए आठ विकेट पर 176 रन बनाए। फिर दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान मारक्रम (46 गेंद, सात चौके, चार छक्के) के अर्धशतक और क्विंटन डिकॉक (47 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 7.5 ओवर में 95 रन की भागीदारी और रेयान रिकलटन (नाबाद 45 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 गेंद में 82 रन की अटूट साझेदारी से 16.1 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले के छह ओवर में 69 रन बनाकर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को दबाव में ला दिया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने नियंत्रण बनाए रखा। मारक्रम और डिकॉक ने तेज गेंदबाजों और स्पिनर दोनों पर आराम से रन जुटाकर शानदार साझेदारी की। डिकॉक ने 24 गेंद की अपनी पारी में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। लेकिन वह लांग ऑन पर जेसन होल्डर को कैच देकर आउट हो गए। मारक्रम ने गुडाकेश मोती की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। रिकलटन क्रीज पर उतरे और उन्होंने मारक्रम का अच्छा साथ निभाया। मारक्रम ने जेसन होल्डर की गेंद पर सीधा चौका लगाकर मैच स्टाइल से खत्म किया। इससे पहले पिछले मैच में जिम्बाब्वे पर शानदार जीत दर्ज करने वाली वेस्टइंडीज ने सात ओवर के अंदर 60 रन में पांच विकेट गंवा दिए थे।

इसमें दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा (22 रन देकर दो विकेट) और लुंगी एनगिडी (30 रन देकर तीन विकेट) ने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय सात विकेट पर 83 रन था लेकिन शेफर्ड (37 गेंद, तीन चौके, चार छक्के) और होल्डर (31 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) ने मिलकर आठवें विकेट के लिए 57 गेंद में 89 रन की रिकॉर्ड साझेदारी करके टीम को इस स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने स्पिनर केशव महाराज से शुरूआत कराई लेकिन कप्तान शाई होप (16) ने शुरू में ही जोश दिखाते हुए दो छक्के और एक चौका लगा दिया। दूसरे छोर पर ब्रैंडन किंग (21 रन) ने मार्को यानसेन के बाउंड्री लगाई जिससे वेस्टइंडीज ने दो ओवर में 29 रन बना लिए। पर इसके बाद शीर्ष क्रम के चरमराने के सिलसिला शुरू हुआ। रबाडा ने होप को कैच आउट कराया।

फिर शिमरोन हेटमायर (02) भी आउट हो सकते थे लेकिन कॉर्बिन बॉश ने मिड-ऑन पर उनका कैच छोड़ दिया। हालांकि रबाडा ने तीन गेंद बाद हेटमायर को पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद फॉर्म में चल रहे एनगिडी ने चौथे ओवर में दोहरा झटका दिया। किंग ने उन पर लगातार दो चौके लगाने के बाद कैच आउट हो गए। फिर दो गेंद बाद एनगिडी ने रोस्टन चेस (02) के स्टंप उखाड़ दिए। इस तरह वेस्टइंडीज ने 10 गेंद के अंदर चार विकेट खो दिए थे और चार ओवर के बाद उनका स्कोर चार विकेट पर 44 रन था। शेरफाने रदरफोर्ड (12) ने थोड़ी कोशिश की और बॉश की गेंद पर मिडविकेट के ऊपर से एक लंबा छक्का लगाया लेकिन अगली ही गेंद पर विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक को कैच देकर आउट हो गए।

एनगिडी ने तीसरा विकेट रोवमैन पॉवेल (09) के रूप में लिया जिससे वेस्टइंडीज ने 71 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। मैथ्यू फोर्ड (11) एक छक्का लगाने के तुरंत बाद बॉश का दूसरा शिकार बने। फिर लग रहा था कि वेस्टइंडीज की टीम जल्द ही सिमट जाएगी, होल्डर और शेफर्ड ने टीम को संभाला। होल्डर ने अंत में यानसेन के एक ओवर में 22 रन बनाए। लेकिन वह अंतिम ओवर की दूसरी गेंद पर रन आउट हो गए।

टी20 विश्वकप सेमीफाइनल से अब कौन सी टीम बाहर होगी ?

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 विश्वकप सुपर-8 से अब तक एक टीम श्रीलंका बाहर हो गयी है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। वहीं अब एक और टीम का बाहर होना तय है। ये मुकाबला मैच ग्रुप-1 में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम के प्रशंसक वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की जीत चाहेंगे क्योंकि इससे भारतीय टीम के सेमीफाइनल की उम्मीदें बनी रहेंगी।

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज, दोनों का रनरेट बहुत अच्छा है। ऐसे में इस मुकाबले की विजेता टीम के पास सेमीफाइनल में पहुंचने का अच्छा अवसर है।

ग्रुप-1 की अंकतालिका पर नजर डालें तो चारों टीमों ने अपना एक-एक सुपर 8 मैच खेल लिया है। वेस्टइंडीज दो अंक और सबसे बेहतर रनरेट प्लस 5.350) के साथ नंबर-1 पर बनी हुई है। उसने जिम्बाब्वे को 107 रनों से हराया था। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका की टीम के भी दो अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका का रनरेट प्लस 3.800 है। भारत के खिलाफ जीत के साथ ही उसे दो अंक मिले थे। वहीं भारत और जिम्बाब्वे को टीमें अपना-अपना पहला सुपर 8 मैच हारकर तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। भारत का रनरेट -3.800 है, जबकि जिम्बाब्वे का रनरेट -5.350 है। भारत और जिम्बाब्वे के मुकाबले में हारने वाली टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में वापसी करने को तैयार हरमनप्रीत

होबर्ट (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुरुवार को यहां दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के साथ वापसी करने उतरेगी। भारतीय टीम को पहले एकदिवसीय में 6 विके से हार का सामना करना पड़ा था ऐसे में मेजबान टीम तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे है। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर भी फिट हो गयी हैं। हरमनप्रीत को पहले एकदिवसीय में चोट लग गयी थी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा है कि हरमनप्रीत अब ठीक है और खेलने जा रही हैं। पहले एकदिवसीय में बल्लेबाजी के दौरान घुटने में चोट लगने से हरमनप्रीत मैदान पर नहीं लौट पाई थीं, जिससे टीम की चिंताएं बढ़ गई थीं।

वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कहा गया है कि हरमनप्रीत को बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी थी और मेडिकल स्टाफ उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। कप्तान के नहीं होने से उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली। वहीं अब अब कप्तान की वापसी से प्रबंधन को भी राहत मिली है।

पहले मुकाबले में भारतीय टीम 48.3 ओवर में 214 रन ही बना पायी थी जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट शेष रहते 38.2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली थी। अब भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा।

दीप्ति ने कहा कि टीम ने पहले एकदिवसीय में अच्छा प्रदर्शन किया था हालांकि टीम जीत हासिल करने में सफल नहीं रही। उन्होंने कहा कि टीम दूसरे मुकाबले में और प्रयास करेगी। साथ ही कहा कि टीम अपनी पिछली गलतियों से उबरकर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज से पहले शानदार प्रदर्शन कर टी20 सीरीज जीती थी और उसी प्रदर्शन से टीम प्रेरित होकर उतरेगी। भारतीय टीम जानती है कि ऑस्ट्रेलिया जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ निरंतरता बनाए रखना उसके लिए आसान नहीं रहेगा।

विनीसियस के गोल से रियाल मैड्रिड बेनफिका को हराकर अंतिम 16 में पहुंची

मैड्रिड । विनीसियस जूनियर के गोल से रियाल मैड्रिड की टीम बेनफिका को 2-1 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल के अंतिम 16 में पहुंच गयी है। दूसरे चरण के इस मुकाबले में रियाल जीत के साथ ही अब 3-1 से आगे हो गयी है। उसने पहला चरण भी 1-0 से जीता था। दूसरे चरण में बेनफिका की ओर से 14वें मिनट में राफा सिल्वा ने गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं दो मिनट बाद ही ऑरेलियन चोउमेनी ने एक गोल कर रियाल को बढ़त दिला दी। मैच के 80वें मिनट में विनीसियस जूनियर ने एक गोल कर स्कोर 2-। कर दिया। वहीं एक अन्य मुकाबले में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने मोनाको को 3-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। दोनों टीमों के बीच दूसरा चरण 2-2 से बराबरी पर रहा, हालांकि पहले चरण में मिली बढ़त से पीएसजी को लाभ हुआ। एक अन्य मुकाबले में इटली की अटलांटा ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को दूसरे चरण में 4-1 से हराया। इस जीत के साथ ही अटलांटा अंतिम 16 में पहुंच गयी। एक अन्य मुकाबले में युवेंटस गैलाटासराय के खिलाफ दूसरे चरण में 3-2 से जीत के बाद भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी ।

पीएसजी ने चैंपियंस लीग फुटबॉल में मोनाको को हराकर अगले दौर में जगह बनायी

पेरिस । पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) क्लब यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल में जीत के साथ ही अंतिम-16 में पहुंच गयी है। पीएसजी ने प्ले-ऑफ के दूसरे लेग में एएस मोनाको के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलते हुए कुल 5-4 की बढ़त के साथ ही अंतिम-16 में जगह बनायी है। इस मुकाबले के पहले हाफ से ही मोनाको ने अच्छी शुरुआत करते हुए एक गोल दागकर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। वहीं दूसरे हाफ में पीएसजी के कप्तान मार्क्विनहोस ने डेसिरे डूए के क्रॉस पर गोल दागकर अपनी टीम को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद खिचा क्वारात्सखेलिया ने एक गोल कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया। वहीं मोनाको के स्थानापन्न खिलाड़ी जॉर्डन टेजे ने अतिरिक्त समय में गोल कर मुकाबले को 2-2 से बराबरी पर लाकर एक बार फिर रोमांचक बना दिया। अंत में पीएसजी ने 5-4 की बढ़त हासिल करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। वहीं पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने कहा, हम काफी कठिन टीमों से खेलना पड़ा है। अब हमें चेल्सी और बार्सिलोना जैसी बेहतरीन टीमों से खेलना है। इस इस प्रकार के मुकाबले के लिए तैयार हैं। वहीं एक अन्य मुकाबले में गैलाटसराय ने जुवेंटस को वापसी नहीं करने दी और 7-5 के कुल स्कोर से राउंड ऑफ 16 में जगह बनायी। गैलाटसराय एस.के. ने जुवेंटस एफसी को रोमांचक मुकाबले में हराकर शानदार जीत दर्ज की। पहले लेग के बाद तीन गोल से पिछड़ने के बावजूद मेजबान टीम ने हार नहीं मानी और मुकाबले को अतिरिक्त समय तक खींच लिया।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अधिक प्रयोग से बचे भारतीय टीम : पोंटिंग

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले सुपर-8 मुकाबले को देखते हुए एक अहम सलाह दी है। पोंटिंग का कहना है कि इस मैच में भारतीय टीम को अधिक बदलाव नहीं करते हुए वहीं अंतिम ग्यारह उतारनी चाहिये जो अबतक तक खेलती आई है। पोंटिंग के अनुसार अधिक प्रयोग कि रणनीत नुकसानेह साबित हो सकती है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार बड़े टूर्नामेंट में स्थिरता और संतुलन से ही जीत मिलती है। इससे पहले भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में अपना संयोजन बदला था जिससे उसे काफी नुकसान हुआ था। उस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजी होने के कारण उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को अवसर दिया था पर ये प्रयोग विफल रहा। उस मैच में सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही विफल रहे थे। पोंटिंग ने कहा कि केवल विरोधी टीम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण ही बदलाव नहीं किया जाना चाहिये। इस कारण अक्षर को बाहर रखना सही फैसला नहीं था। उनके अनुसार कप्तान को अपनी समझ के अनुसार गेंदबाजों का सही समय पर इस्तेमाल करना चाहिये। पोंटिंग का मानना है कि बड़े टूर्नामेंट में जरुरत से अधिक रणनीतिक बदलाव कभी-कभी विपरीत प्रभाव डालते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को अब सरल सोच अपनानी चाहिए और अपनी सबसे संतुलित टीम मैदान में उतारनी चाहिए।दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण के सामने भारतीय बल्लेबाजी बेबस नजर आयी थी। मार्को जेनसन और केशव महाराज ने उस मैच में भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था।

टी20 विश्वकप सुपर-8 में आज इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी न्यूजीलैंड

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ जीत से उत्साहित न्यूजीलैंड की टीम शुक्रवार को यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-8 मैच में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। कीवी टीम के स्पिनरों ने श्रीलंकाई टीम के खिलाफ काफी अच्छी गेंदबाजी की थी और वह यही सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ भी जारी रखना चाहेगी। कीवी टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर काफी अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ भी टीम को मिलेगा। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम पहले ही अपने दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गयी है और उसका लक्ष्य इस मैच में भी बेहतरीन प्रदर्शन कर सेमीफाइनल के लिए लय बनाये रखना रहेगा। कप्तान हैरी ब्रुक के अलावा उसके उन्य बल्लेबाज पिछले सुपर-8 मैच में पाकिस्तान के खिलाफ असफल रहे थे। ऐसे में वे अपना फार्म हासिल करना चाहेंगे।

दूसरी ओर श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत के बाद न्यूजीलैंड का नेट रन रेट काफी अच्छा प्लस 3.050 हो गया है। ऐसे में इस मैच में जीत के साथ वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी पर अगर वह मामुली अंतर से हारती भी है तो भी उसकी सेमीफाइनल की संभावनाएं बनी रहेंगी। वहीं इंग्लैंड से हार के बाद पाकिस्तान का नेट रन रेट माइनस 0.461 हो गया है। ऐसे में पाक टीम नेट रन रेट में तभी आगे निकल सकती है जब न्यूजीलैंड को मैच में बड़ी हार मिले। न्यूजीलैंड की टीम जिस प्रकार श्रीलंका के खिलाफ छह स्पिनरों के साथ सहजता से उतरी थी उससे तय है कि इस मैच में भी वह उसी टीम के साथ उतरेगी।

इस मैच में न्यूजीलैंड के स्पिनरों और इंग्लैंड के बल्लेबाजों के बीच रोमांचक मुकाबला होना तय है। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक और ऑलराउंडर विल जैक्स दोनों ने ही पाक स्पिनरों साइम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान के सामने काफी अच्छी बल्लेबाजी की थी और उनका लक्ष्य कीवी टीम के खिलाफ इसी प्रदर्शन को बनाये रखना रहेगा हालांकि ये इतना आसान नहीं रहेगा क्योंकि कीवी स्पिनर मिचेल सैंटनर, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स और कोल मैककॉन्ची प्रेमदासा स्टेडियम की पिच पर कहर ढ़ा सकते हैं।

ब्रूक अच्छी फॉर्म में हैं पर अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर का फार्म में नहीं होना इंग्लैंड के लिए चिन्ताजनक है। टीम को अपने गेंदबाजों विल जैक्स और लियाम डॉसन से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। प्रेमदासा की पिच पर अगर स्पिनर गेंदबाजी कर रहे हों तो 165 से 175 रन भी काफी अच्छे माने जाएंगे।

वहीं न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रविंद्र का मानना है कि उनका स्पिन आक्रमण अच्छा है पर इंग्लैंड को कम आंकना भूल होगी। रविंद्र ने कहा, इस तरह के मुकाबले में खेलने के लिए हमेशा ही आत्मविश्वास बनाये रखना होता है क्योंकि हमें अंदाजा है कि पिच कैसी होगी पर मुझे लगता है कि किसी भी समय इंग्लैंड को कम करके आंकना गलती होगी।

विरोध टीम काफी अच्छी है। उनके गेंदबाज अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं और उनके पास बल्लेबाजी क्रम में विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं। साथ ही कहा कि टी20 प्रारुप में कुछ भी हो सकता है जो टीम मैच के दिन अच्छा खेलेगी जीत उसकी की होगी। श्रीलंका के खिलाफ जीत से टीम का मनोबल बढ़ा है जिसका लाभ उसे मिलेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार है

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, फिल साल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, सैम करेन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग, लाइक वुड

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, डेवोन कॉनवे, मार्क चैपमैन, कोल मैककॉन्ची, डैरिल मिचेल, जेम्स नीशम, रचिन रविंद्र, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, इश सोढ़ी।

टी20 विश्व कप : अभिषेक को ब्रेक देता, अहम मुकाबले से पहले पूर्व बल्लेबाज का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण में भारत के लिए जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला करो या मरो जैसा बन गया है। चेन्नई के चेपॉक में होने वाले इस अहम मैच से पहले पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे अभिषेक शर्मा को आराम देकर संजू सैमसन को मौका दिया जाना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार के बाद टीम इंडिया पर दबाव बढ़ गया है और हर चयन अब निर्णायक साबित हो सकता है।

सहवाग की स्पष्ट सलाह: अभिषेक को दें ब्रेक

वीरेंद्र सहवाग ने साफ कहा कि इतने महत्वपूर्ण मैच में फॉर्म को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनके अनुसार, यदि वह टीम मैनेजमेंट

का हिस्सा होते तो अभिषेक शर्मा को आराम देकर संजू सैमसन को आजमाते। अभिषेक का मौजूदा टूर्नामेंट बेहद निराशाजनक रहा है। ग्रुप स्टेज में वह लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुए और सुपर 8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ 12 गेंदों में 15 रन बना सके। बीमारी और लय की कमी ने उनके आत्मविश्वास पर भी असर डाला है।

नेट रन रेट और दबाव की स्थिति

टी20 विश्व कप में भारत की स्थिति फिलहाल अस्थिर है। दक्षिण अफ्रीका से 76 रन की हार के बाद टीम का नेट रन रेट -3.800 तक गिर गया है। यदि वेस्ट इंडीज अपने मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराता है, तो समीकरण और जटिल हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में कप्तान Suryakumar Yadav की अगुवाई वाली टीम को न सिर्फ जीत दर्ज करनी होगी, बल्कि बड़े अंतर से जीत की कोशिश भी करनी पड़ेगी। हर चयन और रणनीति टूर्नामेंट में बने रहने के लिहाज से अहम हो गई है।

क्या रणनीति में बदलाव जरूरी है?

सहवाग ने टीम की रणनीति का बचाव करते हुए कहा कि समस्या टैक्टिक्स में नहीं, बल्कि क्रियान्वयन में रही है। उनके मुताबिक चयन में कुछ बदलाव हो सकते हैं, लेकिन असली जरूरत बेहतर प्रदर्शन की है। Tilak Varma भी इस टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टॉप और मिडिल ऑर्डर की नाकामी ने मध्यक्रम पर अतिरिक्त दबाव डाला है। यही कारण है कि चयन को लेकर बहस तेज हो गई है।

मिडिल ऑर्डर की चुनौती

अभिषेक और तिलक की संघर्षपूर्ण फॉर्म के कारण टीम का संतुलन प्रभावित हुआ है। बैटिंग कोच सीतांशु कोटक ने भी जिम्बाब्वे मुकाबले से पहले इस मुद्दे को स्वीकार किया था और सुधार की जरूरत पर जोर दिया था। यदि टॉप ऑर्डर जल्दी आउट होता है, तो मिडिल ऑर्डर पर रन गति बनाए रखने की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसे में अनुभवी विकल्प के तौर पर संजू सैमसन को शामिल करना एक रणनीतिक कदम हो सकता है।

चेपॉक में निर्णायक परीक्षा

चेन्नई की पिच स्पिन और धीमी गेंदबाज़ी के लिए जानी जाती है, जहां शॉट चयन और धैर्य अहम भूमिका निभाते हैं। टीम मैनेजमेंट को यह तय करना होगा कि क्या युवा खिलाड़ियों को एक और मौका दिया जाए या अनुभव को प्राथमिकता दी जाए।

जिम्बाब्वे के खिलाफ यह मुकाबला सिर्फ एक लीग मैच नहीं, बल्कि भारत के टी20 वर्ल्ड कप अभियान का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। सहवाग की सलाह ने चयन पर बहस को और तेज कर दिया है, और अब सबकी नजरें प्लेइंग इलेवन पर टिकी हैं।

हाथ, कंधे और कोर मसल्स को मजबूत बनाने के लिए करें ये पावरफुल योगासन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ रहने का आसान उपाय योगासन में छुपा है. योग न केवल शरीर बल्कि मन को भी संतुलित और स्वस्थ रखता है. इन्हीं में से एक है उत्थित पद्मासन, जिसका रोजाना थोड़ा अभ्यास भी कई स्वास्थ्य लाभ दे सकता है. भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने उत्थित पद्मासन के बारे में विस्तार से जानकारी दी है. मंत्रालय के अनुसार, योग अनुशासन और शारीरिक-मानसिक सामर्थ्य का श्रेष्ठ मार्ग है. उत्थित पद्मासन का नियमित अभ्यास शरीर का संतुलन बेहतर करता है, एकाग्रता बढ़ाता है और आंतरिक ऊर्जा को जागृत करता है.

क्या है उत्थित पद्मासन?

यह आसन पद्मासन की स्थिति में हाथों के बल पूरे शरीर को जमीन से ऊपर उठाने वाली एक शक्तिशाली योग मुद्रा है. यह हाथों, कंधों, कोर और शरीर की समग्र ताकत को बढ़ाता है.

उत्थित पद्मासन करने की विधि

सबसे पहले पद्मासन में बैठें.

एक पैर दूसरी जांघ पर और दूसरा पैर पहली जांघ पर रखें.

दोनों हाथों को शरीर के पास जमीन पर रखें, हथेलियां नीचे की ओर.

गहरी सांस लेकर हाथों पर पूरा भार डालें और शरीर को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं.

गर्दन और सिर सीधा रखें, नजर सामने या थोड़ा नीचे की ओर.

जितना संभव हो उतने समय तक मुद्रा में बने रहें और सांस सामान्य रखें.

धीरे-धीरे वापस सामान्य स्थिति में आ जाएं.

उत्थित पद्मासन करने से शरीर को क्या फायदे मिलते हैं?

1. मांसपेशियों को मजबूती

यह हाथों, कलाइयों, कंधों और कोर मसल्स को बेहद मजबूत बनाता है.

पेट की मांसपेशियां टोन होती हैं, जिससे पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है और कब्ज से राहत मिलती है.

2. मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव

संतुलन की क्षमता बढ़ती है.

दिमाग में एकाग्रता आती है और तनाव कम होता है.

3. रक्त संचार व ऊर्जा प्रवाह में सुधार

नियमित अभ्यास से छाती, कंधों और हाथों में रक्त संचार बेहतर होता है.

मेटाबॉलिज्म तेज होता है और शरीर में प्राण ऊर्जा का प्रवाह सुचारू रहता है.

4. छात्रों के लिए लाभकारी

लगातार अभ्यास से एकाग्रता बढ़ती है, जो पढ़ाई में विशेष रूप से सहायक है.

उत्थित पद्मासन से जुड़ी सावधानियां

घुटने, कूल्हे या कलाई में दर्द या चोट होने पर आसन करने से पहले डॉक्टर या योग गुरु से सलाह लें.

रात में पैरों में खुजली क्यों होने लगती है?

नारी डेस्क : कई लोगों को यह समस्या होती है कि दिनभर सब ठीक रहता है, लेकिन जैसे ही रात होती है, पैरों में तेज खुजली शुरू हो जाती है। कभी-कभी खुजली इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि नींद तक उड़ जाती है। तेल लगाने, दवा लगाने के बाद भी आराम नहीं मिलता और शरीर में बेचैनी बनी रहती है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल आता है कि आखिर रात में ही पैरों में खुजली क्यों बढ़ जाती है? एक्सपर्ट्स के अनुसार, इसके पीछे सिर्फ एक नहीं बल्कि कई कारण हो सकते हैं। यह व्यक्ति की स्किन, लाइफस्टाइल और सेहत पर भी निर्भर करता है।

रात में पैरों में खुजली बढ़ने के मुख्य कारण

स्किन का ड्राई होना

रात के समय शरीर का तापमान थोड़ा बढ़ जाता है। इससे स्किन रूखी (ड्राई) हो सकती है। जब स्किन में नमी कम हो जाती है, तो खुजली की समस्या बढ़ने लगती है।

ब्लड सर्कुलेशन का बढ़ना

रात में आराम की स्थिति में पैरों की ओर ब्लड फ्लो बढ़ जाता है। इससे नसें ज्यादा एक्टिव हो जाती हैं और खुजली महसूस हो सकती है।

फंगल इंफेक्शन

अगर पैरों में लालपन, छाले, जलन या स्किन छिलने जैसी परेशानी है, तो यह फंगल इंफेक्शन का संकेत हो सकता है। फंगल इंफेक्शन में रात के समय खुजली ज्यादा बढ़ जाती है।

दिनभर जूते-मोजे पहनना

पूरा दिन टाइट जूते, सिंथेटिक मोजे पहनने से पैरों में पसीना और नमी जमा हो जाती है। इससे स्किन इरिटेट होती है और रात में खुजली बढ़ सकती है।

साबुन या डिटर्जेंट से एलर्जी

कभी-कभी नया साबुन, डिटर्जेंट या केमिकल युक्त प्रोडक्ट भी स्किन में एलर्जी पैदा कर सकते हैं, जिससे रात में खुजली की समस्या होती है।

पानी सिर्फ शरीर की प्यास नहीं बुझाता, बल्कि रक्त में मिलकर शरीर के हर अंग तक ऑक्सीजन पहुंचाता है. मानव शरीर का लगभग 70% हिस्सा पानी से बना है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि कौन सा पानी शरीर के लिए सबसे अधिक लाभकारी है. सदियों से सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीने की परंपरा चली आ रही है. यह सिर्फ आदत नहीं, बल्कि एक लाभकारी प्रक्रिया है.आयुर्वेद के अनुसार सुबह का गुनगुना पानी पाचन अग्नि को सक्रिय करता है और कफ दोष को संतुलित करता है.

क्या पूरे दिन गुनगुना पानी पीना सही है?

सवाल यह है कि क्या हर मौसम में और पूरे दिन गुनगुना पानी पीना सही है?

आयुर्वेद मानता है कि हां, आप पूरे दिन गुनगुना पानी पी सकते हैं, लेकिन सही समय और स्थिति का ध्यान रखना जरूरी है.

गुनगुना पानी कब पिएं?

सुबह खाली पेट- यह पाचन को तेज कर शरीर को ऊर्जावान बनाता है.

भोजन से 30 मिनट पहले- यह पाचन शक्ति को बेहतर बनाकर वजन नियंत्रित करने में मदद करता है.

भोजन के 1 घंटे बाद- यह भोजन को बेहतर तरीके से पचाने में सहायक है.

आयुर्वेद के अनुसार इन स्थितियों में सावधानी रखें :

1. ज्यादा प्यास या डिहाइड्रेशन में ऐसी स्थिति में गुनगुना पानी डिहाइड्रेशन को और बढ़ा सकता है.

2. अत्यधिक गर्मी के मौसम में

गर्म या गुनगुना पानी शरीर में अतिरिक्त गर्मी पैदा कर बेचैनी बढ़ा सकता है.

3. पित्त की समस्या या पेट में जलन होने पर

गर्मियों में पित्त बढ़ने पर गुनगुना पानी जलन को और बढ़ा सकता है.

पाचन तंत्र को पहुंचाता है फायदा फाइबर से भरपूर हरा चना, अपच और कब्ज से दिलाता है राहत

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में सबसे ज्यादा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है. गलत समय पर खाना, तला-भुना भोजन, फाइबर की कमी और तनाव की वजह से गैस, अपच, कब्ज और पेट भारी होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं. इसका समाधान हमारी रसोई में ही मौजूद है. हरा चना पाचन के लिए बेहद लाभकारी है. आयुर्वेद के अनुसार, हरा चना त्रिदोष संतुलन में सहायक माना जाता है. खासतौर पर यह पित्त और कफ दोष को नियंत्रित करने में मदद करता है.

यह पेट में जमी अतिरिक्त नमी और चिपचिपेपन को कम करता है. यही कारण है कि हरा चना खाने से पेट साफ रहता है और आंतों की गतिविधि बेहतर होती है.आयुर्वेद मानता है कि हरा चना अग्नि यानी पाचन शक्ति को धीरे-धीरे मजबूत करता है, जिससे भोजन सही तरह से पचता है और शरीर को पूरा पोषण मिलता है.

वैज्ञानिक ने इसे माना फाइबर का खजाना

वैज्ञानिकों की मानें तो हरा चना डाइटरी फाइबर का बेहतरीन स्रोत है. फाइबर पाचन प्रक्रिया के लिए बेहद अहम है. यह आंतों में भोजन को आगे बढ़ाने में मदद करता है और मल को नरम बनाता है, जिससे कब्ज की समस्या दूर रहती है. हरे चने में मौजूद घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर पाचन को दुरुस्त रखते हैं और गैस व सूजन जैसी परेशानियों को कम करते हैं.

वजन घटाने में करता है मदद

हरा चना धीरे-धीरे पचने वाला भोजन है, इसलिए यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है. इससे बार-बार भूख नहीं लगती और ओवरईटिंग से बचाव होता है. यही वजह है कि वजन नियंत्रित रखने वालों के लिए हरा चना फायदेमंद है.

पाचन तंत्र को पहुंचाता है फायदा फाइबर से भरपूर हरा चना, अपच और कब्ज से दिलाता है राहत हारा चना खाने के फायदे : गलत समय पर खाना, तला-भुना भोजन, फाइबर की कमी और तनाव की वजह से गैस, अपच, कब्ज और पेट भारी होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं. इन समस्याओं को दूर करने में हरा चना बेहद फायदेमंद माना जाता है.

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में सबसे ज्यादा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है. गलत समय पर खाना, तला-भुना भोजन, फाइबर की कमी और तनाव की वजह से गैस, अपच, कब्ज और पेट भारी होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं. इसका समाधान हमारी रसोई में ही मौजूद है. हरा चना पाचन के लिए बेहद लाभकारी है. आयुर्वेद के अनुसार, हरा चना त्रिदोष संतुलन में सहायक माना जाता है. खासतौर पर यह पित्त और कफ दोष को नियंत्रित करने में मदद करता है.

यह पेट में जमी अतिरिक्त नमी और चिपचिपेपन को कम करता है. यही कारण है कि हरा चनाखाने से पेट साफ रहता है और आंतों की गतिविधि बेहतर होती है.आयुर्वेद मानता है कि हरा चना अग्नि यानी पाचन शक्ति को धीरे-धीरे मजबूत करता है, जिससे भोजन सही तरह से पचता है और शरीर को पूरा पोषण मिलता है.

वैज्ञानिक ने इसे माना फाइबर का खजाना

वैज्ञानिकों की मानें तो हरा चना डाइटरी फाइबर का बेहतरीन स्रोत है. फाइबर पाचन प्रक्रिया के लिए बेहद अहम है. यह आंतों में भोजन को आगे बढ़ाने में मदद करता है और मल को नरम बनाता है, जिससे कब्ज की समस्या दूर रहती है. हरे चने में मौजूद घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर पाचन को दुरुस्त रखते हैं और गैस व सूजन जैसी परेशानियों को कम करते हैं.

वजन घटाने में करता है मदद

हरा चना धीरे-धीरे पचने वाला भोजन है, इसलिए यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है. इससे बार-बार भूख नहीं लगती और ओवरईटिंग से बचाव होता है. यही वजह है कि वजन नियंत्रित रखने वालों के लिए हरा चना फायदेमंद है.

ब्लड शुगर और मेटाबॉलिज्म पर करता है असर

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि फाइबर और प्रोटीन से भरपूर भोजन इंसुलिन के स्तर को संतुलित रखने में मदद करता है. इससे पाचन के साथ-साथ ब्लड शुगर कंट्रोल में भी सहायता मिलती है.

पोषक तत्वों से होता है भरपूर

हरे चने में आयरन, मैग्नीशियम , पोटैशियम , विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं. ये तत्व आंतों की अंदरूनी परत को मजबूत बनाते हैं और सूजन को कम करते हैं. जिन लोगों को अक्सर एसिडिटी या जलन की शिकायत रहती है, उनके लिए हरा चना पेट को ठंडक देने वाला हो सकता है.

हरा चना कई दूसरी समस्याओं में भी राहत देता है. इसमें मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों को ताकत देता है और कमजोरी को दूर करता है. आयरन (ढ्ढह्म्श्ठ्ठ) की अच्छी मात्रा खून की कमी में सहायक होती है. फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स दिल की सेहत के लिए लाभकारी माने जाते हैं और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं. इसके अलावा, हरा चना शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है.

कैसे करें सेवन?

हरे चने को सब्जी, सूप, सलाद, पुलाव या हल्के स्नैक के रूप में खाया जा सकता है.

तन ही नहीं, मन के लिए भी आराम है जरूरी!

यूनानी सिद्धांतों में 'हरकत-ओ-सुकून नफसानी' यानी मानसिक गतिविधि और मानसिक विश्राम को स्वस्थ जीवन का अहम आधार माना गया है. जिस तरह हमारा शरीर लगातार काम करता रहे और उसे आराम न मिले तो वह थककर बीमार पड़ जाता है, ठीक उसी तरह हमारा मन भी अगर लगातार तनाव, चिंता , डर या गुस्से में उलझा रहे तो उसका संतुलन बिगड़ जाता है. यूनानी चिकित्सा सिद्धांतों के अनुसार, हमारे भीतर एक जीवन शक्ति होती है जिसे रूह कहा जाता है. यही रूह हमारे मानसिक और शारीरिक संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है. जब हमारी भावनाएं संतुलित रहती हैं, सोच सकारात्मक होती है और हम जरूरत के मुताबिक मानसिक आराम लेते हैं, तो रूह भी संतुलन में रहती है और सेहत बेहतर बनी रहती है.

भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक थकान का बढ़ता खतरा

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर शरीर की थकान को तो समझ लेते हैं, लेकिन मन की थकान को नजरअंदाज कर देते हैं. देर रात तक काम करना, मोबाइल और स्क्रीन पर लगातार समय बिताना, हर समय किसी न किसी चिंता में डूबे रहना या भविष्य की फिक्र में घुले रहना, ये सब मानसिक बोझ को बढ़ाते हैं.

मानसिक गतिविधि और विश्राम में संतुलन आवश्यक

यूनानी चिकित्सा कहती है कि मानसिक गतिविधि जरूरी है, क्योंकि सोच-विचार, सीखना और काम करना, ये सब जीवन का हिस्सा हैं. लेकिन हर चीज की तरह इसमें भी संतुलन होना चाहिए. अगर हरकत ज्यादा होगी और सुकून कम, तो बेचैनी, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और मानसिक थकान जैसी समस्याएं शुरू हो सकती हैं. वहीं, अगर व्यक्ति बिल्कुल निष्क्रिय हो जाए और कोई मानसिक गतिविधि न करे, तो भी उदासी और सुस्ती बढ़ सकती है. इसलिए संतुलन ही असली कुंजी है.

मन को सुकून देने वाले छोटे-

छोटे कदम

मानसिक सुकून पाने के लिए बहुत बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती. दिन में थोड़ा समय खुद के लिए निकालना, गहरी सांस लेना, प्रकृति के बीच कुछ पल बिताना, नमाज, ध्यान या प्रार्थना करना और सकारात्मक लोगों के साथ समय बिताना, ये छोटे-छोटे कदम मन को राहत देते हैं. साथ ही, अपनी सीमाओं को समझना भी जरूरी है. हर काम अपने ऊपर ले लेना और हर समय परफेक्ट बनने की कोशिश करना भी मानसिक दबाव बढ़ाता है.

यूनानी सिद्धांत हमें सिखाता है कि संयम अपनाएं, सकारात्मक सोच रखें और जरूरत पड़ने पर मन को विश्राम दें. जब मन शांत और संतुलित रहता है, तो उसका असर पूरे शरीर पर दिखाई देता है.

‘वाराणसी’ को अपने लिए काफी खास फिल्म मानती हैं प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी हॉलीवुड फिल्म ‘द ब्लफ’ को लेकर चर्चाओं में हैं। लेकिन अभिनेत्री एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही फिल्म ‘वाराणसी’ को लेकर काफी उत्साहित हैं।

प्रियंका इस फिल्म से भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यही कारण है कि प्रियंका ‘वाराणसी’ को अपने लिए काफी खास फिल्म मानती हैं। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में पति निक जोनस के साथ ‘द ब्लफ’ के वर्ल्ड प्रीमियर में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने ‘वाराणसी’ को लेकर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने इसे करियर-डिफाइनिंग बताते हुए कहा कि ‘वाराणसी’ उनके लिए एक महत्वपूर्ण फिल्म है। सात साल बाद किसी भारतीय फिल्म से दूर रहने के बाद, इस फिल्म को पहले से ही आने वाले समय की सबसे बड़ी सिनेमाई घटनाओं में से एक माना जा रहा है। प्रियंका ने निर्देशक राजामौली को भारत के सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्माताओं में से एक बताया। साथ ही कहा कि वो अपनी इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित हैं।

अगले साल 7 अप्रैल को रिलीज होगी फिल्म

एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित ‘वाराणसी’ की घोषणा पिछले साल की गई थी। हैदराबाद में फिल्म का एक बड़ा इवेंट हुआ था, जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट नजर आई थी। इस फिल्म में महेश बाबू रुद्र के किरदार में नजर आएंगे। वो फिल्म में भगवान राम के अवतार में भी दिखाई देंगे। इसके अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन विलेन की भूमिका निभाएंगे, उनके किरदार का नाम कुंभा है। जबकि प्रियंका चोपड़ा फिल्म में मंदाकिनी के किरदार में दिखाई देंगी। ‘वाराणसी’ 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अरेंज मैरिज को भी तैयार हैं मृणाल ठाकुर;

खुद को बताया धनुष की बड़ी फैन

मृणाल ठाकुर इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म ‘दो दीवाने सहर में’ को लेकर चर्चाओं में हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री अपनी शादी की खबरों को लेकर भी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस बीच मृणाल का धनुष के साथ भी लगातार नाम जोड़ा जा रहा है। हालांकि, अभिनेत्री लगातार इन खबरों का खंडन करती रही हैं। अब अभिनेत्री ने एक बार फिर शादी और धनुष से अफेयर की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही बताया कि घर में उनकी शादी को लेकर माता-पिता की क्या राय है। बातचीत में मृणाल ने बताया कि घर में शादी को लेकर चर्चाएं अब आम बात हो गई हैं। उन्होंने कहा कि माता-पिता के मन में शादी की घंटियां बजती रहती हैं, मानो वे दिन में सपने देख रहे हों। कल रात ही पापा ने मुझसे कहा, ‘अब तुम्हें शादी कर लेनी चाहिए।’ मैंने कहा, ‘क्यों न आप अपनी बहन को फोन करके पूछें कि क्या वह आपकी बेटी के लिए कोई अच्छा लड़का जानती है?’ उन्होंने पूछा, ‘लड़का कहां है?’ मैंने कहा, ‘बिल्कुल – लड़का कहां है?’ अगर आप मुझसे ही यह सवाल पूछ रहे हैं, तो मैं क्या कहूं? यही तो हर घर की कहानी है।

अरेंज मैरिज से मृणाल को नहीं कोई दिक्कत

अभिनेत्री ने आगे कहा कि मुझे तयशुदा शादी से बिल्कुल भी डर नहीं लगता, क्योंकि मेरे लिए कोई सही रिश्ता मिलता ही नहीं है। हां, इतना तय है कि शादी सिर्फ दिखावे के लिए नहीं की जानी चाहिए। पहले, अरेंज मैरिज का मतलब होता था कि माता-पिता आपका परिचय किसी से करवाते थे। अब तो दोस्त भी लोगों का रिश्ता करवा देते हैं। यह भी एक तरह का अरेंजमेंट ही है। अंततः मायने यह रखता है कि चाहे प्यार हो या अरेंज मैरिज, अगर दो लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं और उनके बीच तालमेल बैठता है, तो वही मायने रखता है। वरना कुछ भी काम नहीं करता। आपको एक-दूसरे से जुड़ना होगा। परिवारों की सहमति भी जरूरी है। शादी सिर्फ एक पुरुष और एक महिला के बीच नहीं होती, यह दो परिवारों के बीच होती है। अगर सभी सहमत हैं, तो फिर शादी क्यों नहीं?

मृणाल ने की धनुष की तारीफ

पिछले कुछ वक्त से मृणाल का नाम धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, मृणाल लगातार इन खबरों को नकारती रही हैं। इस बीच पिछले दिनों एक इंटरव्यू में मृणाल ने धनुष की जमकर तारीफ की थी। खुद को धनुष की बड़ी फैन बनाते हुए मृणाल ने कहा, ‘रायन’, ‘मारी’, ‘रांझणा’, ‘कैप्टन मिलर’ और ‘असुरन’ जैसी फिल्में देखने के बाद मैं उनकी बहुत बड़ी फैन बन गई हूं। मैं असुरन कई बार देख सकती हूं। वो एक इंस्टीट्यूट हैं। वो गीतकार, लेखक, डांसर, अभिनेता, निर्देशक, न जाने क्या-क्या हैं।

‘सेयोन’ में नए अंदाज में नजर आए शिवकार्तिकेयन

अभिनेता शिवकार्तिकेयन के 41वें जन्मदिन पर निर्माताओं ने फिल्म ‘सेयोन’ का टीजर रिलीज कर दिया है। इस फिल्म के निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन हैं और फिल्म का निर्माण कमल हासन ने किया है।

शिवकार्तिकेयन के 41वां जन्मदिन के मौके पर निर्माताओं ने उनकी नई फिल्म ‘सेयोन’ का पहला टीजर रिलीज किया है। यह टीजर काफी दमदार है और शिवकार्तिकेयन के फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। टीजर में शिवकार्तिकेयन एक बहुत ताकतवर और लगभग भगवान जैसे किरदार में नजर आ रहे हैं, जिसे लोग भगवान विरुमंडी कहकर बुलाते हैं।

क्या है ‘सेयोन’ की कहानी

कहानी एक गांव के मंदिर उत्सव (मासी कलारी) के दौरान शुरू होती है, जहां पुलिस एक झगड़े की जांच कर रही है। लोग एक रहस्यमयी व्यक्ति के बारे में बात करते हैं। जब शिवकार्तिकेयन का किरदार थाने पहुंचता है, तो लोग उनके पैर छूते हैं और बहुत सम्मान से स्वागत करते हैं। एक पुलिस इंस्पेक्टर कहता है, ‘ये भगवान विरुमंडी हैं।’ एक बुजुर्ग महिला चिल्लाती है, ‘ओजी वापस आ गया है’। इसके बाद एक झड़प होती है, जिसमें उनका किरदार किसी से हाथापाई करता है। देखते ही देखते यह पूरा सीन जोरदार एक्शन में बदल जाता है।

‘सेयोन’ के निर्माता हैं कमल हासन

फिल्म का नाम ‘सेयोन’ है और इसमें विरुमंडी का जिक्र कमल हासन की पुरानी फिल्म ‘विरुमंडी’ (2004) से जोड़ा गया है, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। टीजर में एक व्यक्ति बताता है कि शिवकार्तिकेयन का किरदार पहले सेना में था और बाद में गांव के संघर्ष में शामिल हो गया। यह फिल्म शिवकार्तिकेयन और निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन की साथ में पहली फिल्म है। कमल हासन की कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल इसे बना रही है। फिल्म में संगीत संतोष नारायणन का है।

तापसी ने अपने शादीशुदा रिश्ते और पति मैथियास को लेकर बात की

तापसी पन्नू अपनी शादी और पर्सनल जिंदगी को काफी सीक्रेट रखती हैं। उन्होंने पति मैथियास से शादी से पहले 13 साल तक डेट किया, लेकिन किसी को कानों कान खबर नहीं लगने दी। इसके बाद उन्होंने शादी भी बिना किसी हो-हल्ले के सिंपल तरीके से कर ली, जिसमें सिर्फ परिवार और करीबी ही शामिल हुए। अब हाल ही में तापसी ने बताया कि उन्हें किस तरह का रिलेशनशिप पसंद है और क्यों उन्होंने 13 साल बाद मैथियास को अपना हमसफर बनाया?

एक्ट्रेस ने अपने शादीशुदा रिश्ते और पति मैथियास को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने मैथियास के बारे में कहा कि उन्होंने मुझे कभी भी रिश्ते का बोझ महसूस नहीं होने दिया। शादी के बाद भी कुछ खास बदलाव नहीं आया। मैं लगभग भूल ही जाती हूं कि मैं शादीशुदा हूं। शादी से पहले मेरी सिर्फ एक ही शर्त थी कि शादी के बाद भी सब कुछ पहले जैसा ही रहे। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरे लिए रिश्ते में सहजता और कंफर्ट सबसे महत्वपूर्ण रखता है। यही कारण है कि मैंने मैथियास से शादी की, क्योंकि उनमें एक सहजता है।

मैं नहीं चाहती शादी से रिश्ते में बदलाव आए

मैथियास बो एक प्रसिद्ध और ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। अब वो भारत में भी कई खिलाड़ियों को कोचिंग दे रहे हैं। तापसी ने बताया कि शादी के बाद वो डेनमार्क नहीं गईं, बल्कि मैथियास यहां भारत में रहने लगे। मैथियास से शादी को लेकर तापसी ने कहा कि उनकी सहजता ही इसकी वजह थी। कोई भावनात्मक बोझ नहीं था, कोई बाध्यता नहीं थी। मैं कभी नहीं चाहती थी कि शादी पहचान में बदलाव का एहसास कराए। मेरा मानना है कि अगर रिश्ते में बदलाव आता, तो इसे औपचारिक रूप देने का कोई मतलब नहीं होता। हमें सचमुच एक-दूसरे के साथ रहना पसंद है। तभी हमने आगे बढ़ने का फैसला किया। क्योंकि लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में कई चुनौतियां आ रही थीं।

शादी में एक-दूसरे पर निर्भर नहीं रहना चाहिए

तापसी का मानना है कि शादी में भी कभी एक-दूसरे पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उनका कहना है कि लड़कियों को शादी तभी करनी चाहिए, जब अपने बल पर खड़ी हो चुकी हों। उन्हें अपने पति पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, इससे रिश्ते में समानता बनी रहती है। उन्होंने बताया कि अपनी शादी में भी वो और मैथियास अपने-अपने पैसों का हिसाब अलग-अलग ही रखते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि शादी के बाद भी मैंने जो भी प्रॉपर्टी ली है, वो अपने नाम पर ही ली है। इससे एक-दूसरे पर निर्भरता नहीं आती।

तापसी बहुत ही इंस्टिक्टिव अभिनेत्री है, वे बहुत सहज भी हैं, इसलिए यूनिक हैं

अनुभव सिन्हा उन फिल्मकारों में से हैं, जिन्हें मीनिंगफुल सिनेमा का चेहरा कहा जाता है। उनकी फिल्म देखकर थिएटर से निकलने के बाद अंदर कुछ बदल सा जाता है। इस पर वे कहते हैं, ‘अगर ऐसा है, भी तो मैं इस पर यकीन नहीं करना चाहता, क्योंकि इससे मैं खुद को ज्यादा अहमियत देने लगूंगा। मैं मीनिंगफुल सिनेमा का चेहरा जैसे टैग को इग्नोर कर देता हूं, क्योंकि मेरा करियर काफी चलायमान रहा है।’ वह तापसी पन्नू की तारीफ करते हुए कहते हैं, ‘तापसी बहुत ही इंस्टिक्टिव अभिनेत्री है। वो अपने निर्देशक को बहुत गौर से सुनती हैं, उसे फील करती हैं। वे बहुत सहज भी हैं, इसलिए यूनिक एक्ट्रेस हैं।’

25 की उम्र में फिल्ममेकर बनने का खयाल, ‘मुल्क’ ने बदली धारा

अपनी बात आगे बढ़ाते हुए अनुभव सिन्हा कहते हैं, ‘मैंने अपने करियर शुरुआत लव स्टोरी ‘तुम बिन’ से की, फिर आगे चलकर मैंने एक्शन फिल्म ‘दस’ बनाई। उसके बाद मैंने सुपरहीरो फिल्म बनाई और फिर मैं सोशियो पॉलिटिकल फिल्मों की तरफ आकर्षित हुआ। हो सकता है, मैं कल को कुछ और बनाने लगूं। देखिए, बचपन में तो मुझे पता ही नहीं था कि मैं फिल्ममेकर बनूंगा। 25 साल की उम्र में मुझे पता चला कि मैं फिल्मकार बनना चाहता हूं। मेरी एक ऐसी यात्रा रही, जहां फिल्ममेकिंग करियर था, मगर ‘मुल्क’ जैसी फिल्म ने काफी हद तक मेरे करियर की धारा मोड़ी। ‘मुल्क’ की आवाज ने जिस तरह से लोगों तक अपनी पहुंच बनाई, उसी ने मुझे इस विधा की ओर आकर्षित किया। मेरे करियर में हर जॉनर की 5-6 साल की जर्नी रही, मगर सोशियो पॉलिटिकल जॉनर में मैं सबसे ज्यादा रुक गया। ये सफर दस साल से चला आ रहा है। यहां मेरा कंफर्ट जोन सबसे ज्यादा है।’

हमें बच्चों से वो बात करनी होंगी, बेटे को मर्द होने का फर्क समझाना होगा

हाल ही बच्चों के एक समूह द्वारा एक बच्ची की बलात्कार की खबर ने लोगों को हिलाकर रख दिया था। इस पर वह कहते हैं, ‘ये वो बच्चे हैं, जिन्हें फिजिकल इंटिमेसी का सही अर्थ भी पता नहीं होगा। मुझे लगता है कि हमारी अपने बच्चों से कुछ बातचीतें रह गई हैं। हमें अपने बच्चों से और ज्यादा बात करने की जरूरत है। खास तौर पर अपने बेटों से। उन्हें एक मर्द होने का फर्क समझना होगा। उन्हें अपने अधिकार और ख्वाहिशों की सीमा मालूम होनी चाहिए, क्योंकि अपराध तभी शुरू होता है, जब आप अपनी ख्वाहिशों का दायरा लांघ जाते हैं।’

मर्द के लिए औरत की तरह फील करना मुश्किल है

‘अस्सी’ के बारे में वह कहते हैं, ‘इस फिल्म में मैं मानसिक रूप से बहुत खर्च हुआ हूं। मुझे औरत बनना पड़ता है। बहुत मुश्किल होता है एक मर्द के लिए औरत की तरह फील करना। हमारी वो ट्रेनिंग नहीं है। औरत होना बहुत मुश्किल है। ये कैसी विडंबना है कि जिसे हमने अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा किरदार माना है, जाने -अनजाने हमने उसका इस्तेमाल ही किया है। चाहे मां हो, बहन हो या पत्नी हो। मैं अपने दोस्तों से कहता हूं कि सड़क पर एक बार औरत बनकर चलने की कोशिश करो। वो दुनिया ही अलग है। एक बच्ची को बचपन से ही बता दिया जाता है कि वो अलग है। वो स्वच्छंद हो ही नहीं पाती।’

छोटी फिल्मों को ज्यादा थिएटर भी नहीं मिल पाते

अनुभव सिन्हा अच्छा सिनेमा और बॉक्स ऑफिस की इसी बानगी में आगे बताते हैं, ‘अब जैसे मेरी ‘भीड़’ और ‘अफवाह’ को बहुत अच्छे रियूज मिले, मगर वो एक अलग दौर था। लोगों का थिएटर से नाता टूट गया था। वो फिल्में गलत दौर में आईं। छोटी फिल्मों को ज्यादा थिएटर भी नहीं मिल पाते।

झारखंड में दो बस आमने-सामने टकराई, कई यात्री घायल, कई गंभीर

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गोड्डा जिले के बोआरीजोर थाना क्षेत्र में गुरुवार अल सुबह दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई जिसमें कई यात्री घायल हो गए। यह हादसा बांसभीट्टा गांव के पास गुरुवार सुबह हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बसों का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। गंभीर रूप से घायलों को रेफर किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर काफी भीषण थी। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में जनहानि नहीं हुई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगा रही है।

बिहार में बच्चा चोरी की अफवाहों पर सख्त नीतीश की पुलिस... आमजन से की ये खास अपील

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस ने बच्चा चोरी की अफवाहों से बढ़ते खतरे के मद्देनजर सभी जिलों के थानों को अलर्ट कर दिया है। पुलिस ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी बच्चे के गुम होने की सूचना मिलने पर तुरंत जांच की जाए। यदि कोई बच्चा 24 घंटे तक गुम रहता है, तब उसके मामले में केस दर्ज करना अनिवार्य है। पुलिस ने बताया कि पिछले दो दिनों में बच्चा चोरी के पांच मामले सामने आए, जिसमें मुजफ्फरपुर के दो और जमुई, पूर्णिया तथा नालंदा के एक-एक मामले शामिल थे। जांच में सभी मामले अफवाह साबित हुए। उन्होंने चेतावनी दी कि बच्चा चोरी की खबरें बहुत तेजी से फैलती हैं और भीड़ जुटने से मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, जिससे निर्दोष लोग भी प्रभावित हो सकते हैं। इस वर्ष अब तक राज्य में 14,699 गुमशुदगी के मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 12,526 बालिकाएं और 2,173 बालक शामिल हैं। पुलिस ने 7,772 बच्चों को बरामद कर लिया है, जबकि 6,927 बच्चे अभी भी गुम हैं। चार महीने तक बच्चे बरामद न होने पर मामला एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को ट्रांसफर कर दिया जाता है। यह यूनिट सभी जिलों में सक्रिय है और इसतरह के मामलों की विशेष निगरानी करती है। पुलिस के आला अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि बच्चा चोरी की किसी भी सूचना पर कानून अपने हाथ में न लें। ऐसी स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करें और डायल-112 या नजदीकी थाने से संपर्क करें। जनता की सतर्कता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अफवाहों और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

बीजेपी ने पोस्टर लगाकर राहुल गांधी पर बोला हमला... अराजकता का तरीका एक, बस चेहरे बदलते रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में एआई समिट में हुए हंगामे पर भाजपा ने फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा ने राहुल गांधी की तुलना 2020 दंगे के आरोपी उमर खालिद से कर दिल्ली भाजपा ऑफिस के बाहर एक पोस्टर लगाया। इसमें लिखा कि अराजकता का तरीका एक, बस देश विरोधी चेहरे बदलते रहते हैं। पोस्टर में एक ओर उमर खालिद हैं जिसमें उमर को सीएए के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए दिखाया गया है। वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी हैं उनके आगे शर्टलेस कार्यकर्ता की तस्वीरें जो एआई समिट का विरोध कर रहे हैं। ये पोस्टर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने लगवाए हैं। उधर एआई इम्पैक्ट समिट हंगामा मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। उन्हें मंगलवार सुबह पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस मामले में अब तक 8 गिरफ्तारी हो चुकी हैं।

बाबा विश्वनाथ के दर्शन को पहुंचे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, शंकराचार्य विवाद पर बचते दिखे

वाराणसी (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। उन्होंने काशी के कोतवाल काल भैरव की भी पूजा-अर्चना की। दर्शन के पश्चात मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सौभाग्य से बाबा विश्वनाथ के दर्शन प्राप्त हुए हैं। मेरी यही कामना है कि बाबा सभी पर अपनी कृपा और आशीर्वाद की वर्षा करें। देश की जनता सुखी व निरोग रहे और सभी का कल्याण हो। एक वैभवशाली, समृद्धशाली और गौरवशाली भारत के निर्माण में हर नागरिक अपना योगदान दे और भारत पूरे विश्व को शांति का संदेश दे-बाबा के चरणों में यही प्रार्थना है। वहीं, शंकराचार्य से जुड़े मुद्दे पर पूछे गए सवाल को टालते हुए उन्होंने कहा कि यहाँ राजनीति की कोई जगह नहीं है, वह केवल भक्ति के भाव में डूबे हैं। यहां भाजपा और कांग्रेस सभी बराबर हैं। मंदिर में दर्शन के उपरांत केंद्रीय मंत्री सीधे अराजीलाइन विकास खंड के शहंशाहपुर स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के लिए रवाना हो गए, जहाँ वे विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के साथ बैठक करेंगे।

यूट्यूबर कोमाली ब्रेकअप के बाद तनाव में थीं, जांच के बाद पुलिस ने किया खुलासा

-हैदराबाद में एक अपार्टमेंट में पंखे से लटकी मिली थी लाश, मां को किया था मैसेज

हैदराबाद (एजेंसी)। पार्ट-टाइम यूट्यूबर बोनू कोमाली ने खुदकुशी कर ली है। कोमाली मूल रूप से आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम की रहने वाली थीं और पिछले 11 महीनों से हैदराबाद के एक अपार्टमेंट में अकेले रहकर बीएससी की पढ़ाई कर रही थीं। वह यूट्यूब पर अपनी लाइफस्टाइल से जुड़े वीडियो शेयर करती थीं। पुलिस जांच में सामने आया है कि खुदकुशी से ठीक पहले कोमाली का अपने बॉयफ्रेंड के साथ विवाद हुआ था। इसके बाद उन्होंने कुवैत में रह रही अपनी मां को आखिरी मैसेज भेजा, जिसमें लिखा था- आई लव यू मम्मी सो मच, छोटे भाई का ख्याल रखना। जब मां के फोन करने पर भी कोमाली ने कॉल नहीं उठाया, तो उन्होंने एक दोस्त को घर भेजा। वहां दरवाजा तोड़ने पर कोमाली का शव पंखे से लटका मिला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में कोमाली पिछले तीन साल से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के साथ रिश्ते में थीं, जो खुद भी एक यूट्यूबर है। खबर है कि हाल ही में दोनों का ब्रेकअप हो गया था, जिसके कारण वह काफी तनाव में थीं।

पाठ्यपुस्तक में न्यायिक भ्रष्टाचार: सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार के बाद एनसीईआरटी ने मांगी माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा आठ की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित एक विवादास्पद अध्याय को लेकर सुप्रीम कोर्ट की भारी नाराजगी के बाद बिना शर्त माफी मांग ली है। शीर्ष अदालत द्वारा इस सामग्री को बेहद परेशान करने वाला और संविधान के बुनियादी ढांचे पर हमला करार दिए जाने के बाद परिषद पूरी तरह बैकफुट पर आ गई है। एनसीईआरटी ने स्पष्ट किया है कि संबंधित अध्याय में अनुचित पाठ्य सामग्री और निर्णय की त्रुटि अनजाने में शामिल हो गई थी, जिसे अब उपयुक्त अधिकारियों के परामर्श से पूरी तरह से फिर से लिखा जाएगा। इस विवाद के बीच परिषद ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट से इस पुस्तक को हटा दिया है और इसकी प्रतियों का वितरण भी तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है।

इस संवेदनशील मामले का जन्म तब हुआ जब मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें जस्टिस जोयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली शामिल थे, ने पाठ्यपुस्तक की सामग्री पर स्वतः संज्ञान लिया। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी द्वारा मामले की गंभीरता की ओर ध्यान दिलाए जाने के बाद अदालत ने इस पर तत्काल सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने के किसी भी प्रयास पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि संस्थान के प्रमुख के रूप में यह उनकी जिम्मेदारी है कि वह निष्पक्षता की रक्षा करें। उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए यहाँ तक कहा कि यह प्रकरण एक सोची-समझी चाल प्रतीत होती है, जिससे न केवल बार बल्कि बेंच के सदस्य भी अत्यंत चिंतित हैं। जस्टिस बागची ने इसे और अधिक गंभीर बताते हुए कहा कि ऐसी सामग्री विद्यार्थियों के मन में संवैधानिक संस्थाओं के प्रति गलत धारणा पैदा करती है, जो सीधे तौर पर संविधान के मूल ढांचे के विरुद्ध है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कक्षा आठ के इस अध्याय में समाज में न्यायपालिका की भूमिका पर चर्चा के दौरान न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार जैसे संवेदनशील उपविषय को शामिल किया गया था। इसमें न्यायिक बुनियादी ढांचे की कमी और लंबित मामलों की चुनौतियों का भी जिक्र था, लेकिन प्रस्तुतीकरण के तरीके को अदालत ने अपमानजनक माना। विवाद बढ़ता देख एनसीईआरटी के वरिष्ठ अधिकारियों ने सफाई देते हुए कहा कि उनका इरादा किसी भी संवैधानिक संस्था के अधिकार क्षेत्र को कमतर करने का कभी नहीं था। परिषद ने दोहराया कि वह न्यायपालिका को मौलिक अधिकारों के रक्षक के रूप में सर्वोच्च सम्मान देती है। अब इस सामग्री में सुधार किया जाएगा और संशोधित पाठ्यपुस्तक को शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत में छात्रों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। फिलहाल, पुराने स्टॉक को वापस लेने और डिजिटल प्लेटफॉर्म से सामग्री हटाने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।

संघ की अहम बैठक में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन पहली बार करेंगे शिरकत

-इस बैठक से पहले बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे में हो सकते हैं कुछ बड़े फेरबदल

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की अहम बैठक अगले महीने हरियाणा के समालखा में आयोजित होने जा रही है। इस बैठक में भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन पहली बार शिरकत करेंगे। जनवरी 2026 में बीजेपी की कमान संभालने के बाद नितिन नबीन का यह पहला आधिकारिक संघ दौरा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इस बैठक से पहले बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे में कुछ बड़े फेरबदल हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माना जा रहा है कि समालखा बैठक में बीजेपी के प्रतिनिधि मंडल में कई नए चेहरे देखने को मिल सकते हैं। यह बदलाव आगामी चुनावों और संगठन को नई ऊर्जा देने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। समालखा बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु संघ के शताब्दी वर्ष से संबंधित कार्यक्रमों की समीक्षा करना है। देश भर में चलाए गए अभियानों, गृह-संपर्क और शताब्दी निमित्त आयोजनों से प्राप्त अनुभवों को यहां साझा किया जाएगा। प्रतिनिधि सभा की इस बैठक में वर्ष 2025-26 के दौरान किए गए कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही आगामी वर्ष के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्ययोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा होगी। बैठक में सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्ताव पारित होने की उम्मीद है। इस बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत संघ के सभी शीर्ष पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही बीजेपी समेत संघ से प्रेरित विभिन्न 32 संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी भी इस विचार-मंथन में हिस्सा लेंगे।

सुप्रिया सुले और संजय राऊत लोकसभा में उठाएंगे अजीत पवार की मौत का मामला

मुंबई (एजेंसी)। शरद पवार गुट के नेता रोहित पवार ने एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजित पवार के 28 जनवरी 2026 को हुए विमान हादसे की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग फिर उठा दी है। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना को लेकर कई तरह की शंकाएं हैं और बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के पूरी जांच जरूरी है, लेकिन फिलहाल ऐसा प्रतीत नहीं हो रहा। रोहित पवार ने कहा कि लोकसभा में सांसद सुप्रिया सुले और अमोल कोल्हे इस मामले पर आवाज उठाएंगे, जबकि राज्यसभा में वरिष्ठ शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत से भी इस मुद्दे को उठाने का आग्रह किया गया है। उन्हें इस संबंध में विस्तृत पत्र भी सौंपा गया है। उन्होंने हादसे से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा रोहित पवार केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक जांच पूरी नहीं होती, मंत्री को पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि 28 जनवरी के घातक विमान हादसे में शामिल कंपनी वीएसआर को बचाने की कोशिश की गई। मुंबई स्थित विधान भवन में मीडिया से बातचीत में रोहित पवार ने जांच प्रक्रिया में समय सीमा और रिपोर्टों पर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि हादसे के दिन, जब अजित पवार का शव पोस्टमॉर्टम के लिए रखा गया था, उसी समय दोपहर 1:36 बजे डीजीसीए ने शुरुआती रिपोर्ट जारी कर दी। रोहित पवार ने कहा कि लापरवाही के कारण हमने एक बड़े नेता खो दिया, जो सिर्फ उपमुख्यमंत्री नहीं बल्कि जनता के दिलों के मुख्यमंत्री थे। अजित बारामती जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव के प्रचार के लिए बारामती जा रहे थे, तभी विमान रनवे पर लैंड करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में अजित पवार के अलावा चार अन्य लोगों की भी मौत हुई।

प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा: ओवैसी और कांग्रेस ने नीतिगत बदलाव को बताया विश्वासघात

हैदराबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्तमान इजरायल यात्रा को लेकर देश के भीतर राजनीतिक पारा गरमा गया है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी सहित मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस दौरे पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए इसे भारत की पारंपरिक विदेश नीति के साथ विश्वासघात करार दिया है। ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक विस्तृत पोस्ट में केंद्र सरकार के इस कदम की कठोर आलोचना की है। ओवैसी ने इजरायली नेतृत्व की ओर इशारा करते हुए उन्हें युद्ध अपराधी बताया, जिनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरफ्तारी वारंट की चर्चा है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे समय में इजरायल जाकर वहां के नेतृत्व के साथ गर्मजोशी दिखाना भारत द्वारा दशकों से फिलिस्तीनी अधिकारों के प्रति दिए जा रहे सैद्धांतिक और ऐतिहासिक समर्थन के विरुद्ध है। ओवैसी ने मध्य पूर्व के भू-राजनीतिक समीकरणों पर गंभीर आशंका जताते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री की यात्रा समाप्त होते ही अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने अपनी पोस्ट का समापन जायोनिज्म मुर्दाबाद के नारे के साथ करते हुए इजरायल की राजनीतिक विचारधारा के प्रति अपना कड़ा विरोध स्पष्ट किया।

सिर्फ ओवैसी ही नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी ने भी इस दौरे को लेकर सरकार पर तीखे हमले किए हैं। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की इस यात्रा को नैतिकता के विरोध में बताया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भारत के ऐतिहासिक रुख की याद दिलाते हुए कहा कि 20 मई 1960 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने गाजा में संयुक्त राष्ट्र आपातकालीन बल की भारतीय टुकड़ी से मुलाकात की थी। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत ने हमेशा फिलिस्तीन के साथ एकजुटता दिखाई है, चाहे वह 1981 में स्मारक डाक टिकट जारी करना हो या 1988 में औपचारिक रूप से फिलिस्तीन राष्ट्र को मान्यता देना। इसी क्रम में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इजरायली संसद नेसेट को संबोधित करते समय गाजा में मारे गए हजारों निर्दोष पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए न्याय की मांग करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत का इतिहास हमेशा सत्य, शांति और न्याय के साथ खड़े होने का रहा है और हमें दुनिया को यही रोशनी दिखानी चाहिए।

दूसरी ओर, प्रधानमंत्री अपनी इस दो दिवसीय ऐतिहासिक यात्रा के दौरान इजरायल के साथ संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। बेन गुरियन हवाई अड्डे पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा द्वारा किए गए भव्य स्वागत के बाद प्रधानमंत्री ने इजरायल की संसद नेसेट को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने गाजा शांति पहल को पूरे क्षेत्र के लिए न्यायपूर्ण और स्थायी शांति का एकमात्र मार्ग बताया। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के मुद्दे पर इजरायल के साथ अटूट एकजुटता व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया कि भारत आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर अडिग है। उन्होंने वैश्विक मंच से आह्वान किया कि आतंकवाद किसी भी रूप में हो, वह वैश्विक शांति के लिए खतरा है और इसका मुकाबला करने के लिए दोहरे मापदंड छोड़कर समन्वित वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता है। जहां सरकार इस दौरे को कूटनीतिक सफलता के रूप में देख रही है, वहीं विपक्ष इसे भारत की गुटनिरपेक्ष और फिलिस्तीन समर्थक छवि को नुकसान पहुँचाने वाला कदम मान रहा है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने दिल्ली में ग्रीन टैक्स बंद करने की वकालत की, पूछा- करोड़ों की वसूली का क्या हुआ?

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली की सीमाओं पर वाणिज्यिक वाहनों से वसूले जाने वाले पर्यावरण मुआवजा शुल्क को तत्काल समाप्त करने की जोरदार वकालत की है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने इस कर की वसूली की सार्थकता और इसके तहत एकत्रित भारी-भरकम धनराशि के वास्तविक उपयोग पर कड़े सवालिया निशान खड़े किए हैं। उन्होंने दिल्ली नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उंगली उठाते हुए पूछा है कि वर्षों से पर्यावरण के नाम पर वसूले गए करोड़ों रुपये आखिर कहां खर्च किए गए।

गडकरी ने खुलासा किया कि उन्होंने हाल ही में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की थी। इस बैठक के दौरान उन्होंने निगम से यह स्पष्ट करने को कहा कि इस विशेष शुल्क से प्राप्त आय का हरित गतिविधियों या प्रदूषण कम करने वाली योजनाओं में कितना निवेश किया गया। उनके अनुसार, अधिकारियों ने स्वीकार किया कि पर्यावरण सुधार की दिशा में कोई ठोस योगदान नहीं दिया गया है। जब गडकरी ने इस टोल वसूली के औचित्य पर सवाल उठाया, तो अधिकारियों ने इसे सुप्रीम कोर्ट के पुराने आदेश का हिस्सा बताया। इस पर मंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि इस धन का उपयोग निर्धारित लक्ष्यों के लिए नहीं हो रहा है, तो जनता और परिवहन क्षेत्र पर यह अतिरिक्त बोझ डालना अनुचित है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद दिल्ली में प्रवेश करने वाले भारी और वाणिज्यिक वाहनों पर ईसीसी लागू किया गया था। इसका मूल उद्देश्य प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों को शहर के भीतर आने से हतोत्साहित करना और प्राप्त राशि का उपयोग सार्वजनिक परिवहन व पैदल यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने में करना था। हालांकि, गडकरी का दावा है कि उनके मंत्रालय की जांच में सामने आया है कि एकत्रित राशि का उपयोग प्रदूषण नियंत्रण के बजाय निगम की वित्तीय स्थिति को संभालने और वेतन जैसे खर्चों के लिए किया जा रहा है।

इस वित्तीय संकट का समाधान सुझाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि यह पैसा नगर निकाय को चलाने के लिए अनिवार्य है, तो दिल्ली सरकार को निगम को सीधे अनुदान देना चाहिए। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे और सुप्रीम कोर्ट से इस पुराने आदेश पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे। गडकरी का यह रुख दिल्ली-एनसीआर के ट्रांसपोर्टरों के लिए बड़ी राहत की उम्मीद लेकर आया है। यदि यह शुल्क हटता है, तो इससे आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई लागत में कमी आएगी और अंतरराज्यीय व्यापार सुगम होगा। अब देखना यह है कि दिल्ली सरकार और न्यायालय पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सुगमता के इस द्वंद्व पर क्या निर्णय लेते हैं।

राज्यसभा चुनाव: महाराष्ट्र में एक सीट पर एमवीए में मच सकता है घमासान

-आदित्य ठाकरे ने ठोका दावा, शरद पवार की दावेदारी से कांग्रेस भी टेंशन में

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा चुनाव में देशभर की 37 सीटों पर 16 मार्च को मतदान होना है, लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला महाराष्ट्र की सात सीटों को लेकर बन गया है। एनडीए जहां छह सीटें जीतती दिख रही है, वहीं एक सीट विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए प्रतिष्ठा और एकजुटता की परीक्षा बन गई है। एमवीए में शरद पवार की एनसीपी (एसपी), उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस शामिल हैं। मौजूदा विधानसभा गणित के मुताबिक तीनों दलों के पास मिलकर इतनी ताकत है कि वे एक उम्मीदवार को जिता सकते हैं, लेकिन इसके लिए अतिरिक्त समर्थन की जरूरत होगी। ऐसे में सीट किसे मिले यही सबसे बड़ा सवाल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने विधायकों की संख्या के आधार पर राज्यसभा सीट पर दावा ठोका है। पार्टी का तर्क है कि 2020 में उसने एनसीपी को समर्थन दिया था, इसलिए इस बार उसका हक बनता है। पार्टी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और उन्हें दोबारा भेजने की मांग उठ रही है। वहीं कुछ नेताओं का मानना है कि खुद उद्धव ठाकरे को भी राज्यसभा भेजा जा सकता है।

दूसरी ओर शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है और एनसीपी (एसपी) उन्हें दोबारा सदन भेजने के पक्ष में है। उनकी बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने साफ कहा है कि पार्टी और कार्यकर्ता चाहते हैं कि शरद पवार ही फिर राज्यसभा जाएं। पार्टी नेताओं ने सहयोगी दलों से बातचीत के संकेत दिए हैं। यहीं से सियासी उलझन बढ़ जाती है। अगर सीट पवार को दी जाती है तो शिवसेना (यूबीटी) को पीछे हटना पड़ेगा। वहीं अगर शिवसेना को प्राथमिकता मिलती है तो एनसीपी (एसपी) में असंतोष की स्थिति बन सकती है।

कांग्रेस फिलहाल अपने पत्ते नहीं खोल रही है। पार्टी नेतृत्व गठबंधन की व्यापक रणनीति और संभावित भविष्य के समीकरणों को ध्यान में रखकर फैसला लेना चाहता है। कांग्रेस को एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित समीकरणों को लेकर भी सतर्कता है। माना जा रहा है कि कांग्रेस समर्थन के बदले विधान परिषद चुनावों में समायोजन चाहती है। इससे साफ है कि महाराष्ट्र की जो एक सीट सिर्फ राज्यसभा चुनाव नहीं, बल्कि महाविकास अघाड़ी के भीतर नेतृत्व, संतुलन और भविष्य की राजनीति का संकेत भी बनेगी। अब सबकी नजर गठबंधन की अगली बैठक और अंतिम फैसले पर टिकी हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सैनिकों के हक में सुनाया फैसला- लाइफस्टाइल डिसऑर्डर कहकर नहीं रोक सकते दिव्यांग पेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि सशस्त्र बलों के कर्मियों की दिव्यांगता पेंशन सिर्फ यह कहकर रोकी नहीं जा सकती कि बीमारी ÷लाइफस्टाइल डिसऑर्डर÷ है या पीस एरिया (शांतिपूर्ण तैनाती) में हुई। हाईकोर्ट ने माना कि सेना में सेवा हर परिस्थिति में तनावपूर्ण होती है और इससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

हाईकोर्ट में जस्टिस वी. कामेश्वर राव और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की डिवीजन बेंच ने आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (एएफटी) के उस आदेश को रद्द किया, जिसमें भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी की दिव्यांग पेंशन याचिका खारिज कर दी गई थी। याचिकाकर्ता उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) और कोरोनरी आर्टरी डिजीज से पीड़ित हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मायने नहीं रखता कि बीमारी फील्ड एरिया में हुई या पीस पोस्टिंग में। असली सवाल यह है कि क्या बीमारी का संबंध सेवा परिस्थितियों से है। इस केस में मेडिकल बोर्ड यह स्पष्ट नहीं कर सका कि अफसर की बीमारियां सेवा से जुड़ी नहीं थीं।

कोर्ट ने विशेष रूप से कहा कि बिना ठोस वजह के बीमारी को ÷लाइफस्टाइल डिसऑर्डर÷ कहना कानूनन सही नहीं। मेडिकल बोर्ड ने भी माना था कि बीमारियां अधिकारी की लापरवाही या गलत आदतों से नहीं हुई थीं। मोटापा, धूम्रपान या शराब से जुड़े तर्क खारिज कर दिए गए क्योंकि रिपोर्ट में इन्हें कारण नहीं बताया गया था।

एएफटी द्वारा वजन और लाइफस्टाइल के आधार पर निष्कर्ष निकालना और हृदय रोग को सिर्फ पिछले 14 दिनों की ड्यूटी से जोड़ना भी तर्कसंगत नहीं माना गया। कोर्ट ने साफ किया कि बीमारी का मूल्यांकन पूरी सेवा अवधि और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर होना चाहिए।

40 साल की सेवा, 50 फीसद दिव्यांगता, अब पेंशन सुरक्षित

याचिकाकर्ता अफसर ने वायुसेना में 40 साल से अधिक सेवा दी और ज्वाइनिंग के समय पूरी तरह से फिट थे। उन्हें 1999 में हाइपरटेंशन और 2016 में गंभीर कोरोनरी आर्टरी डिजीज हुई, जिसके लिए ओपन-हार्ट सर्जरी करानी पड़ी। उनकी दिव्यांगता 50 फीसद आंकी गई थी, लेकिन पेंशन रोक दी गई थी। हाईकोर्ट ने याचिका मंजूर करते हुए अफसर को 50 प्रतिशत आजीवन दिव्यांग पेंशन देने का निर्देश दिया। साथ ही रिटायरमेंट की तारीख से बकाया भुगतान 8 सप्ताह के भीतर जारी करने और देरी होने पर 12 प्रतिशत सालाना ब्याज देने का आदेश भी दिया।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)